दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

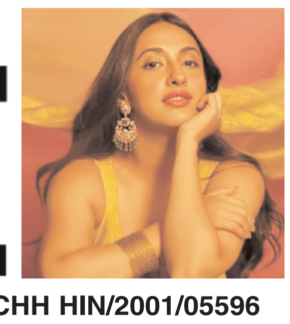

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 169 रायपुर, गुरुवार, 16 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

3 हिड़मा को रोल मॉडल...

आकांक्षा ने सैर करवाई ... 8

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मोबाइल फोन विनिर्माण योजना को मंजूरी दी

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्र सरकार ने 625 अरब रुपये के बजट परिव्यय के साथ मोबाइल फोन निर्माण योजना (एमपीएमएस) को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 वर्ष की अवधि (वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक) के लिए योजना को मंजूरी दी।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि योजना के तहत देश में मोबाइल फोन निर्माण पर 2.25 प्रतिशत से 5 प्रतिशत तक की अलग-अलग दरों पर प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही घरेलू सोर्सिंग से जुड़ा 1.5 प्रतिशत तक का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी होगा। वहीं, भारतीय ब्रांड बनाने के लिए डिजाइन और अनुसंधान पर 3 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। वैष्णव ने बताया कि योजना अवधि के दौरान मोबाइल फोन उत्पादन 39 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। साथ ही इस योजना से लगभग 60 हजार प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा और आर्थिक विकास में योगदान भी मिलेगा। सरकार के अनुसार योजना का उद्देश्य तकनीकी संप्रभुता हासिल करने, व्यापक आर्थिक मूल्य प्राप्त करने और डिजाइन एवं अनुसंधान एवं विकास में भारतीय पेटेंट बनाने के लिए भारतीय ब्रांडों का निर्माण करना भी है।

चिप उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी

केन्द्र सरकार ने सेमीकंडक्टर डिजाइन और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी है और इसके लिए कुल बजट 1.27 लाख करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय मीडिया केन्द्र में अश्वनी वैष्णव ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर क्षेत्र को सतत और दीर्घकालिक समर्थन की आवश्यकता को पहचानते हुए और सेमीकॉन 1.0 के तहत आई गति को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से सेमीकॉन 2.0 को मंजूरी दी गई है।

ईरान पर अमेरिकी हमले में 30 की मौत

ट्रम्प ने अगले 3 दिन और बड़े हमले की चेतावनी दी

एजेंसी, तेहरान/वॉशिंगटन

ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि हाल के अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केरमनपौर के अनुसार, घायलों में कम से कम तीन महिलाएं और छह बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि अब तक 222 घायलों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है।

केरमनपौर ने कहा कि ये सभी लोग ईरान पर हाल में हुए अमेरिकी हमलों की ताजा लहर में घायल हुए हैं। हालांकि, उन्होंने हमलों की सटीक समयावधि का उल्लेख नहीं किया। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है।

इससे पहले ईरान सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बताया था कि हाल के दिनों में दक्षिणी ईरान में अमेरिकी हमलों में 30 से अधिक नागरिकों की मौत हुई है। ईरानी सेना ने दावा किया कि देश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में स्थित एक सैन्य अड्डे पर रातभर हुए अमेरिकी हमलों में सात सैन्यकर्मी भी मारे गए।

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को और तेज करने की रणनीति पर चर्चा की गई।

एमसीडी-एनडीडीबी के बीच सीबीजी संयंत्रों के लिए समझौता

2028 तक यमुना में एक बूंद गंदा पानी नहीं जाएगा : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में बुधवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के बीच दिल्ली में गोबर के वैज्ञानिक निस्तारण और कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी) संयंत्रों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर शाह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिसंबर 2028 तक यह सुनिश्चित करना है कि यमुना नदी में एक भी लीटर गंदा पानी न जाए।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कार्यक्रम में केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह, दिल्ली के उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय सहकारिता सचिव तथा केंद्र और दिल्ली सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि यह समझौता देश के सभी बड़े शहरों के लिए स्वच्छता का एक आदर्श मॉडल बनेगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से पशुपालकों की आय बढ़ेगी, शहरी स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा, कंप्रेस्ड बायो-गैस का उत्पादन होगा और जैविक खेती को भी नई गति मिलेगी।

सदन में उठा गुजरात में ब्लैक लिस्टेड दवाइयों की छत्तीसगढ़ में सप्लाई का मुद्दा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन गुजरात में ब्लैक लिस्टेड दवाइयों की छत्तीसगढ़ में सप्लाई का मुद्दा विपक्ष ने उठाया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रश्नकाल के दौरान मेसर्स यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड से जुड़ी घटिया दवाओं की खरीद को लेकर जन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवालसे सवाल पूछे थे ।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के साथ कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को विषय पर घेरा।

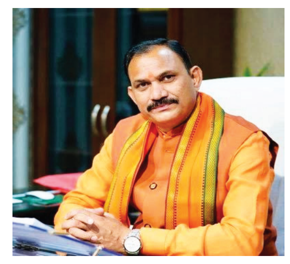

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि जो दवाइयां गुजरात मे बैन है। उसे छत्तीसगढ़ में बैन क्यों नहीं की। कांग्रेस विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में मरीजों को बिना क्वालिटी की दवाई सप्लाई हो रही है, क्या हम प्री टेस्ट नहीं करा रहे हैं? स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सीजीएमएससी के नियम पहले से बने हुए हैं, हम प्री टेस्ट नहीं कराते हैं, लेकिन जब दवाई आ जाती है, तब हम अपनी लैब में टेस्ट कराते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अनुपस्थिति में विधायक अटल श्रीवास्तव ने पूछा कि क्या यह सत्य है कि दवा निर्माता कंपनी मेसर्स 'यूनिक्योर इंडिया लिमिटेड' द्वारा प्रदायित एस्पिरिन टैबलेट्स आइपी' गुणवत्ता मानकों पर विफल होने के कारण गुजरात राज्य द्वारा ब्लैकलिस्टेड की गई थी? यदि हाँ, तो क्या इसकी आधिकारिक संसूचना छत्तीसगढ़ शासन या सीजीएमएससी को प्राप्त हुई थी?

इसके साथ विधायक ने पूछा कि क्या यह भी सत्य है कि छत्तीसगढ़ में इसी अमानक औषधि के क्रय एवं आपूर्ति आदेश को त्वरित स्वीकृति प्रदान की गई? यदि हाँ, तो स्थापित वित्तीय नियमों को शिथिल करने हेतु कौन से लोकसेवक उत्तरदायी हैं?

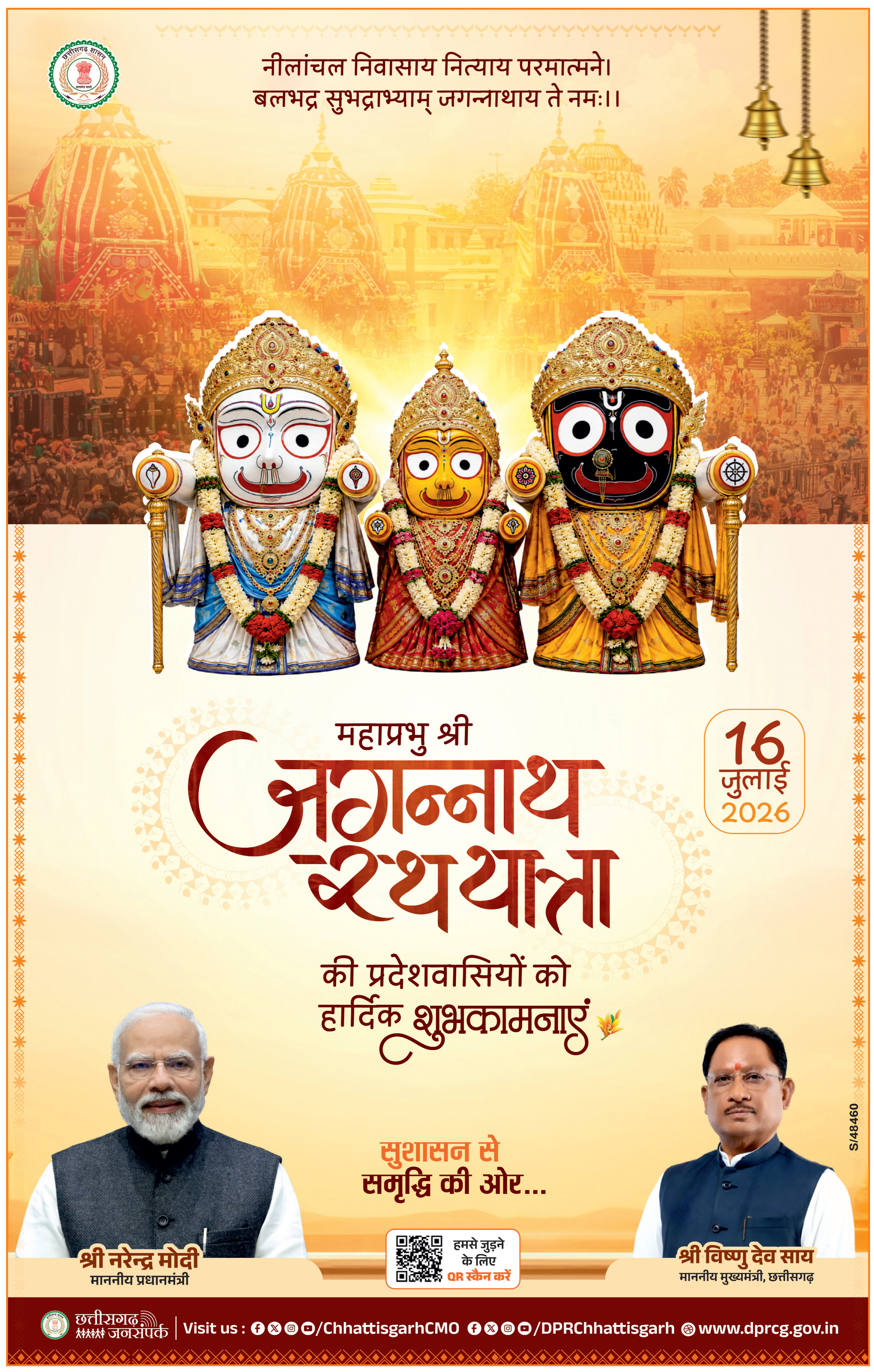

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33307/ न. पा. नि. जोन क्रं 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33307
वार्ड का नाम 55 रविन्द्रनाथ टैगोर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 55 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651G00435 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RINA CHHABRA पिता / पति श्री/श्रीमती SATISH KUMAR CHHABRA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती गरीमा दुबे पिता / पति श्री श्रीमती पति श्री प्रदीप कुमार दुबे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33141/ न. पा. नि. जोन क्रं10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33141
वार्ड का नाम 53 बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651P00562 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MADHAV-DAS DHAMANDAS BHO-JWANI पिता / पति श्री/श्रीमती DHAMANDAS BHOJWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MR.ANSH KUKREJA पिता / पति श्री/श्रीमती S/O RAJ KUKREJA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं /33216/ न. पा. नि. जोन क्रं 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33216
वार्ड का नाम 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445H0003A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MAHEN-DRA KUMAR GUPTA पिता / पति श्री श्रीमती LT. BADRI PRASAD GUPTA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती स्वीटी चावला पिता/पति श्री श्रीमती पति श्री राजेश चावला ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33150/ न. पा. नि. जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33150
वार्ड का नाम 53 बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी RPR651P00498 जो की निगम अभिलेख DAWARKO MAL, AWAR RAM पिता/पति श्री/श्रीमती S/O MR एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. श्री / श्रीमती 1. NANIK RAM 2. KAILASH WAD-HWANI पिता/पति श्री/श्रीमती WAD-HWANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MR. SUBHASH JAG-WANI RAMCHAND JAG-WANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33144/ न. पा. नि. जोन क्रं 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33144
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651S12C38 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती D.M. & COM-PANY DWARA PARTNER-PARESH MANIK पिता/पति श्री/श्रीमती LATE. DAYA BHAI MANIK के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.SMT. SIMRAN KUKREJA 2. SMT. KASHISH KUKREJA पिता / पति श्री/श्रीमती 1. W/O RAJ KUKREJA 2. MR.SUNIL KUMAR KUKRE-J ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33145/ न. पा. नि. जोन क्रं - 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33145
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651KM6401 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KEYA BISWAS पिता/पति श्री श्रीमती TAPAS BISWAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.SHRUTI MISHRA 2. SARJITA MISHRA 3 NILAM MISHRA पिता/पति श्री श्रीमती 1. D/O MR.SATYENDRA KUMAR MISHRA 2. D/O MR.SATYENDRA KUMAR MISHRA 3. W/O MR.SATYENDRA KUMAR MISHR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33147/ न. पा. नि. जोन क्रं 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33147
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651P00499 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DHARMENDRA KUMAR JAIN पिता/पति श्री श्रीमती RAWATMAL JAIN के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MR. SUBHASH JAG-WANI पिता / पति श्री/श्रीमती S/O MR RAMCHAND JAGWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33138/ न. पा. नि. जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33138
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651K00649 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती हक्क र.ाप्रुरु पिता / पति श्री श्रीमती LATE. RAM SWAROOP SHUKLA के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती MR.VIVEK ANAND पिता / पति श्री/श्रीमती S/O ASHOK KUMAR ANAND ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33164/न. पा. नि. जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33164
वार्ड का नाम 49 - रानी दुर्गावती वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 49 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR445H00204 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती GHANSHYAM DAS पिता / पति श्री/श्रीमती ARJUN DAS के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती रेखा वलेशा पिता / पति श्री श्रीमती पति श्री दीपक वलेशा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं /33148/ न. पा. नि. जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33148
वार्ड का नाम 53 बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651P00594 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती GANGARAM MEGHANI पिता / पति श्री/श्रीमती LT. BHARAMAL MEGHANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री । श्रीमती SMT. RAJKUMARI MEGHANI पिता / पति श्री श्रीमती W/O LATE. MR. GAN-GARAM MEGHANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33146/ न. पा. नि. जोन क्रं - 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33146
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651P00437 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती NIL KUMAR KHEMANI पिता / पति श्री / श्रीमती GOPAL DAS KHEMANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT.PRERNA HOT-WANI पिता / पति श्री/श्रीमती W/O MR.VIJAY HOT-WANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33149/ न. पा. नि. जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33149
वार्ड का नाम 53 बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR651P00537 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DILIP KUMAR WARLYANI पिता / पति श्री/श्रीमती LT. REVAC-HAND WARLYANI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती MR. NIKHIL TOLANI पिता / पति श्री/श्रीमती S/O LATE .MR PRAKASHCHAND TOLANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-6/ वर्ष 2025-26
ग्राम बोरिद प.ह.नं.- 33

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / दानप्राप्तकर्ता ना.बा. प्रतीक देशलहरे पिता ईश्वर प्रसाद देशलहरे वली पिता ईश्वर प्रसाद देशलहरे पिता कामता प्रसाद निवासी ग्राम रसनी तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम बोरिद प.ह.नं. 33 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 247, 291 रकवा कमशः 0.4200, 0.4500 हे. कुल खसरा 02 कुल रकबा 0.8700हे. खातेदार कामता प्रसाद पिता नान्हुराम के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (दानदाता) कामता प्रसाद पिता नान्हुराम के द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनॉक 02.06.2026 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। दान पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अतः एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो दे इस न्यायालय में दिनॉक 17/7/26 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 8/7/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
मुहर **आरंग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-6-अ/वर्ष 2025-26
ग्राम छटेरा प.ह.नं.- 37

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक हरिचंद पिता साधुराम एवं अन्य 01 निवासी ग्राम छटेरा तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. द्वारा छ.ग. भू.रा. सं. की धारा 115-116 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम छटेरा प.ह.नं. 37 रा. नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 141/1 रकबा 0.2600 हे खातेदार हरिचंद पिता देवसिंग वगैरह के नाम पर सयुक्त खाता में राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदक की उक्त आवेदित भूमि में आवेदकगण के पिता का नाम देवसिंग एवं लाछवंतीन पिता देवसिंग का नाम ऑनलाईन राजस्व अभिलेख में त्रुटिवश दर्ज होना तथा शासकीय दस्तावेज एवं आधार कार्ड में आवेदकगण का पिता का नाम साधुराम एवं लच्छवन्तीन दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को शासकीय दस्तावेज एवं आधार कार्ड के आधार पर आवेदकगण के पिता का नाम साधुराम दर्ज करने एवं खातेदारं लच्छवन्तीन पिता साधुराम का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

अतः एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनाँक 16.06.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 30.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
मुहर **आरंग (छ.ग.)**

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-6/वर्ष 2025-26
ग्राम बोरिद प.ह.नं.- 33

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, आवेदक / दानप्राप्तकर्ता ना.बा. प्रशांत देशलहरे पिता ईश्वर प्रसाद देशलहरे वली पिता ईश्वर प्रसाद देशलहरे पिता कामता प्रसाद निवासी ग्राम रसनी तहसील आरंग जिला रायपुर म. द्वारा ग्राम बोरिद प.ह.नं. 33 रा.नि.मं. भिलाई तहसील आरंग में स्थित भूमि खसरा नंबर 245 रकबा 0.900 हे. खातेदार कामता प्रसाद पिता नान्हुराम के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (दानदाता) कामता प्रसाद पिता नान्हुराम के द्वारा पंजीकृत दानपत्र दिनॉक 72.76 2020 को आवेदक के नाम पर निष्पादित किया गया है। दान पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि पर नामांतरण किये जाने हेतु प्रकरण भूईया मद से दर्ज कर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया है।

अतः एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हो तो दे इस न्यायालय में दिनाँक 17/7/26 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। 12

यह ईश्तहार आज दिनाँक 8/7/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

तहसीलदार
मुहर **आरंग (छ.ग.)**

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 29.05.2019 को मेसर्स लक्की भारत गैरेज प्रा.लि., रायपुर (छ.ग.) के द्वारा श्री आशीष कुमार गोयल पिता श्री श्रीराम गोयल निवासी फाफाडीह, रायपुर के पक्ष में एक किता खुली भूमि जिसका प्लाट नबंर 5 का भाग, खसरा नबंर 475/3 रकबा 2363 वर्ग फुट जो कि वाके मौजा रायपुर खास नहरपारा, पटवारी हल्का नबंर 62, तह-व जिला रायपुर का विक्रय पत्र निष्पादित किया गया था जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में दस्तावेज क्रं 1271 में पंजीकृत किया गया है।

यह कि दिनांक 21.06.2019 को मेसर्स लक्की भारत गैरेज प्रा.लि., रायपुर (छ.ग.) के द्वारा श्री आशीष कुमार गोयल पिता श्री श्रीराम गोयल निवासी फाफाडीह, रायपुर के पक्ष में एक किता खुली भूमि जिसका प्लाट नबंर 5 का भाग, खसरा नबंर 473/3 रकबा 2405 वर्ग फुट जो कि वाके मौजा रायपुर खांस नहरपारा, पटवारी हल्का नबंर 62, तह-व जिला रायपुर का विक्रय पत्र निष्पादित किया गया था जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में दस्तावेज क्रं 2754 में पंजीकृत किया गया है।

यह कि श्री आशीष कुमार गोयल पिता श्री श्रीराम गोयल निवासी फाफाडीह, रायपुर ने उपर उल्लेख्यित संपत्ति को श्री अशोक कुमार यादव पिता श्री सीताराम यादव निवासी फाफाडीह, रायपुर को दस्तावेज क्रमांक 7032 दिनांक 03.01.2023 के माध्यम् से विक्रय कर दिया है।

यह कि पूर्व विक्रय विलेख का दिनांक 29.05.2019 एवं 21.06.2019 की मूल प्रति कहीं गुम हो गई है, तथा बहुत प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है। जिसकी प्रथम सूचना संबधित थाना गंज रायपुर को दिनांक 14.07.2026 को दी गई है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति को बंधक रखकर इन्डसट्रियल चेन सेन्टर, रायपुर के द्वारा मेरे पक्षकार इंडसंड बैंक लिमि., रायपुर से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन किया है।

अतः उक्त गुम हुऐ पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 29.05.2019 एवं 21.06.2019 एवं उपरोक्त संपात्त के संबध में किसी भी व्यक्ति या बैंक, वित्तीय या गैर वित्तीय संस्था या कोई अन्य किसी भी प्रकार का हक दावा संबधी कोई अपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपत्ति करे म्याद अवधि के पश्चात कोई भी दावा अपत्ति शुन्य व अवैध मानी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी ।

सो सूचना जाने

रायपुर छ.ग.
दिनांक 15.07.2026

भवदीय विजय राठौर, अधिवक्ता
ऑफिस: भारत गैस गोडउन के पीले लक्ष्मी नगर, पचपंडी नाका, रायपुर छ.ग. मो.- 9425202167

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास को दी बधाई

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय से आज जांजगीर–चांपा जिले की होनहार पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फ्हराकर इतिहास रचने वाली अमिता श्रीवास को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय उपस्थित थीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि अमिता श्रीवास ने अपने साहस, अदम्य इच्छाशक्ति, अनुशासन और अटूट संकल्प के बल पर विश्व की सबसे ऊँची चोटी पर भारत का तिरंगा लहराकर न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे देश का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि प्रदेश के लिए अत्यंत गर्व और सम्मान का विषय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से असंभव प्रतीत होने वाले लक्ष्य भी प्राप्त किए जा सकते हैं। अमिता श्रीवास की सफलता प्रदेश के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणा का सशक्त उदाहरण है।

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/अ-6/2025-2026
रायपुर, दिनांक 09/07/2026
ग्राम-गुढ़ियारी,
प.ह.नं.-107/49,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती लुकेश्वरी यादव पति- प्रशांत यादव निवासी- यादव होटल के पास शुक्रवारी बाजार गुढ़ियारी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है आवेदक द्वारा ग्राम- गुढ़ियारी प.ह.न.-107/49, रा.नि.म. रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) में स्थित परिवर्तित भूमि जिसका खसरा नं. 1138/1फ 29 शामिल खसरा नंबर 1170/23 रकबा 45.63 वर्गमीटर भूमि को विक्रेता सोनु यादव पिता किशन यादव निवासी- शंकर होटल के पीछे शुक्रवारी बाजार गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) से कय कर दाखिल व काबिज है। उपरोक्त संपत्ति को उप- पंजीयक कार्यालय रायपुर में दस्तावेज क्रमांक 76874 पृष्ठ क्रमांक 98 से 120 तक दिनांक 24/02/26 को पंजीकृत किया गया है। उक्त उल्लेखित भूमि के विक्रय प्रतिफल की राशि विक्रेता को प्रदान कर दिया है तथा आवेदक कय दिनांक से उक्त भूमि पर शांतपूर्वक दाखिल व काबिज है।

अत: उक्त संपत्ति को विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है।

उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 17/07/2026 को होगी। अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 17/07/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मुहर **रायपुर (छ.ग.)**

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हितग्राही श्री मनोज कुमार टहलरामानी पिता श्री किशन चंद टहलरामानी, को भवन/भूखण्ड क्र.-एल.आई.जी.-196, सेक्टर-02, पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर, डंगनिया, रायपुर में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, द्वारा आबंटित हैं, हितग्राही द्वारा आवासीय भूखण्ड/भवन को फ्री होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन हेतु निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर फ्री होल्ड अधिकार में संपरिवर्तन किया जाना है, इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति, शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर मय दस्तावेजसहित, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि के पश्चात कोई भी आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर रायपुर में निर्मित दीनदयाल आवास योजना के अतंर्गत, भवनों में से फ्लैट / भवन क्रमांक एल.आई.जी.-30/349 भूतल में 1. श्री चरनजीत कौर अरोरा पिता स्व. श्री अमरजीत सिंह अरोरा 2. श्रीमती इन्दरजीत कौर पिता स्व. श्री हरबंश सिंह को स्ववित्तीय / एकमुश्त आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 01.05.2008 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी के द्वारा उक्त फ्लैट / भवन के विक्रय हेतु दिनांक 09.07.2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर उक्त फ्लैट / भवन श्रीमती श्रीमती सरोज सिंह पति श्री संजय सिंह के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01, रायपुर

शपथ-पत्र

मैं शपथकर्ती जे. उमा माहेश्वरी उम्र वर्ष पति श्री जे. वेंकटेश्वर राव निवासी-1958/सी, जी माधव राव एल आई सी के सामने मदन महल जबलपुर म.प्र. जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूँ कि:-

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2. यह कि मेरे पुत्री-जे राजेश्वरी (J. RAJESHWARI) का जन्म दिनांक 16/05/2011 को हो चुका है जिसका पंजीकरण संख्या बी 001012011010658 जारी दिनांक 27-05-2011 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम जे. राजेश्वरी (J. RAJESH-WARI) पिता जे. वेंकट (J. VENKAT) माता का नाम जे. उमा माहेश्वरी (J. UMA MAHESHWARI) दर्ज है जिसमें पुत्री के पिता का नाम जे. वेंकट (J. VENKAT) गलत अंकित व दर्ज है।

यह कि घेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का पिता का सही नाम जे. वेंकटेस्वर राव (1, VENKATESWER RAO) लिखा व दर्ज कर / सुधार कर डिजिटल जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावें। जिस हेतु यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करता हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता

शपथ-पत्र

मैं शपथकर्ती श्रीमति रिंकी कर्ष पति श्री परमेश्वर कर्ष निवासी ग्राम सरसींवा सारंगढ़ जिला बिलाईगढ़ छ.ग. जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2. यह कि मेरे पुत्री टियासा कर्ष TIYASA KARSH पिता श्री परमेश्वर कर्ष PARMESH-WAR KARSH माता- रिंकी कर्ष RINKY KARSH का जन्म दिनांक-17-01-2025 को हुआ है।

3. यह कि उक्त जन्मप्रमाण पत्र में पुत्री का नाम ट्विशा कर्ष TWISHA KARSH पिता का नाम परमेश्वर कर्ष PARMESH-WAR KARSH, माता का नाम रिंकी कर्ष RINKY KARSH त्रुटिपूर्ण दर्ज है। जिसे संशोधन कराकर पुत्री का नाम-टियासा कर्ष TIYASA KARSH दर्ज कराकर जन्म प्रमाण पत्र प्राप्त करना चाहती हूँ।

3. यह कि जन्म प्रमाण पत्र के संबंध में प्रस्तुत जानकारी पूर्ण सत्य एवं सही है। जिसमें किसी भी प्रकार की कोई गलत जानकारी नहीं दी गई है यदि किसी भी प्रकार की कोई गलत जानकारी पाया जाता है। तो उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदार रहूँगा। जिस हेतु शपथ पत्र प्रस्तुत है।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पर के माध्यम से यह सत्यापित करता / करती हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/7-121/2026
रायपुर दिनांक 13/07/2026
ग्राम चंदनीडीह पहन
तहसील रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदिका/आवेदक मनहरण यदु पिता, जोहनलाल द्वारा इस न्यायालय जन्म प्रमाण पत्र बाबत आवेन पत्र पेश कर उल्लेख किया है कि, आवेदक के पिता/पति दीपक यदु की मृत्यु दिनांक 31-12-2010 को घर में हो चुकी है। उनके मृत्यु/जन्म उपरान्त आवेदक द्वारा निवेदन किया गया है। अत: आवेदक द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो वे नियत सुनवाई दिनांक 22/07/26 तक स्वत: या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13/07/26 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
मुहर **रायपुर (छ.ग.)**

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
e-mail ID-eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत कॉलोनी डूमरतराई फेस-।, जिला रायपुर में स्थित ई.डब्ल्यू.एस. फ्लैट क्रमांक-124, ब्लॉक क्रमांक- 08, द्वितीय तल, श्री विकास दुबे, पिता श्री श्याम नारायण दुबे, को एकमुश्त आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त फ्लैट की लीजडीड दिनांक 21/01/2016 पंजीकृत कराने के उपरांत फ्लैट की पूर्ण राशि जमा कर दिनांक 22/01/2016 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आंबटी श्री विकास दुबे, पिता श्री श्याम नारायण दुबे, निवासी- फुण्डहर रेल्वे लेन, तालाब के पास, अमलीडीह, रविग्राम, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त फ्लैट को 1. श्री बिपिन यादव पिता श्री समारू यादव 2. श्री नवीन करवा पिता श्री समारू यादव, निवासी- राजीव नगर, जिंदल बस्ती, सेरीखेड़ी, रायपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवदेन पत्र, विक्रय इकरारनामा, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन.ओ.सी.) की मांग की गई है।

अत: उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

CGHIDB कार्यालय संपदा अधिकारी, छीसगढ़ गृह निर्माण एवं विकास मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
e-mail ID-eocghbzone03@gmail.com

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा कालोनी बोरियाकला, जिला रायपुर, में स्थित दीनदयाल आवास योजनांतर्गत निर्मित फ्लैट क्रं एल.आई.जी 150 ब्लॉक 10 प्रथम तल श्री ओस्कर एक्का पिता श्री मिखैल एक्का निवासी:- ग्राम बनकोम्बो, तहसील कुनकुरी जिला-जशपुर (छ.ग.) के नाम पर इस कार्यालय के नामांतरण आदेश क्र. 96 दिनांक 12.06.2026 के माध्यम से नामांतरित है। आबंटी द्वारा फ्लैट का पूर्ण मूल्य जमा कर दिनांक 02.12.2010 को लीजडीड निष्पादित कराने के उपरांत पत्र क्रमांक 518 दिनांक 30.01.2012 को आधिपत्य आदेश जारी किया गया है। नामांतरित आंबटी श्री ओस्कर एक्का पिता श्री मिखैल एक्का, उक्त फ्लैट को विक्रय अनुमति हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त फ्लैट को क्रेता श्री मीर हसन अली पिता श्री मीर शौकत अली निवासी:- म.नं.-170, फौजदार पारा वार्ड नं.-07, रायगढ (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय हेतु अनुमति प्रदान किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन/फ्लैट के विक्रय करने हेतु अनुमति प्रदान करने में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात् आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

संपदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)

चेम्बर का बढ़ता कारवां, व्यापारियों का बढ़ता विश्वास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के लिए यह बेहद गर्व का क्षण है कि प्रतिष्ठित फ्ग्लोबल ट्रैवल एसोसिएशनफ्र अब आधिकारिक रूप से चेम्बर का नया सदस्य बन गया है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने एसोसिएशन के नवनियुक्त अध्यक्ष मनीष जैन, महामंत्री शुभम अग्रवाल और कोषाध्यक्ष राहुल वासवानी को इस नए सफर के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। थौरानी जी के कुशल नेतृत्व में चेम्बर लगातार व्यापारियों की आवाज को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से उठा रहा है और व्यापार संचालन की हर तकनीकी परेशानी को दूर कर रहा है, जिसके फलस्वरूप आज प्रदेश भर के व्यापारिक संघ लगातार चेम्बर से जुड़ रहे हैं।

इस गरिमामयी अवसर पर सलाहकार गुरजीत सिंह संधू, कार्यकारी अध्यक्ष राजेश वासवानी, कार्यकारी महामंत्री विकास आहूजा, उपाध्यक्ष –दिलीप इसरानी, मनीष प्रजापति, अमरदास खट्टर, जितेंद्र शादीजा, मंत्री–राहुल खूबचंदानी, आकाश डुडानी सहित एसोसिएशन के सदस्यगण एवं चेम्बर पदाधिकारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। चेम्बर ग्लोबल ट्रैवल एसोसिएशन का चेम्बर परिवार में आत्मीय स्वागत करता है।

हिड़मा को रोल मॉडल बताकर कांग्रेस ने अपने ही शहीद नेताओं के बलिदान का किया अपमान-केदार कश्यप

झीरम के गुनहगार का महिमामंडन कांग्रेस की असली मानसिकता उजागर करता है, प्रदेश की जनता से मांगे माफी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता अटल श्रीवास्तव द्वारा कुख्यात नक्सली हिड़मा को फ्रोल मॉडलफ्र बताए जाने वाले बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह केवल एक गैर–जिम्मेदाराना बयान नहीं, बल्कि झीरम घाटी में शहीद हुए कांग्रेस के अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं, सुरक्षा बलों के जवानों और सभी शहीदों के बलिदान का खुला अपमान है।

मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जिस हिड़मा का नाम वर्षों से बस्तर में नक्सली हिंसा, निर्दोष आदिवासियों की हत्या, सुरक्षा बलों पर कायराना हमलों और विकास कार्यों को बाधित करने जैसी घटनाओं से जुड़ा रहा है, आज उसी व्यक्ति को कांग्रेस का नेता

फ्रोल मॉडलफ्र बता रहा है। इससे कांग्रेस की नक्सलवाद के प्रति सोच और उसका दोहरा चरित्र उजागर हो गया है।

उन्होंने कहा कि 25 मई 2013 के झीरम घाटी नरसंहार को देश कभी नहीं भूल सकता। इस नृशंस हमले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, वरिष्ठ नेता महेंद्र कर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, उदय मुदलियार सहित कांग्रेस के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं और सुरक्षा बल के जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी। वर्षों तक कांग्रेस इस घटना पर राजनीति करती रही और न्याय की मांग करती रही, लेकिन आज उसी घटना से जुड़े सबसे कुख्यात नक्सली का महिमामंडन करना कांग्रेस की अवसरवादी राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण है।

बस्तर में प्रारंभिक शिक्षा का नया मॉडल- आंगनबाड़ी बनी बच्चों के सपनों की पाठशाला

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूत करने की दिशा में बस्तर जिले के ग्राम पंचायत पिपलावंड के मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र ने एक प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है। मनरेगा और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों से निर्मित यह आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल बच्चों के पोषण और देखभाल का केंद्र नहीं, बल्कि आकर्षक, सुरक्षित और नवाचार आधारित प्रारंभिक शिक्षा का सशक्त माध्यम बन गया है। पहले जर्जर भवन में संचालित होने वाले इस आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को पढ़ाई और गतिविधियों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्राम पंचायत की पहल पर जनपद पंचायत बस्तर के माध्यम से नवीन भवन की स्वीकृति प्राप्त की गई। वर्ष 2024–25 में कुल 11.69 लाख रुपये की लागत से भवन का निर्माण कराया गया, जिसमें मनरेगा से 8 लाख रुपये, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रुपये तथा गौड़ खनिज मद से 1.69 लाख रुपये की राशि का उपयोग किया गया। नवीन भवन का बाहरी स्वरूप बच्चों को सीखने के लिए प्रेरित करता है। भवन की दीवारों पर हिंदी वर्णमाला, अंग्रेजी अक्षर, आकर्षक चित्र, अल्फाबेट ट्री और शैक्षणिक भित्ति चित्र उकेरे गए हैं, जिससे बच्चों में खेल–खेल में सीखने की रुचि विकसित हो रही है। आंगनबाड़ी के अंदर भी सीखने के अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। सचित्र हिंदी वर्णमाला, अंग्रेजी अल्फाबेट, 1 से 100 तक की संख्या तालिका, बच्चों की लंबाई मापने के लिए विशेष ग्रोथ ट्री सहित कई इंटरैक्टिव शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराई गई है। वर्तमान में केंद्र में 22 बच्चे पंजीकृत हैं, जो प्रतिदिन उत्साहपूर्वक शिक्षा एवं पोषण सेवाओं का लाभ ले रहे हैं।

'समाधान योजना में बिजली के न्यायालयीन प्रकरणों का भी होगा त्वरित निराकरण'

न्यायालय से प्रकरण वापस लेकर पात्र उपभोक्ता उठा सकेंगे योजना का लाभ

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना के अंतर्गत अब न्यायालयों में लंबित बिजली बिल संबंधी प्रकरणों का भी निराकरण किया जाएगा। इसके लिए उपभोक्ताओं को न्यायालयों में लंबित प्रकरण वापस लेना होगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह कंवर ने बताया कि उपभोक्ताओं से मिल रहे उत्साहजनक प्रतिसाद को देखते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा के अनुरूप छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ने मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना–2026 की अवधि 30 सितंबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही अब योजना का दायरा बढ़ाते हुए न्यायालयों में लंबित बिजली बिल संबंधी प्रकरणों को भी इसमें शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के बिजली बिल संबंधी प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन हैं, वे न्यायालय से अपना प्रकरण वापस लेकर योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकते हैं। नियमानुसार आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद उन्हें उपलब्ध छूट एवं अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे।

सीएसपीडीसीएल राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता हर्ष कुमार मेश्राम ने बताया कि मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना–2026 के तहत निम्नदाब घरेलू, बीपीएल एवं कृषि श्रेणी के अशासकीय उपभोक्ताओं को बकाया बिजली बिल की मूल राशि एवं अधिभार में नियमानुसार छूट का लाभ प्रदान किया जा रहा है। राजनांदगांव रीजन के अंतर्गत चारों जिलों के 07 विद्युत संभागों में सर्वाधिक कवर्धा संभाग से 21478, पंडरिया संभाग से 19815, मोहला संभाग से 2906, राजनांदगांव संभाग से 4998, खैरागढ़ संभाग से 3589, डोंगरगढ़ संभाग से 5263 एवं डोंगरगांव संभाग से 1242 सक्रिय एवं निष्क्रिय उपभोक्ता लाभान्वित हो चुकें हैं। इन सक्रिय एवं निष्क्रिय उपभोक्ताओं को मूल बकाया राशि एवं अधिभार (सरचार्ज) में 18 करोड़ 28 लाख रुपए की राशि का छूट प्रदान किया जा चुका है। लाभान्वित उपभोक्ताओं द्वारा सक्रियता दिखाते हुए अब तक लगभग 05 करोड़ 04 लाख 82 हजार रुपए की बकाया राशि विभाग में जमा की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजनाफ्र के माध्यम से इन चार जिलों के लगभग 60 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इसमें सक्रिय और निष्क्रिय दोनों प्रकार के बीपीएल घरेलू और कृषक श्रेणी के उपभोक्ता शामिल हैं। विभाग द्वारा अब तक मूल बकाया राशि और अधिभार (सरचार्ज) में कुल 18 करोड़ 28 लाख रुपए की भारी छूट प्रदान की गई है। समाधान योजना का मुख्य उद्देश्य बीपीएल, निम्नदाब घरेलू उपभोक्ताओं और कृषि श्रेणी के उपभोक्ताओं को आर्थिक संबल प्रदान करना है।

मुख्य अभियंता मेश्राम ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि ऐसे बीपीएल, घरेलू (फ्र) एवं कृषि श्रेणी के उपभोक्ता जो 31 मार्च 2023 से पूर्व के बकाया बिजली बिलों के कारण आर्थिक दबाव महसूस कर रहे हैं।

गुढ़ियारी में जलभराव, खुली नालियों और असुरक्षित ट्रांसफार्मर को लेकर आप का हल्लाबोल; जोन आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी क्षेत्र में बारिश के मौसम में निर्मित हो रही जानलेवा समस्याओं को लेकर आम आदमी पार्टी (फ्र) ने मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं छाया पार्षद डॉ. विजय देवांगन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक–1 के जोन आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर त्वरित और ठोस कार्रवाई की मांग की है। मुख्य समस्याएँ- वार्ड क्र. 15 और 17 में मंडरा रहा है खतरा डॉ. विजय देवांगन ने जोन आयुक्त को अवगत कराया कि गुढ़ियारी के वार्ड क्रमांक 15 (नेता जी कन्हैयालाल बाजारी वार्ड) एवं वार्ड क्रमांक 17 के अंतर्गत गुड मॉर्निंग किराना स्टोर के पास स्थिति बेहद संवेदनशील बनी हुई है-

अत्यधिक जलभराव और छिपी हुई नालियाँ- बारिश के दौरान सड़क पर भारी पानी जमा हो जाता है। सड़क के दोनों किनारों पर बनी गहरी और खुली नालियां पानी में डूबकर पूरी तरह छिप जाती हैं। इसके कारण राहगीर, दोपहिया वाहन चालक, बच्चे और बुजुर्ग लगातार दुर्घटना का शिकार होकर इन नालियों में गिर रहे हैं।

करंट फैलने का भयावह खतरा- जलभराव वाले इसी मुख्य मार्ग पर एक विद्युत ट्रांसफार्मर भी स्थित है। पानी जमा होने के कारण क्षेत्र में करंट फैलने का गंभीर खतरा बना रहता है, जो किसी बड़ी जनहानि या अप्रिय घटना को बुलावा दे रहा है।

आम आदमी पार्टी की प्रमुख माँगें

प्रतिनिधिमंडल ने जनसुरक्षा को सर्वोपरि बताते हुए प्रशासन के समक्ष निम्नलिखित माँगें रखीं हैं

जलभराव का स्थायी समाधान गुड मॉर्निंग किराना स्टोर के पास होने वाले जलभराव की समस्या का तत्काल और स्थायी निराकरण किया जाए।

रायपुर नगर पालिक निगम

5,000 नियमितीकरण शुल्क + नए नल कनेक्शन का निर्धारित शुल्क

छत्तीसगढ़ अवैध नल कनेक्शन नियमितीकरण सरलीकृत प्रक्रिया

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ नगर पालिक अधिनियम 1956 की धारा 132 की उपधारा (1) के खंड फ्खफ्र में उल्लेखित जलकर की दरों एवं अवैध कनेक्शनों के नियमितीकरण के संबंध में शासन द्वारा अधिसूचना क्र–एफ–5–190/18/2005 दिनांक 03.02.2010 जारी की गई है। इस राजपत्रित अधिसूचना के तहत अवैध नल कनेक्शनों को वैध करने के लिए एक सरलीकृत प्रक्रिया निर्धारित की गई है।

नियमितीकरण हेतु निर्धारित शुल्क

अवैध नल कनेक्शनों को नियमित कराने के लिए श्रेणीवार शुल्क निम्नानुसार निर्धारित किया गया है अवैध आवासीय नल

कनेक्शन (Residential) 5,000 नियमितीकरण शुल्क + नए नल कनेक्शन का निर्धारित शुल्क। अवैध व्यावसायिक नल कनेक्शन (Commercial) 15,000 नियमितीकरण शुल्क + नए नल कनेक्शन का निर्धारित शुल्क। नियमितीकरण के लिए आवश्यक शर्तें एवं प्रक्रिया अवैध कनेक्शन को वैध कराने के लिए हितग्राहियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा-

आवेदन प्रारूप- हितग्राही को नगर निगम द्वारा निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा।

एकमुश्त भुगतान- आवेदन के साथ संपूर्ण निर्धारित राशि (नियमितीकरण शुल्क + नया कनेक्शन शुल्क) एक साथ जमा करनी होगी।

प्रॉपर्टी टैक्स लिंक- नियमित कराए गए नल कनेक्शन को अपनी प्रॉपर्टी टैक्स आईडी (Property Ta& ID) से लिंक कराना अनिवार्य होगा।

अमृत मिशन एवं स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत नियम

अवैध की श्रेणी से बाहर- अमृत मिशन योजना एवं स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत दिए गए नल कनेक्शन अवैध नल कनेक्शन की श्रेणी में नहीं आएंगे।

पंजीयन प्रक्रिया- इस योजना के तहत कनेक्शन लेने वाले उपभोक्ता/कनेक्शनधारी, कनेक्शन संयोजन के वर्ष से ही निगम की डिमाण्ड पंजी में आवेदन कर अपना नाम दर्ज करा सकेंगे।

आवश्यक सूचना एवं चेतावनी

तत्काल कार्रवाई- अवैध नल कनेक्शनों को वैध कराने की कार्रवाई निगम द्वारा तत्काल प्रारंभ की जा रही है।

दंडात्मक कार्रवाई- जो भी उपभोक्ता अपने अवैध नल कनेक्शन को नियमानुसार वैध नहीं कराएंगे, उनके विरुद्ध निगम द्वारा कठोर कानूनी व दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

बेकरी की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

5 हजार रूपये का ई जुर्माना

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 54 के अंतर्गत बोरियाखुर्द में स्थित नाइस बेकरी की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 10 जोन कमिश्नर श्री मोनेश्वर शर्मा के मार्गनिर्देशन में किया गया.

स्वच्छता व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी फैलाने और प्रचलित

स्वच्छता मानकों का उल्लंघन करना पाया गया, प्राप्त जनशिकायत सही मिलने पर निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री अमित बेहरा एवं स्वच्छता निरीक्षक श्री यशवंत बेरिहा की उपस्थिति में नाइस बेकरी बोरियाखुर्द के सम्बंधित संचालक को भविष्य के लिए नियमानुसार कड़ी चेतावनी देते हुए 5 हजार रूपये का ई जुर्माना तत्काल किया जाकर नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वच्छता से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया.नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग ने बोरियाखुर्द में नाइस बेकरी की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण, गन्दगी फैलाने और प्रचलित स्वच्छता मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर किया 5 हजार रुपये का ई जुर्माना।

नगर निगम रायपुर की सख्त कार्रवाई कचरा फैलाने पर कोलावेरी कैफे पर 5,000 का जुर्माना

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के जोन क्रमांक 2 स्वास्थ्य विभाग ने स्वच्छता के प्रति अपना सख्त रुख अपनाते हुए गंदगी फैलाने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है।

मामले का विवरण

शिकायत का संज्ञान- देवेन्द्र

नगर क्षेत्र स्थित कोलावेरी कैफे द्वारा बाहर कचरा फैलाए जाने की जनशिकायत प्राप्त हुई थी।

औचक निरीक्षण- निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश और जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय के मार्गदर्शन में जोन 2 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने स्थल का औचक निरीक्षण किया।

पुष्टि निरीक्षण के दौरान कैफे के बाहर कचरा फैलाना सही पाया गया।

की गई कार्रवाई

जुर्माना स्वच्छता नियमों के उल्लंघन के लिए संबंधित संस्थान पर 5,000 का ई–चालान काटा गया।

चेतावनी निगम प्रशासन ने प्रतिष्ठान संचालक को भविष्य में स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत दी है। साथ ही।

डॉ. खूबचंद बघेल की जयंती पर सादर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य के प्रणेता और प्रथम स्वप्नदृष्टा श्रद्धेय डॉ. खूबचंद बघेल जी की जयंती के अवसर पर उन्हें सादर ससम्मान नमन करने हेतु एक विशेष पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस गरिमामयी अवसर पर आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम का विवरण

तिथि एवं दिन 19 जुलाई 2026, दिन- रविवार **समयः प्रातः 11:00 बजे** स्थान- डॉ. खूबचंद बघेल मूर्ति स्थल, जी.ई. रोड (नवीन मार्केट, फूल चौक के समीप), रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा की जा रही प्रशासनिक तैयारियाँ- रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वाधान में और स्थानीय जोन क्रमांक 4 के विशेष सहयोग से आयोजन को भव्य एवं व्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं- विशेष स्वच्छता अभियान- मूर्ति स्थल और उसके आसपास के पूरे क्षेत्र की विशेष साफ–सफाई कराई जा रही है। पुष्पसज्जा एवं सौंदर्यीकरण- जयंती के गरिमा के अनुरूप मूर्ति स्थल को आकर्षक फूलों से सजाया जाएगा।

अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं गणमान्य नागरिकों और आमजन की गरिमामयी उपस्थिति को देखते हुए आवश्यक प्रशासनिक व बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। आइए, हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण की नींव रखने वाले महान पुरोधा डॉ. खूबचंद बघेल जी को उनकी जयंती पर सादर नमन करें और उनके विचारों को याद करें।

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 जुलाई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

पैसे के पीर टीटीई

सही मायने में कलकत्ता हाईकोर्ट ने ट्रेनों में टीटीई के उस सर्वमान्य भ्रष्ट आचरण को सार्वजनिक रूप से उजागर किया है, जिसे रेलयात्री कीमत चुकाने के बाद भी कहने में संकोच करते हैं। यात्रियों से खचाखच भरी ट्रेनों में अक्सर मुश्किल से सफर करने वाले यात्री खाली पड़ी बर्थ अलॉट करा लेते हैं। जिसके एवज में उन्हें टीटीई को किराये के अलावा अतिरिक्त पैसा भी देना पड़ता है। यह चलन देशभर में विभिन्न ट्रेनों में दिखायी देता है। लेकिन अक्सर यात्री अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचकर बात को आई-गई मान लेते हैं। लेकिन जब पैसे देकर अपराधियों को दी गई बर्थ के जरिये चलती ट्रेन में कोई बड़ा अपराध हो जाए तो मामला गंभीर हो जाता है। दरअसल, जस्टिस राजशेखर मंथा व जस्टिस बिस्वरूप चौधरी की बेंच साल 2009 में तीस्ता-तोरस एक्सप्रेस में हुई लूट और मौत के मामले में दो दोषियों की अपील पर सुनवाई कर रही थी। उस दौरान कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की कि टीटीई खाली बर्थ ऐसे बेचते हैं,जैसे बाजार में सब्जियां बिकती हैं। ऐसे में अपराधी खाली बर्थ खरीदकर आरक्षित कोच तक पहुंच बना लेते हैं। वे फिर यात्रियों के साथ घुल-मिलकर उन्हें लूट लेते हैं। अदालत ने सख्त लहजे में कहा कि पैसे लेकर जनरल टिकट वाले यात्रियों को खाली बर्थ देने से अपराधियों को आरक्षित कोच के यात्रियों तक पहुंचने का मौका मिल जाता है। तीस्ता व तोरस केस में भी जो आपराधिक घटना हुई है, उसमें कई टीटीई ने अपनी जिम्मेदारी सही ढंग से नही निभायी। दरअसल, सत्रह साल पुराने केस में जलपाईगुड़ी से सियालदह जा रही तीस्ता-तोरसा एक्सप्रेस में जनरल टिकट पर सफर कर रहे दो बदमाशों ने टीटीई को पैसे देकर एस-8 कोच में खाली बर्थ ले ली थी। फिर इन्होंने खाने-पीने की चीजों में नशीला पदार्थ मिलाकर कुछ यात्रियों को बेहोश कर दिया और उनका सामान लूट लिया। घटना में जहरीले पदार्थ से सुनील कुमार दास की मौत हो गई थी, जबकि दूसरा लंबे समय अस्पताल में उपचार के बाद बच गया था।

दरअसल, इस मामले में दोनों आरोपियों को दोषी पाया गया, लेकिन पुलिस द्वारा पर्याप्त साक्ष्य न जुटाए जाने के कारण सात साल की जेल के बाद कोर्ट को उन्हें रिहा करना पड़ा। कोर्ट ने टीटीई ही नहीं, पुलिस को भी लापरवाह माना क्योंकि मृतक का विसरा फॉरेंसिक जांच को नहीं भेजा गया। दूसरे यात्री के अस्पताल में उपचार के रिकॉर्ड भी नहीं जुटाए गए। फलत: हत्या के आरोप सिद्ध नहीं हो पाए। इस घटनाक्रम के बाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले की कॉपी पूर्वी रेलवे के महाप्रबंधक समेत देशभर के रेलवे अधिकारियों को भेजने को कहा। ताकि पैसे लेकर खाली बर्थ बेचने वाले टीटीई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। कोर्ट ने कदाचार करने वाले रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ अधिकतम कार्रवाई करने को कहा क्योंकि टीटीई की लापरवाही ही ट्रेन में घटे इस अपराध की वजह बनी थी। कोर्ट ने कहा कि व्यक्ति सिर्फ चोरी का शिकार हुआ,लेकिन टीटीई के गैर-जिम्मेदार व्यवहार से उसकी जान चली गई। अदालत ने माना कि ऐसे तमाम मामले सामने नहीं आ पाते हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि रेलवे कर्मचारी ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करें तो यात्रियों का जीवन और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। विडंबना ही है कि अब जब उन्नत तकनीक के जरिये टिकटों के नियमन व सीटों के आवंटन पर पैनी नजर रखना संभव है, तो बर्थ देने में टीटीई की बड़ी भूमिका क्यों है? अक्सर मुश्किलों में सफर कर रहे यात्रियों की मजबूरी का भी टीटीई जमकर फायदा उठाते हैं। सबसे बड़ी विसंगति यह भी है कि दुनिया के सबसे बड़े रेल-नेटवर्कों में शुमार भारतीय रेलवे नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और राजनीतिक हित साधने का माध्यम रहा है।

आत्मनिर्भर नारी, समृद्ध छत्तीसगढ़ : महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय

डॉ. दानेश्वरी संभाकर
उप संचालक

रायपुर। किसी भी राज्य के विकास की वास्तविक पहचान वहां की महिलाओं की सामाजिक स्थिति, आर्थिक भागीदारी और निर्णय प्रक्रिया में उनकी सहभागिता से होती है। जब महिलाएं आत्मनिर्भर बनती हैं तो परिवार सशक्त होता है, समाज प्रगतिशील बनता है और विकास की गति कई गुना बढ़ जाती है। इसी सोच को आधार बनाकर छत्तीसगढ़ सरकार ने महिला सशक्तिकरण को सुशासन का प्रमुख आधार बनाया है। वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्ष' के रूप में मनाते हुए महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित योजनाएं आज लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार की सबसे महत्वपूर्ण पहल महतारी वंदन योजना महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का सशक्त माध्यम बन चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 10 मार्च 2024 को प्रारंभ की गई इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की 66 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। अब तक 29 किस्तों के माध्यम से 18 हजार 805 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं को प्राप्त हो चुकी है। वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने की दिशा में राज्य सरकार रानी दुर्गावती योजना प्रारंभ कर रही है। इस योजना के तहत बालिका के 18 वर्ष पूर्ण होने पर 1 लाख 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए बजट में 15 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वहीं प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के लिए 120 करोड़ रुपये तथा मिशन वात्सल्य के लिए 80 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए सरकार ने वर्ष 2026-27 के बजट में आंगनबाड़ी संचालन हेतु 800 करोड़ रुपये, पूरक पोषण आहार के लिए 650 करोड़ रुपये तथा कुपोषण मुक्ति एवं पोषण योजनाओं के लिए 235 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 250 और ग्रामीण क्षेत्रों में अभिसरण के माध्यम से 500 नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में महतारी सदन स्थापित किए जा रहे हैं। अब तक 368 महतारी सदनों को स्वीकृति मिल चुकी है, जिनमें 137 का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वर्ष 2026-27 में 250 नए महतारी सदनों के निर्माण के लिए 75 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इन केंद्रों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण, आजीविका और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। राज्य सरकार ने महिला सुरक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में 34 सखी वन-स्टॉप सेंटर संचालित किए हैं। यहां घरेलू हिंसा, उत्पीड़न और संकटग्रस्त महिलाओं को कानूनी सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, मनोवैज्ञानिक परामर्श तथा अस्थायी आश्रय एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। महिला हेल्पलाइन 181 और आपातकालीन सेवा 112 के समन्वय से त्वरित सहायता व्यवस्था भी प्रभावी रूप से संचालित हो रही है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बना है जिसने सखी वन-स्टॉप सेंटरों के संचालन के लिए डिजिटल एसओपी लागू की है। महिलाओं की आर्थिक प्रगति को नई गति देने के लिए स्वयं सहायता समूहों को उत्पादन और विपणन से जोड़ा जा रहा है। राज्य सरकार 200 करोड़ रुपये की लागत से यूनिटी मॉल का निर्माण कर रही है, जहां महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को राष्ट्रीय बाजार उपलब्ध होगा। साथ ही उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रतिवर्ष युवा रत्न सम्मान प्रदान किया जाएगा तथा लखपति दीदी भ्रमण योजना के माध्यम से सफल उद्यमियों को देश-विदेश के अध्ययन भ्रमण का अवसर मिलेगा। बिहान मिशन के अंतर्गत प्रदेश में 2.92 लाख से अधिक महिला स्वयं सहायता समूह गठित किए जा चुके हैं, जिनसे 31.65 लाख से अधिक महिलाएं जुड़ी हैं। प्रधानमंत्री के तीन करोड़ लखपति दीदी लक्ष्य में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए अब तक 10 लाख 43 हजार से अधिक लखपति दीदी तैयार की हैं। रेडी-टू-ईट निर्माण, कृषि आधारित उद्यम, पशुपालन, खाद्य प्रसंस्करण तथा हस्तशिल्प जैसी गतिविधियों ने ग्रामीण महिलाओं की आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है। महिला निर्माण श्रमिकों के सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत पात्र बेटियों को 20 हजार रुपये, मुख्यमंत्री सिलाई मशीन सहायता योजना के तहत 7,900 रुपये, दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत अनुदान तथा मिनीमाता महतारी जतन योजना के अंतर्गत गर्भवती महिला श्रमिकों को 20 हजार रुपये की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत अब तक 24 हजार से अधिक बालिकाओं का सामूहिक विवाह कराया जा चुका है। प्रत्येक जोड़े के विवाह के लिए राज्य सरकार 50 हजार रुपये की सहायता उपलब्ध करा रही है। वहीं महिला समृद्धि योजना के अंतर्गत 42,878 महिला समूहों को 129.46 करोड़ रुपये का रियायती ऋण प्रदान किया गया है। महतारी शक्ति ऋण योजना के माध्यम से महिलाओं को बिना जमानत 25 हजार रुपये तक का ऋण स्वरोजगार के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से 38 लाख से अधिक महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। सुशिक्षा योजना के तहत 2 लाख 18 हजार 139 छात्राओं को प्रतिमाह 500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। शुचिता योजना के माध्यम से 2 हजार विद्यालयों में सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की गई हैं तथा लाखों किशोरियों को मासिक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। महिला समूहों के उत्पाद आज वैश्विक पहचान भी बना रहे हैं। आदिवासी महिलाओं द्वारा संचालित जशप्योर ब्रांड 'वोकल फॉर लोकल' अभियान का सफल उदाहरण बन चुका है और राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। वहीं सखी साड़ी-मिलेट कैफे जैसी पहलें स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ महिलाओं की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। आज छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन का व्यापक अभियान बन चुका है। आर्थिक सहायता, सामाजिक सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण पोषण, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, स्वरोजगार और सम्मानजनक जीवन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयास महिलाओं के जीवन में नए अवसरों के द्वार खोल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में प्रदेश की महिलाएं आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता के साथ विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं। यही बदलती तस्वीर छत्तीसगढ़ को 'सुशासन से समृद्धि' की ओर निरंतर अग्रसर कर रही है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सिद्ध योगी और समाज परिवर्तन के अग्रदूत पं. ज्वाला प्रसाद शर्मा...

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सिद्ध योगी और युगपुरुष पंडित ज्वाला प्रसाद उपाध्याय (शर्मा) की शताब्दी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि

प्रशांत शर्मा।

16 जुलाई का दिन छत्तीसगढ़ के लिए गौरव, स्मरण और प्रेरणा का दिन है। आज स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अखिल भारतीय गायत्री परिवार के सिद्ध योगी एवं समाज चेतना के प्रखर संवाहक पंडित ज्वाला प्रसाद उपाध्याय (शर्मा) की शताब्दी जयंती है। यदि वे आज हमारे बीच होते, तो उनका 100वाँ जन्मदिन पूरे प्रदेश में बड़े उत्साह, श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जाता। उनका व्यक्तित्व ही ऐसा था कि जो भी एक बार उनके संपर्क में आता, वह जीवन भर उनका सम्मान करता और उनके स्नेह का मुरीद हो जाता। उनकी कर्मभूमि महासमुंद ही नहीं, बल्कि पूरा छत्तीसगढ़ उनके कार्यों का साक्षी है। अखिल भारतीय गायत्री परिवार के माध्यम से उन्होंने विशेष रूप से महासमुंद सहित पूरे प्रदेश में आध्यात्मिक जागरण, सामाजिक चेतना और मानवीय मूल्यों की ऐसी अलख जगाई, जिसकी ज्योति आज भी असंख्य लोगों के जीवन को आलोकित कर रही है। मेरा उनसे केवल पारिवारिक रिश्ता नहीं था। वे मेरे बड़े पिताश्री थे, जिन्हें हम सभी स्नेहपूर्वक बड़ा जी कहकर पुकारते थे। बचपन से ही मुझे हमेशा यह अनुभव हुआ कि हमारा संबंध केवल इस जन्म का नहीं, बल्कि संस्कारों, श्रद्धा और आत्मीयता का था। मेरा पैतृक गांव टेकारी (जिला रायपुर) उनकी जन्मभूमि थी, इसलिए इस गाँव से उनका विशेष लगाव था। यह मेरा सौभाग्य रहा कि उनके सान्निध्य में मुझे अपने पैतृक गाँव टेकारी में तीन बार माँ गायत्री महायज्ञ आयोजित कराने का अवसर मिला। आयोजन की जिम्मेदारी बहुत बड़ी थी, लेकिन मुझे पूरा विश्वास था कि उनके मार्गदर्शन में कोई बाधा नहीं आएगी। 25 गाँवों से हजारों श्रद्धालु तीन दिनों तक इस महायज्ञ में शामिल हुए। बड़ा जी के कुशल नेतृत्व और प्रेरणा से सभी लोगों ने अपनी-अपनी जिम्मेदारियाँ इतनी सहजता और समर्पण के साथ निभाईं कि पूरा आयोजन बिना किसी विघ्न के सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। आज उस घटना को लगभग 24 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन जब भी उन दिनों को याद करता हूँ, तो आश्चर्य होता है कि इतना विशाल आयोजन कितनी सहजता, अनुशासन और सामूहिक सहयोग से सम्पन्न हुआ। मुझे संतोष है कि मैं अपने बड़ा जी की अपने पैतृक गाँव में गायत्री महायज्ञ कराने की इच्छा पूरी करने का माध्यम बन सका। साथ ही मैं यह भी भली-भाँति जानता हूँ कि यदि उनका आशीर्वाद, आत्मबल और अटूट विश्वास साथ न होता, तो यह कार्य संभव नहीं हो पाता। पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा जी केवल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ही नहीं थे, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के भी सच्चे योद्धा थे। उन्होंने दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध संघर्ष करते हुए सामूहिक एवं दहेज-मुक्त विवाह की अभिनव परंपरा की शुरुआत की। समाज में समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उन्होंने सभी जातियों और वर्गों को साथ लेकर सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन कराया। उनके द्वारा बोए गए समाज सुधार के बीज आज छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देशभर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं के रूप में फलते-फूलते दिखाई देते हैं। पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा युगपुरुष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के अत्यंत प्रिय शिष्यों में से एक थे। शांतिकुंज, हरिद्वार की युगनिर्माण विचारधारा से प्रेरित होकर उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन समाज कल्याण, आध्यात्मिक जागरण और विश्वबंधुत्व के लिए समर्पित कर दिया। उनके अथक प्रयासों और छत्तीसगढ़ में विचार-क्रांति के संकल्प के परिणामस्वरूप युगपुरुष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का तीन बार महासमुंद आगमन हुआ। पहली बार 8 जनवरी 1969 को आचार्य श्री महासमुंद पहुँचे। इस अवसर पर उन्होंने पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा के निवास स्थित साधना कक्ष में अखंड ज्योति की स्थापना की, जो आज भी निरंतर प्रज्ज्वलित होकर उनकी साधना, तपस्या और आध्यात्मिक विरासत की साक्षी बनी हुई है। इसके बाद लगातार दो वर्षों तक आचार्य श्री का महासमुंद आगमन होता रहा। पाँच कुंडीय गायत्री महायज्ञ से प्रारंभ हुआ यह अभियान आगे चलकर 1008 कुंडीय विराट गायत्री महायज्ञ के रूप में फलीभूत हुआ। इन आयोजनों की ख्याति केवल महासमुंद तक सीमित नहीं रही, बल्कि पूरा छत्तीसगढ़ इसका साक्षी बना। दूर-दूर से हजारों श्रद्धालु इन महायज्ञों में भाग लेने महासमुंद पहुँचे। उन दिनों युगपुरुष पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य का प्रवास राम मंदिर के समीप स्थित पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा के निवास पर ही होता था। उस समय मेरी उम्र बहुत कम थी। इसलिए मैं न तो आचार्य श्री की महानता को पूरी तरह समझ पाता था और न ही बड़ा जी के तेजस्वी व्यक्तित्व की गहराई को। फिर भी आज तक आचार्य श्री का स्नेहिल स्पर्श मेरी स्मृतियों में जीवंत है। उस वक्त पता ही नहीं चलता था कि कब उनके सान्निध्य में, उसी बिस्तर पर, उनकी छत्रछाया में रहता था। आज वे पल मेरी सबसे अनमोल धरोहर हैं। जब भी पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा शांतिकुंज, हरिद्वार जाते थे, तब आचार्य श्री स्वयं उनका आत्मीय स्वागत करते थे। यह उनके प्रति आचार्य श्री के विशेष स्नेह, विश्वास और सम्मान का प्रमाण था। विश्वबंधुत्व, मानव कल्याण और समाज निर्माण की दिशा में बड़ा जी ने जो कार्य किए, वे आज भी प्रेरणादायी और अनुकरणीय हैं। इतना महान योगदान देने के बावजूद पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा जीवनभर आत्मप्रचार से दूर रहे। वे साधना, सेवा और तप में ही रमे रहे। संभवत: यही कारण है कि उनकी तपोभूमि, उनके साधना कक्ष में आचार्य पं. श्रीराम शर्मा आचार्य जी द्वारा प्रज्ज्वलित अखंड ज्योति और उनके सामाजिक-आध्यात्मिक योगदान का जितना व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए था, उतना नहीं हो सका।

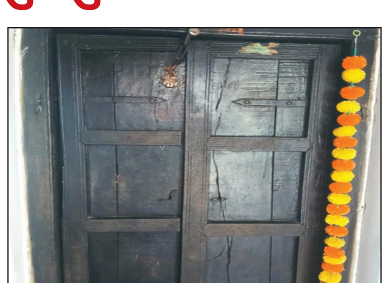

पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा के निवास स्थान का वह कक्ष, जहां पं. श्रीराम शर्मा आचार्य ने निवास किया था

गुरुदेव पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा पंडित ज्वाला प्रसाद शर्मा के निवास स्थान में स्थापित गायत्री माता की तस्वीर और प्रज्ज्वलित अखंड ज्योति

इस विशाल पथ पर

द्रौपदी मुर्मु
भारत की राष्ट्रपति

बचपन से मुझे श्रीजगन्नाथ जी की अनेक प्रार्थनाएँ और भजन याद हैं। स्कूल और कॉलेज में पढ़ते समय मैं गीत गाया करती थी। जगन्नाथ जी का भजन गाकर मैं खुश होती थी। महाप्रभु को अपने निकट पाती थी। अब गीत नहीं गाती। किंतु साँझ-सबेरे महाप्रभु का स्मरण करके उनके भजन गुनगुना लेती हूँ। मुझे लगता है कि महाप्रभु हर वक़्त मेरे आस-पास ही रहते हैं। विपदा-आपदा में मेरी मदद करते हैं। भक्तकवि मधुसूदन राव का गीत आज भी मैं मन ही मन गाती हूँ:

'मेरे पास दिन-रात रहते
हैं महाप्रभु परमेश्वर,
यह बात याद कर हृदय
में पूजूँगा उन्हें निरंतर।'

मैं कुछ समझने-बूझने की उम्र में पहुंचने तक जगन्नाथ जी को जानने लगी थी। हमारे घर में अक्सर जगन्नाथ जी की चर्चा होती थी। गाँव के हर टोले में उनकी महिमा का बखान होता था। जब मैं गाँव के स्कूल मंर पढ़ती थी, भक्त सालबेग की 'आहे नीड़ो शोइड़ो' प्रार्थना गाई जाती थी। स्कूल के शिक्षक जगन्नाथ जी के बारे में तरह-तरह की बातें कहा करते थे। पुरी में बड़ा मंदिर है, इतना बड़ा मंदिर और कहीं नहीं है! मंदिर में श्रीजगन्नाथ जी अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ पूजे जाते हैं। जगन्नाथ जी का रंग काला है, उनकी आँखें गोल-गोल हैं। सुभद्रा जी का रंग पीला है, बलभद्र है चाँदनी फूल की तरह सफेद। वह छवि एक बार देख लेने के बाद फिर भुलाए नहीं भूलती। सर यह भी कहते थे, जगन्नाथ हैं 'महाप्रभु', उनका प्रसाद 'महाप्रसाद' है, उनका मंदिर 'बड़ा मंदिर' है, उनका पथ 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) है, और उनका समुद्र 'महोदधि' है। मयूरभंज के उपरबेड़ा गाँव से पुरुषोत्तम क्षेत्र पुरी की दूरी बहुत थी! भला देखने का अवसर मुझे कहाँ मिलता। किंतु मैं भुवनेश्वर गई और मैंने यूनिट-2 के गर्ल्स हाईस्कूल में नाम लिखवाया। हॉस्टल में रहने लगी। उसके बाद मैंने पुरी, भुवनेश्वर और कोणार्क देखा। पहली बार जगन्नाथ दर्शन की स्मृति मेरे मन से मिटी नहीं है। बहुत बड़ा मंदिर, बड़े-बड़े देवता! भला ये सब भुलाए जा सकते हैं?

क्या भुलाई जा सकती है उनकी रथयात्रा? बारह महीने में तेरह पर्व-त्योहार मनाए जाते हैं श्रीक्षेत्र में। लेकिन रथयात्रा की छटा तो निराली होती है। पूरे वर्ष भक्तगण यहाँ आकर महाप्रभु का दर्शन करते हैं मंदिर के अंदर जाकर। किंतु वर्ष में एक बार महाप्रभु अपने भव्य मंदिर से बाहर 'विशाल पथ' (बोड़ो दांडो) पर आते हैं। भक्तों को दर्शन देते हैं। तीन रथ पर तीन ठाकुर बैठकर चक्रराज सुदर्शन के साथ गुंडिचा मंदिर की ओर यात्रा करते हैं। वहाँ सात दिनों तक रहकर वापस लौट आते हैं। महाप्रभु का यह महापर्व अतुलनीय है। बचपन से मैं जगन्नाथ जी की भक्त हूँ। वे सर्वदा मेरे परम आराध्य हैं। मेरे जीवन के उत्थान और पतन के वे नियंता हैं। मेरे दुख-सुख के कर्ता-धर्ता हैं। जीवन में मैंने बहुत कष्ट भी सहे हैं। उन सब दारुण दुखों से उबारा है मुझे महाबाहु ने। मैं उनकी बेटी जो हूँ! राष्ट्रपति पद के लिए मुझे उम्मीदवार बनाने की घोषणा होते ही मैंने महाप्रभु का स्मरण किया। इतनी ऊँचाई पर मुझे ले जा रहे हो प्रभु, पग-पग पर मुझे सहारा देना, सदा मेरे पास रहना – यह मेरी प्रार्थना थी। उन्होंने मेरी प्रार्थना सुनी, सुन भी रहे हैं। राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार के रूप में दिल्ली में रहने के दौरान रथयात्रा का महापर्व आया। परंतु पुरी जाना संभव नहीं था। रथयात्रा के दिन बड़े भोर में दिल्ली के हौजखास में बने जगन्नाथ मंदिर जाकर मैंने महाप्रभु के दर्शन किए। आनंद से भर गया मन। उनका आशीष मुझ पर बरस गया। बड़े आत्मविश्वास से मैंने अपना नामांकन-पत्र दाखिल किया। अत्यंत उत्साह से चुनाव कैंपेन में भाग लिया। 25 जुलाई, 2022 को पार्लियामेंट के सेंट्रल हॉल में शपथ लेने जाते समय मैं जगन्नाथ जी से प्रार्थना करते-करते जा रही थी। उनके आशीर्वाद से मेरा शपथ-पाठ खूब अच्छी तरह संपन्न हुआ। राष्ट्रपति के रूप में मेरे प्रथम भाषण के समय मानो वे मेरे साथ ही थे। पुरी जाकर महाप्रभु के दर्शन के लिए मेरा मन व्याकुल हो उठा। दिन बीतते चले गए, लेकिन मैं पुरी नहीं जा सकी। मुझे लगा कि बिना उनके बुलावे के कोई कैसे उनके पास जा सकता है! मैंने मन ही मन उनसे कहा, मेरा कोई दोष हो तो क्षमा करो प्रभु, मुझे पुरी बुलाओ, दर्शन दो। वे 'भाव' के ठाकुर हैं। मेरा 'भाव' कैसे नहीं समझते? कुछ ही दिनों में पुरी जाने का कार्यक्रम तय हो गया। उस दिन 10 नवंबर, 2022 था। पुरी में अवतरण करने के बाद कार-केड चल पड़ा श्रीमंदिर की ओर।

कार-केड पुरी के प्रशस्त पावन-पथ पर पहुँचते ही मेरे अंदर एक अपूर्व भावना का संचार हुआ। यह विशाल-पथ महाप्रभु जगन्नाथ का ही है। यहाँ क्या आवश्यकता है प्रोटोकॉल की? पुरी तो क्षेत्रराज के रूप में प्रसिद्ध है। महाप्रभु देवाधिदेव हैं। और अधिक कुछ सोचने से पहले मैंने गाड़ी रुकवाई। मेरी गाड़ी रुकने पर पीछे आ रही सारी गाड़ियाँ रुक गईं। किसी के कुछ समझने से पहले मैंने पावन-पथ पर नंगे पैर चलना शुरू कर दिया। श्रीमंदिर लगभग दो किलोमीटर दूर था। मंदिर के नीलचक्र और पतित पावन-ध्वज को देखते हुए मैं आगे बढ़ती चली गई। पथ के दोनों किनारों पर खड़े बच्चों, महिलाओं, युवा-छात्रों और बुजुर्गों को नमस्कार भी करती जा रही थी। मेरा ध्यान था जगन्नाथ जी के पास। श्रीमंदिर के सिंहद्वार के पास पहुंचते ही मैं स्थिर नहीं रह पाई। तब तक मैं खुद को भूल चुकी थी। पावन-पथ की धूल में साष्टांग लेटकर मैंने महाप्रभु को प्रणाम किया। उसके बाद मंदिर में प्रवेश। गर्भगृह में पहुंचकर चतुर्धा मूर्तियों का दर्शन करते ही मैं आनंद से अभिभूत हो गई। महाप्रभु जगत के नाथ हैं, अनाथों के नाथ हैं। जगत के लोगों का दु:ख दूर करने के लिए वे सदा तत्पर रहते हैं। इसलिए उनकी गोल-गोल आँखों की पलकें कभी नहीं झपकतीं। उनके लिए छोटा-बड़ा कोई नहीं है। वे सबको सामान दृष्टि से देखते हैं, समता के मंत्र से सबको अभिमंत्रित करते हैं। उनकी करुणा पाकर ही मैंने समाज के हर वर्ग की सेवा में स्वयं को समर्पित किया है। गोल-गोल आँखों वाले की ओर देखते हुए करबद्ध होकर बोली, आपके आशीर्वाद से मेरा यह समर्पण भाव हमेशा बना रहे, हे महाबाहु। देश-दुनिया पर अपनी छत्र-छाया बनाये रखें, हे कृपानिधि! यह कहते हुए मैं भक्तिभाव से विह्वल हो उठी।

नक्सल मुक्त बस्तर से अब योग युक्त बस्तर की ओर बढ़ेगा अभियान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नक्सल मुक्त बस्तर से अब योग युक्त बस्तर की ओर बढ़ेगा अभियान नक्सलवाद के खूनी साए से निकलकर बस्तर अब शांति, स्वास्थ्य और सर्वांगीण विकास की एक नई सुबह की ओर बढ़ रहा है। सरकार द्वारा संचालित नियद नेल्ला नार और आत्मसमर्पण व पुनर्वास नीति के परिणामस्वरूप बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। भयमुक्त माहौल में अब योग युक्त बस्तर और बस्तर 2.0 के तहत युवाओं को शारीरिक–मानसिक रूप से सशक्त और मुख्यधारा से जोड़ने की अनूठी पहल की जा रही है। क्षेत्र में शांति और मानसिक शांति स्थापित करने हेतु योग शिविरों और स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जो योग युक्त बस्तर की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्षसंजय अग्रवाल ने बीजापुर के एक दिवसीय प्रवास के दौरान आश्रम एवं छात्रावासों में कार्यरत योग प्रशिक्षकों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिले में योग गतिविधियों के विस्तार और अधिक से अधिक लोगों तक योग पहुंचाने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

योग युक्त बस्तर बनाने पर विशेष जोर

सर्किट हाउस में आयोजित प्रेसवार्ता मेंअग्रवाल ने कहा कि ꖴनक्सल मुक्त बस्तर अब योग युक्त बस्तर बनेगा।ꖴ उन्होंने बताया कि योग आयोग का उद्देश्य योग को जनआंदोलन बनाकर हर व्यक्ति तक इसके लाभ पहुंचाना है।

हर आयु वर्ग को मिलेगा योग का लाभ

संजय अग्रवाल ने कहा कि प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों के माध्यम से बचों, युवाओं, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं को नियमित योगाभ्यास कराया जाएगा। योग स्वस्थ और निरोग जीवन का आधार है। साथ ही, गर्भवती महिलाओं के लिए भी योग लाभकारी है और सामान्य प्रसव में सहायक साबित हो सकता है।

विद्यालयों और गांवों में बढ़ेगा योग का दायरा

अग्रवाल ने बताया कि नए शिक्षा सत्र से विद्यालयों में योग को अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे विद्यार्थियों में अनुशासन, एकाग्रता और स्वस्थ जीवनशैली का विकास होगा। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में योग वाटिकाओं का निर्माण कर लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

बस्तर में चलेगा व्यापक जनजागरूकता अभियान

संजय अग्रवाल ने कहा कि बस्तर संभाग को प्राथमिकता देते हुए योग आयोग व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाएगा। इसका उद्देश्य योग को लोगों की दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाना और स्वस्थ, निरोग तथा सकारात्मक समाज का निर्माण करना है।

इस अवसर पर राय प्रभारी पतंजलि योग समिति डॉ. मनोज पाणिग्रही, जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति रायपुररामगणि शुक्ल, राय कार्यकारी भारत स्वाभिमान न्यास रायपुरईला हरि राव, प्रभारी जिला आयुष अधिकारी डॉ. राकेश ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी एवं अन्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

सीएम साय के कृषि नवाचार को बढ़ावा देने के संकल्प को मिली नई उड़ान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्रीविष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार खेती को अधिक लाभकारी, आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से किसानों को उन्नत तकनीक, गुणवत्तायुक्त बीज और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी का सकारात्मक परिणाम गौरेला–पेंड्रा–मरवाही जिले के ग्राम दरमोहली में देखने को मिला, जहां प्रगतिशील किसान एवं स्थानीय लोक कलाकारभानुप्रताप उर्फ भानु रंगीला ने अपनी सूझबूझ और नवाचार से पारंपरिक कृषि उपकरण को जुगाड़ तकनीक के माध्यम से सीड ड्रिल में परिवर्तित कर मूंगफली की वैज्ञानिक बुवाई का सफल उदाहरण प्रस्तुत किया है। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ–ऑयल) योजना के अंतर्गत कृषि विभाग से प्राप्त 80 किलोग्राम गुणवत्तायुक्त मूंगफली बीज का उपयोग करते हुएभानुप्रताप लगभग दो एकड़ क्षेत्र में बुवाई कर रहे हैं। उन्होंने स्थानीय संसाधनों और अपनी तकनीकी समझ का उपयोग करते हुए कम लागत में सीड ड्रिल तैयार की।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की मिली त्वरित स्वीकृति

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की मिली त्वरित

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की मिली त्वरित स्वीकृति मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की मिली त्वरित स्वीकृतिमुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हितग्राहियों को शौचालय निर्माण की मिली त्वरित स्वीकृतिमुख्यमंत्री हेल्पलाइन आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम बनकर उभर रही है। जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे पात्र हितग्राहियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ शीघ्र उपलब्ध हो रहा है।

ग्रामीणों की शिकायत पर तत्काल हुई कार्रवाई

इसी क्रम में बालोद जिले में विकासखंड गुंडरदेही के ग्राम कोटागांव, माहुद, कोड़ेवा, चीचा एवं तिलोदा के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण की मांग दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होने के बाद जनपद पंचायत के अधिकारियों ने प्रकरण का परीक्षण करते हुए हितग्राहियों की पात्रता का सत्यापन किया।

जांच में पात्र पाए जाने पर मिली स्वीकृति

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक जांच पूरी किए जाने के बाद पात्र हितग्राहियों को कलेक्टर के अनुमोदन उपरांत व्यक्तिगत घरेलू शौचालय निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई। संबंधित जनपद पंचायत को नियमानुसार सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर निर्धारित समय–सीमा में शौचालय निर्माण सुनिश्चित करने तथा भारत सरकार के पोर्टल पर इसकी प्रविष्टि करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन बना जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शासन और आम नागरिकों के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम है। प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निराकरण जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है, ताकि कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे।

स्वच्छ भारत मिशन से बढ़ रही गरिमा और स्वच्छता

उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक शौचालय सुविधा उपलब्ध कराना है। इससे खुले में शौच की प्रवृत्ति समाप्त करने, स्वच्छ वातावरण विकसित करने तथा जनस्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है।

नागरिकों से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का लाभ लेने की अपील

जिला प्रशासन ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि यदि वे शासन की किसी योजना के पात्र हैं अथवा किसी समस्या के समाधान की आवश्यकता है, तो संबंधित विभाग से संपर्क करें या मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराएं। सभी पात्र प्रकरणों का नियमानुसार एवं निर्धारित समय–सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

सीएम हेल्पलाइन 1076 बनी आमजन की भरोसेमंद साथी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सीएम हेल्पलाइन 1076 यह सुनिश्चित करती है कि छत्तीसगढ़ राज्य के आम नागरिकों की प्रत्येक शिकायत का त्वरित, पारदर्शी एवं जवाबदेही के साथ निराकरण किया जाए। छत्तीसगढ़ सरकार की सीएम हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बनकर उभर रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से लोगों की शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे शासन के प्रति आमजन का विश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम बेलौदी के एक श्रमिक को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिला, जहां चार माह से लंबित मजदूरी का भुगतान शिकायत दर्ज होने के मात्र 24 घंटे के भीतर कर दिया गया।

चार माह से मजदूरी नहीं मिलने से बढ़ी थी परेशानी

ग्राम बेलौदी के स्वास्थ्य केंद्र में मजदूरी दर पर कार्यरत भृत्य छत्रपाल साहू को पिछले चार महीनों से मजदूरी का भुगतान नहीं मिला

था। लगातार भुगतान नहीं होने के कारण उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने स्थानीय स्तर पर भी अपनी समस्या के समाधान के प्रयास किए, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिला।

इंस्टाग्राम से मिली जानकारी, एक कॉल में दर्ज हुई शिकायत

इसी दौरान छत्रपाल साहू को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की सीएम हेल्पलाइन 1076 की जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल हेल्पलाइन पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की।

24 घंटे के भीतर खाते में पहुंची पूरी मजदूरी

विभागीय कार्रवाई के परिणामस्वरूप शिकायत दर्ज होने के मात्र 24 घंटे के भीतर छत्रपाल साहू के बैंक खाते में चार माह की लंबित मजदूरी की पूरी राशि अंतरित कर दी गई। समय पर भुगतान मिलने से उन्हें आर्थिक राहत मिली और शासन की त्वरित कार्यप्रणाली पर उनका विश्वास और मजबूत हुआ।

सीएम हेल्पलाइन ने मेरी बड़ी परेशानी दूर कर दी

छत्रपाल साहू ने बताया कि वे कई महीनों से मजदूरी भुगतान के लिए परेशान थे, लेकिन सीएम हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराने के केवल 24 घंटे के भीतर उनकी समस्या का समाधान हो गया।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह व्यवस्था आम नागरिकों के लिए अत्यंत उपयोगी और भरोसेमंद है।

गांव में रोजगार, घर में खुशहाली से बदल रही ग्रामीणों की जिंदगी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

गांव में रोजगार, घर में खुशहाली से बदल रही ग्रामीणों की जिंदगी विकसित भारत–गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी–जी रामजी) ग्रामीण परिवारों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। इस योजना के तहत अब सुकमा जिले के ग्रामीणों को अपने ही गांव में 125 दिनों तक रोजगार और 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिल रही है। इससे न केवल उनकी आय बढ़ी है, बल्कि पलायन की मजबूरी भी कम हुई है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व छत्तीसगढ में संचालित वीबी–जी रामजी योजना 125 दिनों का रोजगार और 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी दी जा रही है।

गांव में ही मिल रहा सम्मानजनक रोजगार

पहले रोजगार की कमी के कारण ग्रामीणों को काम की तलाश में दूसरे शहरों और राज्यों में जाना पड़ता था। अब गांव में ही लगातार काम मिलने से परिवार के साथ रहकर आजीविका चलाना आसान हो गया है। इससे आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ सामाजिक जीवन भी बेहतर हुआ है।

सड़क निर्माण से रोजगार भी, सुविधा भी

ग्राम पंचायत गादीरास के शासकीय माध्यमिक विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। इस कार्य से स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है, वहीं विद्यार्थियों को स्कूल आने–जाने में भी सुविधा हो रही है। विद्यालय के शिक्षक श्री बसंत शर्मा बताते हैं कि पहले बरसात में स्कूल परिसर में कीचड़ होने से बच्चों को काफी परेशानी होती थी। अब पक्की सड़क बनने से बच्चे आसानी और सुरक्षित तरीके से स्कूल पहुंच रहे हैं।

बढ़ी मजदूरी से बढ़ा परिवार का भरोसा

योजना से लाभान्वित श्रमिक श्री रवि पेद्दी कहते हैं कि पहले रोजगार के दिन कम होने से परिवार का खर्च चलाना मुश्किल था। अब 125 दिनों तक काम और 300 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलने से घर की जरूरतें आसानी से पूरी हो रही हैं और कुछ बचत भी हो रही है।

वहीं श्री अरविंद पेद्दी बताते हैं कि अब गांव में ही रोजगार मिलने से उन्हें रोजी–रोटी के लिए बाहर पलायन नहीं करना पड़ता। इससे वे अपने परिवार के साथ रहकर काम कर पा रहे हैं।

तेजी से बदल रही गांवों की तस्वीर

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत सुकमा के अनुसार जिले में पेवर ब्लॉक सड़क, गाय शेड, बकरी शेड, पंचायत भवन, पीडीएस भवन और आवास निर्माण सहित कई विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। जिले की 160 ग्राम पंचायतों में से 134 ग्राम पंचायतों में कार्य प्रगति पर हैं, जो लगभग 84 प्रतिशत प्रगति के साथ प्रदेश में अग्रणी है। योजना के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका संवर्धन और आपदा निवारण से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है।

नई उम्मीद, नया आत्मविश्वास

श्रमिक श्री दुक्कूराम यादव सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि योजना से गांव में रोजगार बढ़ा है, आय में सुधार हुआ है और जीवन स्तर बेहतर हुआ है। गांव में विकास कार्य होने से बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सभी को इसका लाभ मिल रहा है।

अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सामान्य भविष्य निधि लेखा 2025-26 प्रधान महालेखाकार की वेबसाइट पर उपलब्ध

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

उप महालेखाकार पेंशन एवं निधि रायपुर ने सामान्य भविष्य निधि के वित्तीय वर्ष 2025–26 का वार्षिक लेखा जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी अभिदातागण अपनी भविष्य निधि की वित्तीय वर्ष 2025–26 की वार्षिक लेखा पर्ची राज्य शासन से प्राप्त आईडी एवं पासवर्ड के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

उप महालेखाकार पेंशन एवं निधि रायपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों व अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के सामान्य भविष्य निधि वित्तीय वर्ष 2025–26 की वार्षिक लेखा पर्ची कार्यालय प्रधान महालेखाकार छत्तीसगढ़ रायपुर की विभागीय वेबसाइट http://cag.gov.in/ae/chhattisgarh/en एवं राज्य शासन की वेबसाइट e-Kosh www.treasury.cg.nic.in पर अपलोड कर दिया गया है, इसे डाउनलोड कर अवलोकन किया जा सकता है। इसके अलावा वार्षिक लेखा विवरण 2025–26 डीजीलाकर्स (Digilocker) प्लेटफार्म पर भी उपलब्ध कराया गया है।

हर घर तक पहुंचा स्वच्छ जल, बदली ग्राम राहुद की तस्वीर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कभी पेयजल की समस्या से जूझने वाला विकासखंड खैरागढ़ का ग्राम राहुद आज जल जीवन मिशन की बदौलत स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता के मामले में एक नई पहचान बना रहा है। घर–घर नल से जल पहुंचने के बाद ग्रामीणों के दैनिक जीवन में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिल रहा है। विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों को पानी लाने की जिम्मेदारी से राहत मिली है, जिससे वे अपना समय अन्य उपयोगी कार्यों में लगा पा रहे हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम राहुद में 60 किलोलीटर क्षमता की उच्च स्तरीय जल टंकी का निर्माण कराया गया है।

सुरक्षित बचपन, सशक्त भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ में जागरूकता अभियान तेज

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सुरक्षित बचपन, सशक्त भविष्य के लिए छत्तीसगढ़ में जागरूकता अभियान तेज

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बच्चों के सुरक्षित, सम्मानजनक और भयमुक्त बचपन के निर्माण के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला प्रशासन के समन्वय से प्रदेश के विभिन्न जिलों में बाल संरक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बच्चों और किशोर–किशोरियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा कानूनी संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना है।

इसी कड़ी में बलरामपुर जिले में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लोधा एवं शासकीय उच्चतर कन्या विद्यालय कछिया में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, गुड टच–बैड टच, बाल सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, नशामुक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई।

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि सुरक्षित बचपन प्रत्येक बच्चे का अधिकार है। यदि किसी भी प्रकार की असहज, अनुचित या शोषण की स्थिति का सामना करना पड़े तो वे बिना किसी भय या संकोच के अपने माता–पिता, शिक्षकों अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की सहायता लें। बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श की पहचान, आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखने तथा समय पर शिकायत करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, बाल विवाह और बाल श्रम जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में जागरूक करते हुए इनके कानूनी और सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। साथ ही स्वास्थ्य, स्वच्छता और जीवन कौशल से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी संवाद किया गया।

प्राकृतिक जोखिमों के बीच किसानों का भरोसेमंद साथी बना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

खेती हमेशा से मौसम की अनिश्चितताओं पर निर्भर रही है। कभी सूखा, कभी अतिवृष्टि, तो कभी कीट एवं रोग किसानों की मेहनत पर पानी फेर देते हैं। ऐसे समय में किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने वाली प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनकर सामने आई है। इस योजना से हजारों किसानों को राहत मिली है और खेती के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

खरीफ–2025 सीजन में कोरबा जिले के 1479 किसानों को 5 करोड़ 25 लाख 84 हजार 259 रुपये की बीमा दावा राशि सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। इस सहायता से प्रभावित किसान परिवारों को आर्थिक संबल मिला तथा प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान की भरपाई में बड़ी राहत प्राप्त हुई।

अभी खरीफ–2026 सीजन के लिए कोरबा जिले में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत पंजीयन अभियान तेज गति से चल रहा है। कृषि विभाग ने सभी पात्र किसानों से 31 जुलाई 2026 तक अपनी खरीफ फसलों का बीमा कराने की अपील की है। मौसम विभाग द्वारा इस वर्ष अल नीनो के आंशिक प्रभाव के कारण अनियमित मानसून एवं खंड वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसे में समय पर फसल बीमा कराना किसानों के लिए आर्थिक सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम बन सकता है। कोरबा जिले की कृषि परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए योजना में धान (सिंचित एवं असिंचित), मक्का, कोदो, कुटकी, रागी, अरहर, उड़द, मूंग एवं मूंगफली जैसी प्रमुख खरीफ फसलों को शामिल किया गया है। किसान अपने गांव की अधिसूचित फसलों की जानकारी संबंधित ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना केवल फसल नष्ट होने पर ही नहीं, बल्कि बाधित बोनी, स्थानीय प्राकृतिक आपदाओं तथा कटाई के बाद 14 दिनों तक होने वाले नुकसान पर भी सुरक्षा प्रदान करती है।

सुकमा के छात्र नीट और आईआईटी में बना रहे पहचान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भव्य शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत भव्य शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत नए शिक्षा सत्र की शुरुआत उत्साह और उमंग के साथ हुई। सुकमा जिले में शबरी ऑडिटोरियम में आयोजित जिलास्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में नवप्रवेशित बच्चों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूप सिंह मंडावी ने की। इस अवसर पर शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संचालित विभिन्न

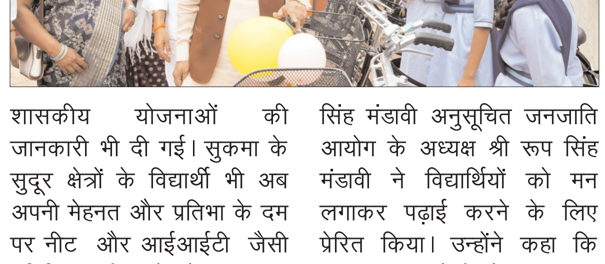

शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सुकमा के सुदूर क्षेत्रों के विद्यार्थी भी अब अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर नीट और आईआईटी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। भव्य शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत

शिक्षा से बदलेगा भविष्य–रूप सिंह मंडावी अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष श्री रूप सिंह मंडावी ने विद्यार्थियों को मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज सुकमा तेजी से बदल रहा है और शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि हर माता–पिता का सपना है कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ें और समाज तथा देश की सेवा करें।

भव्य शाला प्रवेशोत्सव में बच्चों का हुआ आत्मीय स्वागत

सरस्वती साइकिल योजना से छात्राओं को मिली नई उड़ान

कार्यक्रम में सरस्वती साइकिल योजना के तहत कक्षा 9वीं से 12वीं तक की 30 छात्राओं को निःशुल्क साइकिलें वितरित की गईं। वहीं प्राथमिक कक्षाओं में प्रवेश लेने वाले बच्चों को स्कूल बैग, पाठ्यपुस्तकें, गणवेश और आवश्यक स्टेशनरी सामग्री प्रदान की गई, ताकि संसाधनों की कमी उनकी पढ़ाई में बाधा न बने।

कलेक्टर एवं औषधि पादप बोर्ड के सीईओ ने किसानों को औषधीय पौधों की खेती अपनाने के लिए किया प्रेरित

नारायणपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले में किसानों की आय बढ़ाने एवं कृषि के विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन एवं छत्तीसगढ़ राज्य औषधि पादप बोर्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्री जे.एस.सी. राव ने सोमवार को कोहकामेटा, बासिंग, गुमियाबेड़ा एवं करलखा गांवों का भ्रमण कर किसानों की कृषि भूमि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए पारंपरिक खेती के साथ औषधीय एवं फलदार पौधों की खेती अपनाने पर बल दिया तथा इसके आर्थिक लाभों की जानकारी दी।

भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने कोहकामेटा के डोंडरीपारा निवासी किसान नेंडाराम के खेत का निरीक्षण किया। लगभग दो एकड़ भूमि में फेंसिंग का कार्य पूर्ण होने पर सतावरी एवं ब्राह्मी जैसे औषधीय पौधों की खेती की शुरुआत की गई । उन्होंने कहा कि औषधीय फसलों की बढ़ती मांग को देखते हुए इनकी खेती किसानों के लिए आय का बेहतर माध्यम बन सकती है। इसके पश्चात अधिकारियों ने बासिंग गांव में समूह द्वारा की जा रही हल्दी एवं मक्का की खेती का अवलोकन किया। इस अवसर पर किसानों को कृषि विविधीकरण अपनाने तथा पारंपरिक फसलों के साथ औषधीय पौधों की खेती को शामिल करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि कृषि को अधिक लाभकारी बनाया जा सके। गुमियाबेड़ा गांव में किसान बारतु कुंजाम के खेत का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों ने आम के पौधों के मध्य लेमनग्रास की अंतरवर्तीय खेती करने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से भूमि का अधिकतम उपयोग संभव होने के साथ किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत भी प्राप्त होगा।

इसके बाद करलखा गांव में किसानों की कृषि भूमि का निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने किसानों से चर्चा करते हुए स्थानीय जलवायु एवं भूमि की परिस्थितियों के अनुरूप औषधीय पौधों की खेती अपनाने तथा वैज्ञानिक पद्धतियों से कृषि करने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन ने कहा कि औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कृषि को अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

प्रशासन बना संकट की घड़ी का सहारा आपदा में पति को खोने वाली चैती को मिली सहायता, चार लाख की राहत राशि से मिला संबल

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जीवन में कभी-कभी ऐसी विपत्ति आ जाती है, जो एक पल में पूरे परिवार की खुशियां छीन लेती है। बस्तर जिले के बास्तानार विकासखंड के ग्राम सागवेल की निवासी चैती के साथ भी ऐसा ही हुआ। मकान गिरने की दुर्घटना में उनके पति महरू की मृत्यु हो गई। इस हादसे ने चैती को गहरे सदमे में डाल दिया और परिवार के सामने आजीविका का भी संकट खड़ा हो गया।

दुख की इस घड़ी में जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए चैती को तत्काल राहत उपलब्ध कराई। तत्कालीन कलेक्टर के मार्गदर्शन में एसडीएम तोकापाल श्री शंकर लाल सिन्हा स्वयं गांव पहुंचे और पीड़ित परिवार को आरबीसी 6-4 के तहत तत्काल 25 हजार रुपये की नकद सहायता प्रदान की, जिससे परिवार को तत्काल आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में राहत मिली।

इसके बाद तहसीलदार एवं पटवारी ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक राजस्व कार्रवाई पूरी की। प्रशासन की कार्यवाही के परिणाम स्वरूप आपदा राहत प्रकरण शीघ्र स्वीकृत हुआ और चैती को 4 लाख रुपये की आपदा राहत राशि प्रदान की गई। इस आर्थिक सहायता ने विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को नया संबल दिया।

चैती भावुक होकर कहती हैं मकान गिरने से मेरे पति महरू की मृत्यु हो गई थी। उस समय मुझे समझ नहीं आ रहा था कि आगे कैसे जीवन चलेगा। लेकिन प्रशासन ने मेरी पीड़ा को समझा। एसडीएम साहब स्वयं घर आए और तत्काल सहायता दी। मकान क्षति का एक लाख बीस हजार अलग से आरबीसी 6-4 के तहत राजस्व विभाग से एवं 50 बास 30 बल्ली वन विभाग के तरफ से तुरंत दिया गया । इसके बाद सभी आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी कर मुझे चार लाख रुपये की राहत राशि मिली। संकट की इस घड़ी में जिला प्रशासन ने जिस संवेदनशीलता से मेरी मदद की, उसके लिए मैं कलेक्टर साहब और पूरी प्रशासनिक टीम की हृदय से आभारी हूं।

पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना,मायका सेंटर एवं स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

नारायणपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर नम्रता जैन की अध्यक्षता में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में विशेष रूप से पीएम जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना , आंगनवाड़ी भवन की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए की स्वीकृत आवासों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। बैठक में मायका सेंटर की गतिविधियों एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन एवं स्वास्थ्य विभाग का मैदानी अमला गर्भवती महिलाओं से नियमित संपर्क बनाए रखे तथा उन्हें संस्थागत प्रसव के लाभों के प्रति जागरूक करे। उन्होंने निर्देश दिए कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके। कलेक्टर ने राष्टीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) एवं प्रोजेक्ट धड़कन की समीक्षा करते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जन्मजात हृदय रोग, कटे-पटे होंठ एवं तालु (क्लेफ्ट लिप एवं पैलेट) सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित बच्चों की समय पर पहचान कर उनका निःशुल्क उपचार एवं सर्जरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में मोतियाबिंद से प्रभावित मरीजों का शत-प्रतिशत ऑपरेशन कराने के भी निर्देश दिए। बैठक में सुशासन एक्सप्रेस की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान दूरस्थ एवं संवेदनशील क्षेत्रों में शासन की सेवाएं घर-घर पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों के दौरान प्राप्त आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण किया जाए।

प्रारंभिक शिक्षा के लिए ग्राम पंचायत पिपलावंड मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र का विकास

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में बनी ग्राम पंचायत पिपलावंड मारीपारा की नई आंगनबाड़ी इमारत ग्रामीण विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण की एक शानदार मिसाल है। यह परियोजना दर्शाती है कि कैसे बुनियादी ढांचे का सही नियोजन और मनरेगा के तहत किया गया कार्य प्रारंभिक बचपन की शिक्षा के लिए जीवंत, आकर्षक और सुरक्षित स्थान बना सकता है।

पूर्व में आंगनबाड़ी की स्थिति अत्यंत ही जर्जर थी जिसमे बच्चों को पढाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता था ग्राम पंचायत के द्वारा नवीन आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की स्वीकृति हेतु कार्यालय जनपद पंचायत बस्तर से समन्वय कर स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया तपश्चात विभागों से समन्वय कर वर्ष 2024-25 ग्राम पंचायत पिपलावंड में यह आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य की कुल प्रशासनिक स्वीकृति, 11.69 लाख रुपये की दी गई । जिसमे मनरेगा से 8 लाख रूपए, महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रूपए एवं गौड़ खनिज से 1.69 लाख रूपए के बजट और इस महत्वपूर्ण सामुदायिक संपत्ति को साकार करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गयी । आकर्षक और शिक्षाप्रद बाहरी परिसर है जिसकी पहली झलक ही बच्चों को प्रेरित करने के लिए काफी है। भवन का बाहरी हिस्सा साफ, रंगीन और शिक्षाप्रद तत्वों से जुड़ा हुआ है। हिंदी वर्णमाला (क, ख, ग) और अंग्रेजी अक्षरों (, क्र,ष्ट) को सौधे वास्तुशिल्प डिजाइन में उकेरा गया है, जो यह संदेश देता है कि यह सीखने और आगे बढ़ने का स्थान है। प्रेरक प्रांगण है, जहां सुंदर वॉल पेटिंग और मिति चित्रर्ग का उपयोग किया गया है। अल्फाबेट ट्री और खेलते-पढ़ते बच्चों के चित्र स्थानीय माताओं और बच्चों के लिए एक खुशनुमा और स्वागत योग्य माहौल बनाते हैं। यहाँ कुल 22 बच्चे पंजीकृत है जो प्रतिदिवस अपनी शिक्षा ग्रहण करते हैं। मारीपारा आंगनबाड़ी का असली जादू इसके अंदरूनी हिस्से में है। बुनियादी ढांचे के विकास की निरंतर निगरानी और शिक्षापद भित्तिचित्र तथा इंटरैक्टिव शिक्षण सामग्री पर विशेष ध्यान देने से यह कमरा एक गतिशील कक्षा में बदल गया है। दीवारी का उपयोग बुनियादी शिक्षा के लिए बेहतरीन तरीके से किया गया है। सचित्र हिन्दी वर्णमाला और अंग्रेजी अल्फाबेट के विस्तृत चार्ट स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं, जो कम उम से ही बच्ची को अक्षरों का जान देते हैं। अन्य व्यावहारिक तत्वों में बच्चों की लंबाई मापने के लिए बनाया गया एक आकर्षक पेड़ और संख्यात्मक कौशल को मजबूत करने के लिए 1 से 100 तक की सीधी गिनती का चार्ट शामिल है।

सामुदायिक प्रभाव

आंगनबाड़ी भवन ग्राम पंचायत पिपलावंड मारीपारा समुदाय के उत्साह और सक्रिय भागीदारी को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। बच्चे अपनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ गोल घेरे में बैठकर पूरी लगन से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। संसाधनों के सही उपयोग और बाल विकास के स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ, मारीपारा आंगनबाड़ी केंद्र अब केवल एक इमारत नहीं रह गया हैय यह बस्तर में आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक मजबूत नींव बन गया है।

डबरी निर्माण से बदली किसान की तस्वीर

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांयोजना विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पंचायत खोटलापल में किए गए डबरी निर्माण कार्य ने जल संरक्षण के साथ-साथ किसानों की आजीविका को भी नई मजबूती प्रदान की है। बस्तर जिले के विकासखंड बकावंड ग्राम खोटलापाल निवासी सोनधर द्वारा डबरी निर्माण कार्य से ग्रामीण विकास और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन का एक उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरी है। सोनधर ने बताया कि पहले वर्षा का अधिकांश पानी बह जाता था, जिससे उसे गर्मी के मौसम में खेतों में सिंचाई का संकट उत्पन्न हो जाता था। डबरी निर्माण के बाद अब वर्षा जल का प्रभावी संचयन हो रहा है, जिससे खेतों को समय पर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है। इस जल संरचना से न केवल भूजल स्तर में सुधार की संभावना बढ़ी है, बल्कि उसको अतिरिक्त फसल लेने का अवसर भी मिला है। इससे कृषि उत्पादन में वृद्धि होने के साथ उसकी आय बढ़ाने में भी मदद मिल रही है। पशुपालन और बाड़ी विकास जैसी गतिविधियों को भी इससे नया संबल मिला है। ग्रामीण सोनधर ने बताया कि यह डबरी केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रही, बल्कि आजीविका का अतिरिक्त साधन भी बन गई है। इसमें मछली पालन किया जा रहा है, जिससे हर वर्ष अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है। हितग्राही ने भविष्य में बतख पालन शुरू करने की भी इच्छा व्यक्त की है, जिससे आय के और अधिक अवसर सृजित होंगे। डबरी निर्माण के दौरान ग्राम पंचायत के जॉब कार्डधारी ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर रोजगार मिला। इससे ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हुआ और पलायन पर भी रोक लगाने में मदद मिली। जल संरक्षण की इस पहल का सकारात्मक प्रभाव आसपास के क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है। डबरी के कारण भू-जल स्तर में सुधार हुआ है, जिससे आसपास के कुओं और हैंडपंपों में जल उपलब्धता बढ़ी है तथा खेतों की मिट्टी में नमी बनी रहने से कृषि उत्पादन को भी लाभ मिल रहा है। ग्राम पंचायत खोटलापाल में डबरी निर्माण यह साबित करता है कि यदि जल संरक्षण के कार्यों को जनभागीदारी के साथ प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, तो ग्रामीण क्षेत्रों में खेती, आजीविका और पर्यावरण-तीनों को एक साथ सशक्त बनाया जा सकता है। विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) के माध्यम से ऐसे कार्य ग्रामीण आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो रहे हैं।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने भ्रमण एवं कार्यशाला आयोजित

नारायणपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के ओरछा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झारावाही एवं ग्राम पंचायत कुतुल में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक दिवसीय भ्रमण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राज्य कार्यालय की टीम से एपीडा की एजीएम किसानों को प्राकृतिक खेती के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला में बिहान योजना की जिला विकास अधिकारी मोनिका ठाकुर सहित डीपीएम, बीपीएम, एसी एवं पीआरपी भी उपस्थित रहे।

सुरूचि सिंह ने निगम आयुक्त का पदभार संभाला

भिलाई नगर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह ने सोमवार को नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया। राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण आदेश के तहत उन्हें नगर पालिक निगम भिलाई का नया आयुक्त नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व वे जिला पंचायत राजनांदगांव की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही थीं। नगर निगम मुख्यालय पहुंचने पर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुश्री सिंह का आत्मीय स्वागत किया। आयुक्त का शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिक तक पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। पदभार ग्रहण के दौरान निगम के सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने नवपदस्थ आयुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें निगम की वर्तमान परियोजनाओं एवं विभिन्न विभागों की प्रगति से अवगत कराया।

राज्य शासन द्वारा हाल ही में किए गए प्रशासनिक फेरबदल के अंतर्गत आईएएस अधिकारी सुश्री सुरूचि सिंह को नगर पालिक निगम भिलाई का आयुक्त नियुक्त किया गया है। उनके प्रशासनिक अनुभव एवं कार्यकुशलता से भिलाई नगर निगम में विकास कार्यों को नई दिशा एवं गति मिलेगी

मोहेंद्र को कार्यवाहक निगम आयुक्त का दायित्व

दुर्ग, राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के तहत नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल का स्थानांतरण मुख्य कार्यपालन अधिकारी, छत्तीसगढ़ राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के पद पर किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में 12 जुलाई को अपरान्ह सुमित अग्रवाल द्वारा नगर पालिक निगम दुर्ग आयुक्त पद का समस्त प्रभार मोहेंद्र कुमार साहू को विधिवत सौंपा गया। अब मोहेंद्र कुमार साहू कार्यवाहक निगम आयुक्त का दायित्व संभालेंगे। इसके पश्चात श्री अग्रवाल अपने नवीन दायित्व के लिए निगम से भारमुक्त हुए।

एक दिनी प्रशिक्षण कार्यशाला

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की अध्यक्षता मे आयोजित राजनांदगांव जिला स्तरीय बैठक 12 जून में प्राप्त निर्देश में संयुक्त संचालक, क्षेत्रीय कार्यालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, दुर्ग संभाग द्वारा 9 जुलाई को नगर निगम रिसाली के सभाकक्ष में नगर पंचायत घुमका, पलारी, सहसपुरलोहरा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षदों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नगरीय निकायों के कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संचालन उप अभियंता रवि गुप्ता ने किया। संयुक्त संचालक कार्यालय में पदस्थ सामाजिक विकास विशेषज्ञ जीवन ताम्रकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी 2.0 की बारीकियों को समझाया । मुख्य रूप से संयुक्त संचालक जय प्रकाश साहू, सहायक संचालक भूपेश दीवान, अधीक्षण अभियंता सुनील दुबे, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम सहित अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे। अंत में समापन एवं आभार व्यक्त दिनेश नेताम कार्यपालन अभियंता ने किया।

शिवनाथ नदी मुक्तिधाम में होगा सुविधाओं का विस्तार, महापौर ने किया भूमिपूजन

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 1 स्थित शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य का सोमवार को महापौर अलका बाघमार ने भूमिपूजन किया। 26.23 लाख रुपए की लागत से होने वाले इस महत्वपूर्ण विकास कार्य के अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य एवं वार्ड पार्षद मनीष साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

शिवनाथ नदी मुक्तिधाम के जीर्णोद्धार कार्य के तहत नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे। इसमें लकड़ी रखने के लिए शेड निर्माण, पेवर ब्लॉक बिछाने का कार्य, सड़क निर्माण, पुरानी परिसीमा दीवार का ध्वस्तीकरण, पुराने प्रवेश द्वार के समीप शौचालय ब्लॉक निर्माण एवं पुराने शवदाह शेड के पास कचरा संग्रहण टैंक का निर्माण शामिल है। इन कार्यों के पूर्ण होने से मुक्तिधाम की व्यवस्था बेहतर एवं सुविधाजनक होगी।

भूमिपूजन के दौरान महापौर ने कहा कि नगर निगम द्वारा शहर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। मुक्तिधाम जैसे महत्वपूर्ण स्थलों का व्यवस्थित विकास आवश्यक है, ताकि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, काशीराम कोसरे, गुलाब वर्मा, मनीष साहू, रामचंद्र सेन, जितेंद्र महोबिया, सुरूचि उमरे, रंजीता पाटिल, जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह, मनमोहन सिंह, अनूप सोनी, चमेली साहू, तुलसी यादव, सहायक अभियंता संजय ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी, पोस्टर व क्विज स्पर्धा

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संगोष्ठी, पोस्टर, भाषण एवं ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार, विशेष अतिथि जिला पंचायत सदस्य सुश्री प्रिया साहू तथा अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी ने की। इस अवसर पर जिला नोडल अधिकारी (मातृत्व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण) डॉ. अर्चना चौहान एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बढ़ती जनसंख्या से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार एवं संसाधनों पर पड़ने वाले प्रभाव विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जनसंख्या संतुलन, स्वस्थ परिवार-सुरक्षित भविष्य तथा संसाधनों के संतुलित उपयोग का संदेश दिया गया।

मुख्य अतिथि महापौर ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या की चुनौतियों से निपटने के लिए जनजागरूकता, शिक्षा और परिवार नियोजन को बढ़ावा देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। वहीं विशेष अतिथि सुश्री प्रिया साहू ने समाज में व्याप्त दुष्कर्म जैसी गंभीर समस्या पर विचार व्यक्त करते हुए सामाजिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में पोस्टर, भाषण एवं ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, गुरूवार, 16 जुलाई 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

फ्रांस को 2-0 से हराया, ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर गोल किया, पोरो ने बढ़त दोगुनी की

डलास। स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी। पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेगा। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया।

यमाल पर फाउल, ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर दिलाई बढ़त

स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा।

पोरो ने दूसरा गोल कर फ्रांस की वापसी की उम्मीद खत्म की

दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

एम्बाप्पे रहे बेअसर, लगातार तीसरा फाइनल खेलने से चूका फ्रांस

पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा।

स्पेन से हार के बाद टूटे एमबाप्पे ने कहा, हमने विश्वकप सेमीफाइनल जैसा खेल नहीं खेला

फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने कहा कि उनकी टीम ने वैसा प्रदर्शन ही नहीं किया, जैसा विश्वकप के सेमीफाइनल में होना चाहिए था। उन्होंने माना कि फ्रांस रणनीतिक, तकनीकी और समग्र प्रदर्शन के स्तर पर स्पेन से काफी पीछे रहा। पूरे टूर्नामेंट में आठ गोल कर शानदार फॉर्म में रहे एमबाप्पे अपनी टीम को लगातार तीसरे विश्वकप फाइनल में नहीं पहुंचा सके। स्पेन ने एटीएंडटी स्टेडियम में फ्रांस को हराकर उसका खिताब जीतने का सपना तोड़ दिया। मैच के बाद एमबाप्पे ने फ्रैंच ब्रॉडकास्टर एम6 से कहा, मुझे नहीं लगता कि हमने वैसा मैच खेला, जैसा हम खेलना चाहते थे। चाहे रणनीति की बात हो, तकनीकी स्तर की या हमारे पूरे प्रदर्शन की, हम हर मोर्चे पर पीछे रहे। उन्होंने कहा, जब आप विश्वकप के सेमीफाइनल में वह नहीं करते, जो करना चाहिए तो आप जीत नहीं सकते। एमबाप्पे ने बताया कि फ्रांस की योजना स्पेन पर आगे से दबाव बनाकर उसे अपने खेल की लय में आने से रोकने की थी।

ऑलराउंडर किसी भी टीम के लिए अहम विकल्प की कमी नहीं होती : वाशिंगटन सुंदर

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने मंगलवार को एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए पहले वनडे में टीम इंडिया की जीत में अहम भूमिका निभाई। सुंदर ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन किया। सुंदर ने कहा कि वह ऑलराउंडर होने पर खुद को खुशकिस्मत महसूस कर रहे हैं। सुंदर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मेरे लिए एक ऑलराउंडर होना बहुत बड़ी बात है। कोई भी टीम चाहेगी कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा ऑल-राउंडर हों। इसका फायदा यह है कि आप कंडीशन के हिसाब से खेल सकते हैं। अलग-अलग तरह के खिलाड़ी होना हमेशा अच्छा होता है। आपको कभी नहीं लगेगा कि आपके पास विकल्प कम हैं, खासकर किसी भी कंडीशन में। हम दुनिया भर में बहुत क्रिकेट खेलते हैं, इसलिए कंडीशन काफी अलग होती हैं।' उन्होंने कहा, 'मैच में शिवम ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की। अक्षर ने जरूरी विकेट लिए और पक्का किया कि इंग्लैंड 280 या 290 तक न पहुंचे। अक्षर की बल्लेबाजी जादुई थी। दूसरे छोर से उन्हें देखना मेरे लिए बहुत अच्छा था।' सुंदर ने कहा, 'विकेट निश्चित रूप से थोड़ी मुश्किल थी। शुभमन ने बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। वह पार्टनरशिप भी बहुत जरूरी थी। अक्षर ने हर बार

जरूरत पड़ने पर जरूरी बाउंड्री लगाई और चीजों को असल में बहुत आसान बना दिया। यह उतना आसान नहीं था जितना उन्होंने असल में दिखाया था। हमने बहुत अच्छा खेला, और मैच जीतकर मैं खुश हूं।' इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में भारतीय टीम की जीत में ऑलराउंडरों की भूमिका अहम रही। शिवम दुबे ने 6 ओवर में 27 रन देकर 1, अक्षर पटेल ने 9.5 ओवर में 62 रन देकर 4 और वाशिंगटन सुंदर ने 4 ओवर में सिर्फ 13 रन देकर इंग्लैंड को 258 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद सुंदर और अक्षर ने 102 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को 6 विकेट से जीत दिलाने में शानदार भूमिका अदा की। भारतीय टीम ने 45.2 ओवर में 4 विकेट पर 262 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। सुंदर 63 गेंदों पर 52 और अक्षर पटेल 52 गेंदों पर 57 रन बनाकर नाबाद रहे।

आईसीसी वनडे रैंकिंग : गिल नंबर वन बल्लेबाज बनने के करीब, जो रूट ने लगाई लंबी छलांग

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा जारी ताजा वनडे रैंकिंग में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल वनडे फॉर्मेट में नंबर वन बल्लेबाज बनने के और करीब पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में 80 रन की पारी खेलने वाले गिल नंबर वन बनने से 12 स्थान पीछे हैं। फिलहाल वह दूसरे स्थान पर हैं। वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज डेरिल मिशेल पहले स्थान पर हैं। भारत के विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के शे होप छठे और पाकिस्तान के बाबर आजम सातवें स्थान पर हैं। होप को एक स्थान का फायदा हुआ है, जबकि बाबर आजम को एक स्थान का घाटा हुआ है। आयरलैंड के हैरी टैक्टर आठवें, श्रीलंका के चरिथ असलांका नौवें और श्रीलंका के कुसाल मेंडिस दसवें स्थान पर हैं। मेंडिस को 2 स्थान का फायदा हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डिकॉक एक स्थान ऊपर चढ़कर 12वें और इंग्लैंड के जो रूट 6 स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर आ गए हैं। वनडे फॉर्मेट के शीर्ष 5 गेंदबाजों में पहले स्थान पर अफगानिस्तान के राशिद खान, दूसरे स्थान पर पाकिस्तान के अबरार अहमद, तीसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, चौथे स्थान

पर इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर और पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के महिश तिक्षाणा हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद छठे, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर तीन स्थान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर हैं। भारत के कुलदीप यादव आठवें, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी नौवें और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज क्रमशः आठवें, नौवें और दसवें स्थान पर हैं। तीनों को 1-1 स्थान का घाटा हुआ है। बांग्लादेश के शोरिफुल इस्लाम 6 स्थान की छलांग लगाते हुए 15वें और वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती 6 स्थान की छलांग लगाते हुए 16वें स्थान पर हैं।

अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम जारी रहेगा : आईसीसी

एडिनबर्ग। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक अहम फैसले में अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लिए डेवलपमेंट पाथवे प्रोग्राम को जारी रखने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक फैसले के साथ ही आईसीसी बोर्ड ने एक विशेष टास्क फोर्स का भी गठन किया है, जिससे साल 2030 तक इन महिला खिलाड़ियों को आईसीसी के क्वालिफिकेशन पाथवे में शामिल करने के लिए भविष्य की योजना बनायी जा सके। जिम्मेदारी सौंपी गई है। आईसीसी की इस सालान बोर्ड बैठक में स्वतंत्र निदेशक डॉ. रोज रिवाज और आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति की सदस्य सारा कीन को भी स्पेशल टास्क फोर्स में शामिल किये जाने पर सहमति बन गयी। ये दोनों ही बीसीसीआई, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रतिनिधियों के साथ मिलकर काम करेंगे। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य महिला क्रिकेट कार्यक्रम की लगातार निगरानी करना है, जिससे

खिलाड़ियों को अधिक से अधिक अवसर मिल सकें। डॉ. रॉस रिवाज ने इस अवसर पर कहा, टास्क फोर्स को एक स्पष्ट और टिकाऊ रोडमैप तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसका लक्ष्य संरचित कोचिंग, सार्थक प्रतिस्पर्धी अवसरों और सही हाई-परफॉर्मेंस पाथवे के माध्यम से अफगान महिला शरणार्थी क्रिकेटरों के लगातार विकास में सहायता करना है। डॉ. रिवाज ने साथ ही कहा कि यह कार्यक्रम क्रिकेट के माध्यम से अवसर पैदा करने की आईसीसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को उद्देश्य, ईमानदारी और दीर्घकालिक स्थिरता के साथ पूरा करने के लिए टास्क फोर्स के अन्य सदस्यों और डिलीवरी पार्टनर्स के साथ मिलकर काम करने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की। यह समर्थन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें उनके घरेलू इलाकों में क्रिकेट और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग (एसएंडसी) कोच के साथ-साथ फिजियोथेरेपी की सुविधा भी शामिल है।

धीरे-धीरे, खिलाड़ियों के लिए खेल के समय को भी बढ़ाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और कनाडा जैसे देशों में रहने वाली खिलाड़ियों को अपने स्थानीय क्रिकेट वातावरण में एकीकृत किया जाएगा, जहाँ उन्हें नियमित प्रशिक्षण और खेलने के पर्याप्त अवसर मिलते रहेंगे। इसके अतिरिक्त, इस कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को एक समूह के रूप में प्रशिक्षण लेने और मुकाबले में भाग लेने के अवसर मिलते रहेंगे, जैसा कि पिछले 12 महीनों में भारत और इंग्लैंड के सफल दौरों के दौरान देखा गया था।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेंगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है। सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है। दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा है कि सभी पांच कैटेगरी में मौजूदा चैंपियन खिलाड़ियों ने चैंपियनशिप में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है।

महिला क्रिकेट को नई दिशा देने घरेलू स्तर पर लाल गेंद के मुकाबले शुरु करें : शांता रंगास्वामी

चेन्नई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि महिला क्रिकेट को एक नई दिशा देने और खिलाड़ियों के कौशल को निखारने के लिए अधिक से अधिक टेस्ट मैचों का आयोजन किया जाना चाहिये। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को पूरी तरह से दोबारा शुरू करने की मांग की है। इस पूर्व कप्तान के अनुसार बेहतर तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट का महत्व सबसे अधिक है। रंगास्वामी ने कहा, जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी, तो मैंने अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर दिया था। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया, पर यह केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नॉकआउट प्रारूप में ही सीमित रही जो पर्याप्त नहीं है। उन्होंने बीसीसीआई से कहा है कि वह अंडर-19, अंडर-23 और सीनियर टीमों के लिए पहले की तरह ही टेस्ट मेचों की प्रतियोगिताओं को शुरू करे। साथ ही कहा कि हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने और उन्हें वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने लायक बनाने के लिए यही एकमात्र प्रभावी तरीका है। रंगास्वामी ने कि लंबी अवधि का प्रारूप ही क्रिकेट के मूलभूत सिद्धांतों और बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में अहम भूमिका निभाता है।

जापान ओपन : भारत का मेंस सिंगल्स अभियान समाप्त, विमेंस सिंगल्स में उन्नति की हार...

टोक्यो। 'जापान ओपन 2026' के मेंस सिंगल्स ड्रॉ में बुधवार को भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं। 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 750' टूर्नामेंट के शुरुआती दौर के मुकाबलों में लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी दोनों बाहर हो गए, जबकि उन्नति हुड्डा भी विमेंस सिंगल्स प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। वर्ल्ड नंबर 14 खिलाड़ी लक्ष्य सेन टोक्यो मेट्रोपॉलिटन जिम्नेजियम में घरेलू खिलाड़ी कोकी वातानाबे का सामना नहीं कर सके। वातानाबे ने यह मुकाबला 21-16, 21-14 से अपने नाम किया। भारतीय खिलाड़ी शुरुआत से ही पिछड़ते नजर आए। वातानाबे ने दोनों सेट में मिड-गेम इंटरवल पर बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। वापसी की कोशिश के बावजूद, लक्ष्य मैच का रुख नहीं बदल सके और जापानी शटलर ने सिर्फ 38 मिनट

में मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह वातानाबे की भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ सात मुकाबलों में तीसरी जीत रही। दूसरी तरफ, आयुष शेट्टी टूर्नामेंट में बने रहने के काफी करीब पहुंच गए थे, लेकिन आखिरकार तीन गेम के कड़े मुकाबले में वर्ल्ड नंबर 2 खिलाड़ी कुनलावुत वितिदसर्न से हार का सामना करना पड़ा। थाई स्टार ने कड़े मुकाबले वाले पहले गेम को 21-19 से अपने नाम किया, जिसमें उन्होंने सेट के ज्यादातर समय मामूली बढ़त बनाए रखी। आयुष ने दूसरे गेम में शानदार वापसी की। चार मैच प्वाइंट्स से उबरते हुए उन्होंने तनावपूर्ण मुकाबले में 25-23 से जीत हासिल करते हुए मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। हालांकि, यह लय ज्यादा देर तक नहीं रही। कुनलावुत ने तीसरे गेम में फिर से नियंत्रण हासिल कर लिया और 21-15 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ कुनलावुत का आयुष के खिलाफ 'हेड-टू-हेड' रिकॉर्ड 2-1 हो गया। विमेंस सिंगल्स ड्रॉ में भी भारत को एक और झटका लगा। उन्नति हुड्डा को चीनी ताइपे की हुआंग यू-हसुन ने शिकस्त दी। पहला गेम 21-16 से गंवाने के बाद, उन्नति ने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला बराबर किया, लेकिन हुआंग ने निर्णायक गेम 21-15 से अपने नाम करते हुए अगले दौर में जगह बना ली। इस प्रतियोगिता के सिंगल्स इवेंट में भारत की तरफ से सिर्फ पीवी सिंधु ही बची हैं। मिक्स्ड डबल्स जोड़ी तनीषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला भी अभी मुकाबले में बने हुए हैं।

नए बैटर्स के लिए मुश्किल थी पिच, मैंने टाइमिंग पर ध्यान दिया, कुछ देर रुकने के बाद पार्टनरशिप बिल्ट की : अक्षर पटेल

बर्मिंघम। भारतीय ऑलराउंडर अक्षर पटेल ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में उनकी मैच जिताऊ पारी का राज ताकत के बजाय टाइमिंग पर भरोसा करना था। प्लेयर ऑफ द मैच रहे अक्षर ने कहा कि वे टी-20 सीरीज के दौरान वे गेंद को जरूरत से ज्यादा जोर से मारने की कोशिश कर रहे थे, जबकि वनडे में उन्होंने परिस्थितियों के मुताबिक बल्लेबाजी की। अक्षर ने कहा- 'एजबेस्टन की पिच शुरुआत में बैटर्स के लिए मुश्किल थी। नए बैटर्स को सेट होने के लिए समय चाहिए था। एक बार सेट होने के बाद हमारा फोकस पार्टनरशिप बिल्ट करने पर था।' अक्षर ने इंग्लैंड के खिलाफ 52 गेंदों पर 57 रन की अहम पारी खेली और टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने 9.5 ओवर में 4 विकेट भी झटके। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अक्षर ने कहा कि एजबेस्टन की पिच शुरुआत में बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं थी और नए बल्लेबाज को सेट होने के लिए समय चाहिए था। अक्षर ने कहा, 'जो भी नया बल्लेबाज क्रीज पर आया, उसे शुरुआत में दिक्कत हुई। जो रूट और लियाम डॉसन के लिए भी रन बनाना तब आसान हुआ जब साझेदारी बन गई। ऐसी पिच पर आते ही बड़े शॉट नहीं खेले जा सकते, क्योंकि गेंद स्विंग और सीम दोनों कर रही थी। पहले खुद को समय देना जरूरी था।' अक्षर ने कहा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और केएल राहुल जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की वापसी से टीम में आत्मविश्वास और सुकून का माहौल बना है।

टी20 विश्व कप में बदलाव : पुरुषों के वनडे विश्व कप में तीन स्टेज का फॉर्मेट, एलिमिनेटर के साथ 'सुपर 10' होगा

एडिनबर्ग। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने पुरुषों के इवेंट्स में बड़े बदलाव की घोषणा की है। नए बदलाव के तहत 14 टीमों के वनडे विश्व कप के लिए तीन स्टेज का फॉर्मेट लाना और टी20 विश्व कप के दूसरे स्टेज को एलिमिनेटर के साथ 'सुपर 10' फॉर्मेट में बढ़ाना शामिल है। चीफ एग्जीक्यूटिव्स कमेटी की सिफारिशों के बाद, 'एडिनबर्ग में आईसीसी की सालाना कॉन्फ्रेंस के दौरान इन फैसलों को अंतिम रूप दिया गया। गवर्निंग बॉडी ने कहा कि इसका मकसद 'ज्यादा रोचकता बनाना, प्रतियोगी स्तर को ऊपर उठाना और एथलीट और फैंस के लिए अनुभव को बेहतर बनाना है।' हालांकि आईसीसी पुरुषों के क्रिकेट वर्ल्ड कप में 14 टीमें शामिल होती रहेंगी, लेकिन टूर्नामेंट का फॉर्मेट पुराने फॉर्मेट से अलग होगा। इसमें तीन स्टेज का कॉम्पिटिशन होगा जो फाइनल तक जाएगा। सबसे कम रैंक वाली तीन टीमें (टीम 12, 13, और 14) शुरू में 'सुपर सीरीज' नाम के राउंड वन में आमने-सामने होंगी,

जिसमें सिर्फ टॉप टीम ही मेन स्टेज में जाएगी। राउंड 2 में 12 टीमें होंगी, जिन्हें छह-छह टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। हर ग्रुप की टॉप तीन टीमें, दोनों ग्रुप में अगली सबसे ऊंची रैंक वाली टीम के साथ, 'सुपर 7' नाम के नए सात-टीम राउंड-रॉबिन स्टेज में आगे बढ़ेंगी। सुपर 7 स्टेज से टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आईसीसी ने कहा, 'इस स्ट्रक्चर को इवेंट के हर स्टेज में कॉम्पिटिटिव माहौल को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। जिसमें राउंड 1 और राउंड 2 के मैच ज्यादा असरदार होंगे, जिसमें सुपर 7 स्टेज में 7 क्वालिफाइंग टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करने के लिए राउंड-रॉबिन स्टेज से गुजरेंगी।

सीए ने जारी किया बीबीएल 2026-27 सत्र का कार्यक्रम 12 दिसंबर को चेन्नई में खेला जाएगा पहला मैच

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने घरेलू बिग बैश लीग (बीबीएल) 2026-27 सत्र का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। महत्वपूर्ण बात ये है कि इस सत्र का शुरुआती मुकाबला भारत में खेला जाएगा। सत्र की शुरुआत 12 दिसंबर, 2026 को हो रही है और इसका खिताबी मुकाबला 26 जनवरी, 2027 को खेला जाएगा पर सबसे अहम बात ये है कि लीग के 15 साल के इतिहास में ये पहली बार होगा टूर्नामेंट की शुरुआत भारत में खेले गये मैच से होगी। ये मैच चेन्नई में खेला जाएगा। ये दिखाता है कि वैश्विक क्रिकेट परिदृश्य में भारत का प्रभाव बढ़ता जा रहा है।

लीग का पहला और ऐतिहासिक मुकाबला चेन्नई के प्रतिष्ठित एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस उद्घाटन मैच में डिफेंडिंग चैंपियन पर्थ स्कॉर्चर्स और मेलबर्न रेनेगेड्स के बीच टक्कर होगी। यह मैच न केवल बीबीएल के लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक होगा, बल्कि भारतीय दर्शकों को अपनी धरती पर एक विदेशी टी-

20 लीग का रोमांचक मुकाबला देखने का अवसर मिलेगा। इसके लिए मेलबर्न रेनेगेड्स को घरेलू टीम का दर्जा दिया गया है जिससे इस आयोजन की भव्यता नजर आती है।

यह फैसला सीए की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वे दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में अपनी लीग की पैठ बनाना चाहते हैं। भारत में क्रिकेट के प्रति दीवानगी और दर्शकों की विशाल संख्या को देखते हुए। सीऐ को उम्मीद है कि उसे अच्छा खासा राजस्व मिलेगा। इस मैच के सफल होने पर भविष्य में वह और भी मैचों का आयोजन भरत में कर सकता है। चेन्नई में यह शुरुआत मैच बीबीएल की वैश्विक पहुंच और ब्रांड वैल्यू को निश्चित रूप से नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। यह कदम वैश्विक टी-20 लीग के बढ़ते प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में बीबीएल को प्रासंगिक और आकर्षक बनाए रखने में भी मदद करेगा। इस ऐतिहासिक घोषणा का महत्व सिर्फ क्रिकेट तक ही सीमित नहीं है। यह घटना भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहरे होते राजनयिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी दर्शाती है। हाल ही में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में मेलबर्न क्रिकेट मैदान में बीबीएल के पहले मैच के भरता में आयोजित किये जाने की घोषणा की थी।

आगामी बीबीएल सीज़न में प्लेऑफ और फाइनल सहित कुल 44 मैच खेले जाएंगे, जिसमें ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों के साथ-साथ अब भारतीय दर्शक भी शुरू से ही इस लीग से जुड़ पाएंगे। चेन्नई में होने वाला यह मैच सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्रिकेट के जुनून का एक उत्सव होगा।

यह बीबीएल के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा और क्रिकेट प्रेमियों को 2026-27 के सीज़न का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

व्यापार समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशिकत
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, गुरूवार, 16 जुलाई 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

आज की सही योजना, आपके बच्चे अपने सपनों को जीने की आजादी देती है

राजीव श्रीवास्तव,
(जोनल डायरेक्टर- वेस्ट,
एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस)

हर बच्चे का एक सपना होता है। कोई विदेश की किसी यूनिवर्सिटी में पढ़ना चाहता है, कोई अपना कारोबार खड़ा करना चाहता है, तो कोई अपनी क्रिएटिव रुचि को अपना करियर बनाना चाहता है या फिर अपनी पसंद का बिल्कुल अलग रास्ता चुनना चाहता है। श्री राजीव श्रीवास्तव, जोनल डायरेक्टर- वेस्ट, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस के अनुसार हर सपने के पीछे एक लंबा सफर होता है और उस सफर के पीछे अक्सर एक ऐसा पिता होते या माता होती हैं, जो ख़ामोशी से आने वाले मौकों की तैयारी कर रहे होते हैं। जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वैसे-वैसे उनके ख़्वाब और मंजिलें भी बदलती रहती हैं। जिस दुनिया में वे कदम रखेंगे, वहाँ आज हमारी कल्पना से भी कहीं ज़्यादा मौके उनका इंतजार कर रहे होंगे। ऐसे में, माता-पिता का साथ सिर्फ उनके आज की हिफाजत करना नहीं होता, बल्कि ऐसी मजबूत बुनियाद तैयार करना भी होता है, जो उन्हें भविष्य में अपने फैसले ख़ुद लेने की ताकत दे। क्योंकि कई बार माता-पिता अपने बच्चे को सबसे बड़ा तोहफ़ा उसका भविष्य तय करके नहीं, बल्कि उसे अपना भविष्य ख़ुद चुनने की आजादी देकर देते हैं।

शुरुआत जल्दी करना क्यों जरूरी है : सपने इंतजार नहीं करते, तो प्लानिंग भी नहीं करनी चाहिए। बच्चे की जिंदगी के कई अहम् पड़ाव उसके जन्म के कई साल बाद आते हैं, जैसे उच्च शिक्षा, नई स्किल सीखना, करियर चुनना आदि। लेकिन, इन पड़ावों की तैयारी अक्सर बहुत पहले से शुरू करनी पड़ती है। फाइनेंशियल प्लानिंग तब सबसे बेहतर काम करती है, जब उसके पास समय होता है। अगर शुरुआत जल्दी की जाए, तो माता-पिता धीरे-धीरे तैयारी कर सकते हैं, बजाए इसके कि मंजिल करीब आने पर उन पर एक साथ बड़ा आर्थिक बोझ आ जाए।

जल्दी प्लानिंग करने से माता-पिता को ये फायदे मिल सकते हैं:

- नियमित निवेश के जरिए एक अच्छा-खासा फंड तैयार करना।
- आर्थिक जिम्मेदारियों को ज़्यादा आसानी से संभालना, बजाय तैयारी टालते रहने के
- बच्चे के भविष्य के अलग-अलग अहम पड़ावों के लिए पहले से तैयारी करना।
- जिंदगी के बड़े पड़ावों का ज़्यादा भरोसे के साथ सामना करना।

हो सकता है बच्चे के सपने पूरे होने में अभी कई साल बाकी हों, लेकिन उनकी तैयारी आज से शुरू की जा सकती है। समय के साथ शिक्षा, नए अवसरों और जिंदगी के दूसरे लक्ष्यों की लागत बढ़ती रहती है। ऐसे में, जल्दी शुरुआत करने से माता-पिता को धीरे-धीरे आर्थिक तैयारी करने का ज़्यादा वक्त मिलता है। समय रहते की गई प्लानिंग भविष्य का दबाव कम कर सकती है और बच्चे के सपनों के लिए मजबूत बुनियाद तैयार कर सकती है। बच्चे के भविष्य के अहम पड़ावों की तैयारी करने का एक तरीका चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने खरीफ 2026 के लिए छह नेक्स्ट-जेनरेशन इनोवेशन पेश किए

क्रिस्टल के इंडस्ट्री-लीडिंग क्रॉप प्रोटेक्शन पोर्टफोलियो को मजबूत करने के लिए नए लॉन्च

नई दिल्ली। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने खरीफ 2026 सीजन के लिए छह नेक्स्ट-जेनरेशन इनोवेशन लॉन्च करने की घोषणा की। बदलते कीड़ों के दबाव, मौसम के बदलते पैटर्न और बीमारियों के बदलते डायनामिक्स को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया यह नया पोर्टफोलियो, बहुत ज़्यादा रिसर्च, फ़ील्ड की कड़ी जांच और किसान-केंद्रित प्रोडक्ट डेवलपमेंट के जरिए बनाया गया है। ये लॉन्च, साइंस-समर्थित इनोवेशन के जरिए किसानों को फ़ायदेमंद खेत बनाने में मदद करने के क्रिस्टल के कमिटमेंट को और पक्का करते हैं। सोयाबीन हर्बिसाइड सेगमेंट में अपनी नेतृत्व को मजबूत करने के लिए, क्रिस्टल ने सोयाबीन के लिए 'समोरियन' पेश किया है, जिसमें घास औरचौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के खिलाफ़ पेटेंटेड तीन-तरफ़ा एक्शन मोड है। मक्के में खरपतवार की मुश्किल

चुनौतियों को देखते हुए, क्रिस्टल नेअपना पेटेंटेड कॉम्बिनेशन हर्बिसाइड 'टाकुरो' भी लॉन्च किया है, जो तेजसिस्टमिक एक्शन और लंबे समय तक चलने वाले बचे हुए कंट्रोल केसाथ तीन-लेयर वाला खरपतवार मैनेजमेंट देता है। ये टेक्नोलॉजी मिलकर खरपतवार के मुकाबले को कम करने और फसलको मजबूती से लगाने में मदद करती हैं। अपने धान के फंगीसाइड पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए, क्रिस्टल ने 'जेबेरिया' पेश किया, जो फंगल और बैक्टीरियल बीमारियों से कईजगहों पर सुरक्षा देता है, साथ ही डुअल-एक्शन फंगीसाइड 'मैक्सेंट्रा' भीपेश किया, जो कई फसल स्टेज में बड़े पैमाने पर बीमारी पर कंट्रोल करताहै। ये सब मिलकर, ज़्यादा सेहतमंद फसलों, बेहतर अनाज की क्वालिटी औरज़्यादा पैदावार के लिए बीमारी मैनेजमेंट की एक पूरी स्ट्रेटेजी देते हैं। कॉटन चूसने वाले कीड़ों के सेगमेंट में अपनी लीडरशिप को और मजबूतकरते हुए, क्रिस्टल ने 'वाल्ट्रूवा' पेश किया है, जो स्मार्ट ट्रिपल एक्शनटेक्नोलॉजी से चलने वाला एक एडवांस्ड कॉटन इंसेक्टिसाइड है। प्रोक्लेम एक्स्ट्रा और जिवोरा जैसे भरोसेमंद ब्रांड्स की सफलता केआधार पर, 'वाल्ट्रूवा' बड़े चूसने वाले कीड़ों पर तेजी से असर डालता है, बड़े पैमाने पर कंट्रोल करता है और बची हुई चीजों से ज़्यादा सुरक्षा देताहै। स्प्रे की फ्रीक्वेंसी कम करके और पूरे मौसम में फसल की सुरक्षापक्का करके, यह इनोवेशन कॉटन उगाने वालों को ऑपरेशनलएफिशिएंसी सुधारने, पैदावार बचाने और खेती की प्रोडक्टिविटी कोज़्यादा से ज़्यादा करने में मदद करता है। क्रिस्टल ने अपने GreenAg पेटेंटेड ऑर्गेनिक स्मार्ट न्यूट्रिशन सॉल्यूशन 'KGR-T' के लॉन्च की भी घोषणा की, जो इफर्वेसेंट टैबलेट डिलीवरी सिस्टम और एक्सटेंडेड न्यूट्रिएंट रिलीज टेक्नोलॉजी से चलता है। यह न्यूट्रिएंट्स के इस्तेमाल की क्षमता को बेहतर बनाता है, फूल और फल लगने को बढ़ाता है, फसल की मजबूती बढ़ाता है और बेहतर क्वालिटी की पैदावार में मदद करता है। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अंकुर अग्रवाल ने कहा, 'भारतीय खेती तेजी से बदल रही है। मौसम की अनिश्चितता, बदलते कीट और हर एकड़ से बढ़ती उम्मीदें खेती में नए इनोवेशन की नई पीढ़ी की मांग करती हैं। क्रिस्टल में, हमारा मानना है कि इनोवेशन को किसानों के खेत में असली चुनौतियों का हल निकालना चाहिए, साथ ही यह प्रैक्टिकल, आसानी से मिलने वाला और सस्ता भी होना चाहिए। ये छह टेक्नोलॉजी किसानों को प्रोडक्टिविटी, प्रॉफिट और लंबे समय तक चलने वाली सस्टेनेबिलिटी को बेहतर बनाने में मदद करने के हमारे कमिटमेंट को दिखाती हैं।' ये छह इनोवेशन मिलकर, बीमारी, खरपतवार, कीड़े और न्यूट्रिशन मैनेजमेंट के लिए इंटीग्रेटेड सॉल्यूशन देकर, खास फसल सेगमेंट में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की लीडरशिप को मजबूत करते हैं।

एआई के साथ और स्मार्ट होगी आपकी सेहत, 22 जुलाई को पेश होगी नई गैलेक्सी वॉच

नई दिल्ली। जैसे-जैसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है, मोबाइल डिवाइस इसके इस्तेमाल का सबसे अहम माध्यम बन रहे हैं। सैमसंग का लक्ष्य एआई को लोगों की दैनिक जिंदगी का ऐसा हिस्सा बनाना है, जो बिना किसी जटिलता के उनकी जरूरतों के मुताबिक काम करे और हर कदम पर उपयोगी साबित हो। इसी दिशा में कंपनी अपने पूरे गैलेक्सी इकोसिस्टम में एआई आधारित स्मार्ट फीचर्स का विस्तार कर रही है। इसमें गैलेक्सी वॉच की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी, जो हमेशा सक्रिय

रहकर यूजर्स को उनकी सेहत से जुड़ी व्यक्तिगत और उन्नत जानकारी उपलब्ध कराएगी। नई गैलेक्सी वॉच यूजर्स को बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के बेहतर हेल्थ मॉनिटरिंग का अनुभव देगी। यह बैकग्राउंड में लगातार काम करते हुए सेहत से जुड़ी जानकारियां जुटाएगी और हेल्थ मॉनिटरिंग को रोजमर्रा की दिनचर्या का सहज हिस्सा बना देगी। नए इंटरनल हार्डवेयर और बेहतर बैटरी के साथ आने वाली यह स्मार्टवॉच पहले से ज्यादा समय तक और अधिक सटीक तरीके से हेल्थ डेटा रिकॉर्ड कर सकेगी। गैलेक्सी वॉच अब तक यूजर्स की नींद, मूवमेंट और दैनिक गतिविधियों को ट्रैक कर उनकी सेहत की अहम जानकारियां जुटाती रही है। अब एआई से मिलने वाले स्मार्ट इनसाइट्स के साथ यह पहले से ज्यादा सक्षम हो गई है। इसकी मदद से यूजर्स अपनी सेहत को रियल-टाइम में बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और समय रहते जरूरी कदम भी उठा पाएंगे। सैमसंग 22 जुलाई को शाम 6:30 बजे (भारतीय समयानुसार) आयोजित गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में नई गैलेक्सी वॉच से पर्दा उठाएगा। कंपनी के मुताबिक, एआई आधारित कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम से लैस यह स्मार्टवॉच यूजर्स को अपनी सेहत की बेहतर निगरानी करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में मदद करेगी।

अदाणी ग्रुप ने पहली बार भारत के टॉप-10 ब्रांड वैल्यू रैंकिंग में बनाई जगह

नई दिल्ली। दुनिया की अग्रणी स्वतंत्र ब्रांड वैल्यूएशन कंसल्टेंसी ब्रांड फाइनेंस की 'ब्रांड फाइनेंस इंडिया 100 रिपोर्ट-2026' में अदाणी ग्रुप पहली बार भारत के टॉप-10 ब्रांड्स में शामिल हुआ है। ग्रुप ने एक साल में 13वें से 8वें स्थान पर जगह बनाई है। खास बात यह है कि महज तीन सालों में टॉप-10 तक पहुंचने वाला यह सबसे तेज भारतीय कॉर्पोरेट ब्रांड बन गया है। भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर, एनर्जी और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में तेजी से बढ़ रहे निवेश का असर अब कॉर्पोरेट ब्रांड्स की वैश्विक पहचान पर भी दिखाई देने लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, अदाणी ग्रुप की ब्रांड वैल्यू बढ़कर 8.48 अरब डॉलर हो गई है, जो पिछले साल के मुकाबले 31.3% अधिक है। भारत के टॉप 20 ब्रांड्स में यह सबसे तेज सालाना वृद्धि है। इसी के साथ अदाणी ग्रुप देश का तीसरा सबसे बड़ा कॉर्पोरेट ब्रांड बन गया है। पिछले एक साल में ग्रुप की ब्रांड वैल्यू में 2.02 अरब डॉलर की वृद्धि हुई, जो साल 2022 में उसकी कुल ब्रांड वैल्यू से भी ज्यादा है। वहीं पिछले तीन सालों में ग्रुप ने भारत के शीर्ष ब्रांड्स की लिस्ट में सबसे तेज प्रगति दर्ज की है। इस साल की रैंकिंग में सबसे शानदार उपलब्धि अदाणी पावर के नाम रही। कंपनी की ब्रांड वैल्यू 152% बढ़कर 1.8 अरब डॉलर पहुंच गई, जिससे वह भारत का नंबर-1 एनर्जी ब्रांड बन गया। इसके साथ ही अदाणी ग्रीन एनर्जी और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस भी देश के टॉप 5 एनर्जी ब्रांड्स में शामिल हुए हैं, जबकि अदाणी टोटल गैस ने भी अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है।

बॉलीवुड समाचार

किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए, सोशल मीडिया देख किसी रिश्ते को मत आंकिए : कुणाल खेमू

बाल कलाकार के रूप में अपने करियर का आगाज करने वाले कुणाल खेमू एक्टर, डायरेक्टर, लेखक और सिंगर के रूप में अपना हुनर दिखा चुके हैं, मगर इन दिनों वह चर्चा में हैं अपने एक नए रोल में और वो है रियलिटी शो 'अलायंस' के होस्ट के रूप में। ओटीटी पर आए इस नए शो को होस्ट करने वाले कुणाल खास खास मुलाकात में पत्नी सोहा, बेटी इनाया, अपने निर्देशन, बॉक्स ऑफिस आदि पर तो बात करते ही हैं, मगर साथ ही अपने पसंदीदा होस्ट के बारे में बताना नहीं भूलते। कुणा खेमू कहते हैं, 'हमारे यहां कपिल शर्मा ने इतने सालों तक शानदार होस्टिंग की है। लोग शो उनके लिए देखते हैं। अमिताभ बच्चन सर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' को जिस गरिमा और आवाज के साथ होस्ट किया है, वह कमाल है। सच कहूं तो मुझे ऐसा कोई होस्ट याद नहीं आता जिसके बारे में कह सकूं कि वह अच्छा नहीं है। सभी अपने-अपने तरीके से अच्छा काम कर रहे हैं।'

दिल से जुड़े रिश्तों को जाने न दें

सोहा अली के साथ कुणाल खेमू की शादी को 11 साल से भी ज्यादा हो गए हैं। अपनी खुशनुमा शादी पर जब उन्हें टिप्स देने को कहा जाता है, तो वह कहते हैं कि इस मामले में कोई टिप्स काम नहीं करते। बकौल कुणाल, 'मेरी सबसे बड़ी सलाह यही होगी कि किसी और की सलाह पर अपनी जिंदगी मत चलाइए। अपनी लाइफ अपने हिसाब से जिएं। उसमें कभी खट्टे पल होंगे, कभी मीठे। और सबसे जरूरी बात, सोशल मीडिया देखकर किसी रिश्ते को मत आंकिए। वहां कोई अपनी मुश्किलें नहीं दिखाता, हर किसी की जिंदगी अच्छी ही दिखाई देती है। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं, हर अलायंस में भी आते हैं। लेकिन मैं हमेशा मानता हूं कि अगर कोई रिश्ता दिल से जुड़ा है, तो उसे इतनी आसानी से जाने नहीं देना चाहिए। हमारी बॉन्डिंग कोई एक दिन में नहीं बनी। एक-दूसरे को समझने, ट्यूनिंग बनाने और साथ बढ़ने में सालों लगते हैं। आजकल लोग रिश्तों को समय ही नहीं देते। सब कुछ बहुत जल्दी चाहिए। अगर लोग धैर्य रखें, एक-दूसरे को समझने का मौका दें, रिश्ते को समय दें, तभी सही मायनों में उसकी खूबसूरती समझ आएगी।'

अभी भी अच्छा पिता बनने की कोशिश कर रहा हूं

आठ साल की बेटी इनाया के पिता कुणाल एक आदर्श पिता कहलाने पर शरमा जाते हैं। वह कहते हैं, 'लोग जब कहते हैं कि मैं एक अच्छा पिता हूं। बेटी ने मुझे कितना बदला है? तो ऐसे सारे सवालों पर मैं थोड़ा झिझक जाता हूं। सच कहूं तो मैंने और सोहा ने कभी किसी की सलाह लेकर पैरेंटिंग नहीं की और न ही कोई किताब पढ़कर। हम बस वही करने की कोशिश करते हैं, जो हमें सही लगता है। लेकिन जब कोई मुझे अच्छा पिता कहता है तो मैं थोड़ा असहज हो जाता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि इसका कोई तय जवाब या फॉर्मूला है। मैं रोज सुबह उठकर यही सीखता हूं कि आज अपनी बेटी लिए बेहतर कैसे बन सकता हूं । अगर लोग मुझे अच्छा पिता कहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात है। मैं अभी उसके करीब पहुंचने की कोशिश ही कर रहा हूं।'

निर्देशन में कंट्रोल आपके हाथ में होता है : एक्टर हो, निर्देशन या सिंगिंग या फिर होस्टिंग हो, कुणाल सबसे ज्यादा किस काम को एंजॉय करते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'मैंने कभी भी कोई काम जरूरत के लिए नहीं किया। मुझे अगर अच्छा लगता है, मैं तभी करता हूं। हां, पहला प्यार मेरा हमेशा एक्टिंग ही रहेगा। अभिनय में मुझे बहुत ज्यादा मजा आया, मगर फिर निर्देशन और लेखन मेरे लिए काफी लिब्रेटिंग था। जब आप निर्देशन करते हैं, तो वहां कंट्रोल आपके हाथ में होता है। एक अभिनेता के तौर पर आपके हाथ में सिर्फ आपका किरदार और परफॉर्मेंस होती है। कौन-सा शॉट रहेगा, कौन-सा नहीं रहेगा, एडिट में क्या होगा? ये सब डायरेक्टर तय करता है। जब मैंने डायरेक्शन किया तो पहली बार वह कंट्रोल मेरे हाथ में था। इसलिए वह अनुभव मेरे लिए बहुत खास रहा। होस्टिंग इसलिए दिलचस्प लगी क्योंकि यह मेरे लिए बिल्कुल नया क्षेत्र था। मैंने पहले कभी किया नहीं था। नया सीखने का मौका मिला, इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया'

आज फिल्ममेकिंग का प्रॉसेस उल्टा हो गया है : निर्देशक के रूप में कुणाल की फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की थी, लेकिन पिछले कुछ समय से अच्छी फिल्में भी बॉक्स ऑफिस पर नहीं चल पा रही हैं। इस पर अपनी राय रखते हुए वह कहते हैं, 'मुझे लगता है कि कहीं न कहीं बैलेंस बिगड़ गया है। हम अक्सर यह सवाल तब पूछते हैं जब फिल्में नहीं चलतीं। जब फिल्में चलती हैं तो कोई यह नहीं पूछता कि ऐसा क्यों हुआ।

असल में पिछले कुछ सालों में फिल्म बनाने का प्रोसेस थोड़ा उल्टा हो गया। पहले होना यह चाहिए कि आपके पास एक अच्छी कहानी हो और एक डायरेक्टर हो जो उस कहानी को पूरी ईमानदारी से कहना चाहता हो। उसके बाद कलाकार चुने जाएं। लेकिन कई जगह पहले स्टार तय हो जाता है, फिर बजट तय होता है और बाद में कहानी ढूंढी जाती है। यहीं गड़बड़ शुरू होती है।' पिछले कुछ सालों में फिल्म बनाने का प्रोसेस थोड़ा उल्टा हो गया। पहले होना यह चाहिए कि आपके पास एक अच्छी कहानी हो और एक डायरेक्टर हो जो उस कहानी को पूरी ईमानदारी से कहना चाहता हो। उसके बाद कलाकार चुने जाएं। लेकिन कई जगह पहले स्टार तय हो जाता है, फिर बजट तय होता है और बाद में कहानी ढूंढी जाती है। यहीं गड़बड़ शुरू होती है।

फिल्ममेकिंग और बॉक्स ऑफिस परफॉर्मेंस पर कुणाल खेमू

आज दर्शकों के पास मनोरंजन के कई ऑप्शन्स हैं। अगर किसी इंसान के पास दिन के सिर्फ तीन घंटे एंटरटेनमेंट के लिए हैं तो अब सिर्फ फिल्में उन तीन घंटों के लिए नहीं लड़ रहीं, बल्कि बाकी सारे प्लेटफॉर्म भी उसी समय के लिए मुकाबला कर रहे हैं। ऐसे में सबसे जरूरी चीज है कि आपकी कहानी दर्शक की कल्पना को पकड़ पाए। अगर कहानी अच्छी है तो बिना बड़े बजट और बिना बड़ी मार्केटिंग के भी फिल्म सफल हो जाती है। कई अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों ने यह साबित किया है। हॉलीवुड में भी ऐसी फिल्में हुई हैं, जिन्हें बहुत कम बजट में बनाया गया, लेकिन उन्होंने सैकड़ों मिलियन डॉलर का कारोबार किया जैसे ऑब्सेशन को ही ले लीजिए, क्योंकि लोग कहानी से जुड़ गए। मुझे लगता है कि अगर हर व्यक्ति अपना काम ईमानदारी और पैशन के साथ करे, लोगों पर भरोसा करे और उन्हें अपना काम करने दे, तो चीजें बेहतर होंगी।'

मैं रियलिटी शो का कंटेस्टेंट नहीं बन सकता

आज 'अलायंस' जैसे रियलिटी शो की होस्टिंग करने वाले कुणाल अपने करियर में किसी रियलिटी शो का कंटेस्टेंट बनने से साफ इंकार करते हैं। वह कारण बताते हुए कहते हैं, 'नहीं... बिल्कुल नहीं। मैं नहीं बन सकता, जो लोग ऐसा करते हैं, वो बहुत बहादुर होते हैं। 24 घंटे कैमरों के बीच रहना, कोई आपको बताए कि अब उठो, अब टास्क करो, अब ये करो... मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर पाऊंगा। ऊपर से जब आप बाहर निकलते हैं तो पता चलता है कि बाहर की दुनिया ने आपके बारे में अपनी अलग राय बना ली है। मेरी पर्सनैलिटी ऐसी नहीं है कि मैं लंबे समय तक ऐसे माहौल में रह सकूं। मेरा दिमाग एक साथ दस जगह चलता है। मैं हमेशा कई चीजें कर रहा होता हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं एक अच्छा रिएलिटी शो कंटेस्टेंट बन पाऊंगा।'

शहनाज गिल और जय रंधावा की फिल्म 'इश्कनामा' का ट्रेलर रिलीज

शहनाज गिल और जय रंधावा अभिनीत पंजाबी पीरियड रोमांस फिल्म 'इश्कनामा' का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। निर्देशक अरविंदर एस. खैरा की यह फिल्म भारत-पाकिस्तान सीमा पर जन्मी एक सच्ची प्रेम कहानी पर आधारित है। ट्रेलर में भावनात्मक प्रेम, बंटवारे का दर्द और सरहदों से परे रिश्तों की गहराई को प्रभावशाली अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। प्रशंसित पुस्तक 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' से प्रेरित यह फिल्म 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा पर बसे पंजाब की पृष्ठभूमि में रची गई है। कहानी भारतीय पंजाब के युवा सिख शायर निम्मा और पाकिस्तानी पंजाब की मुस्लिम युवती नसीमा की प्रेम गाथा पर आधारित है, जो बंटवारे की त्रासदी और सरहदों की दीवारों के बावजूद अपने प्रेम को जिंदा रखने का संघर्ष करते हैं। निर्माताओं के अनुसार, यह कहानी वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है और निम्मा आज भी भारत में जीवित हैं, जबकि नसीमा के इंग्लैंड चले जाने की बात कही जाती है। निर्देशक अरविंदर एस. खैरा ने कहा कि 'इश्कनामा' सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि इतिहास के पन्नों

में दर्ज एक ऐसी सच्ची दास्तान है, जिसे बड़े पर्दे पर पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। वहीं शहनाज गिल ने नसीमा के किरदार को अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में से एक बताया है, जबकि जय रंधावा ने इसे प्रेम, त्याग, इंतजार और किस्मत की कहानी करार दिया।अरविंदर एस. खैरा के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण सौरभ राणा ने किया है। फिल्म में शहनाज गिल, जय रंधावा और सौरभ सचदेवा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

आकांक्षा ने सैर करवाई 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन ने अपने फैंस को सस्पेंस से भरपूर फिल्म 'इक्का' के सेट के पीछे की दुनिया की एक एक्सक्लूसिव सैर करवाई। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर आकांक्षा रंजन ने एक विशेष बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) कैरोसेल साझा किया, जिसमें अपने किरदार 'सोमा मेहतानी' को पर्दे पर जीवंत करने के पीछे की गहन मेहनत और समर्पण की एक झलक देखने को मिली। इन तस्वीरों ने फिल्म निर्माण की वास्तविक बैकस्टेज कहानी को उजागर किया, जिससे दर्शकों को पता चला कि पर्दे पर दिखने वाली कहानी को बनाने में कितनी बारीकी और परिश्रम लगता है।

बीटीएस कैरोसेल में सेट के कई दिलचस्प पल शामिल थे, जिन्होंने फिल्ममेकिंग के हर पहलू को दर्शाया। कभी आकांक्षा घंटों तक प्रोस्थेटिक मेकअप में मेहनत झेलती नजर आईं, जो उनके किरदार की जटिलता और उसमें लगने वाले समय को दर्शाता है। कभी वह अनुभवी अभिनेता अक्षय खन्ना के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखीं, जिससे उनके अभिनय कौशल और सेट पर उनके तालमेल की झलक मिली। कॉस्ट्यूम ट्रायल्स की तस्वीरें भी साझा की

गईं, जो किरदार के लुक को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया को दर्शाती हैं। इसके अलावा, क्लैपरबोर्ड के शॉट्स और फिल्म में दिखे उनके हॉस्पिटल लुक की झलकियां भी इस कैरोसेल का हिस्सा थीं, जिससे फैंस को फिल्म के निर्माण के हर चरण की जानकारी मिली। इन तस्वीरों ने दर्शकों को फिल्म बनाने की दुनिया के करीब ला दिया और कलाकारों की लगन से रूबरू कराया। आकांक्षा ने अपने पोस्ट पर एक दमदार कैप्शन दिया, रहमान डकैत की दी हुई मौत बड़ी कसाईनुमा होती है।

यह कैप्शन फिल्म के गहरे और रहस्यमयी प्लॉट की ओर इशारा करता है, और उनके किरदार सोमा मेहतानी की कहानी में होने वाले दर्दनाक अनुभवों की झलक देता है। 'इक्का' में आकांक्षा ने सोमा मेहतानी का किरदार निभाया है, जो फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी का दिल है। कोर्टरूम थ्रिलर जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, कहानी का हर मोड़ और भावनात्मक टकराव सोमा के इर्द-गिर्द घूमता है, जिससे आकांक्षा की परफॉर्मेंस इस फिल्म की जान बन जाती है। उनका किरदार दर्शकों को सीट से बांधे रखने में कामयाब रहा और उन्होंने अपनी भावनाओं के जरिए फिल्म को एक नया आयाम दिया।

ओटीटी पर रिलीज हुई 'इक्का' इस साल आकांक्षा का दूसरा प्रमुख प्रोजेक्ट है, जो उनके करियर की तेज रफ्तार को दर्शाता है। इससे पहले, वह ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 में डॉ. गर्गी के उनके किरदार के लिए दर्शकों और क्रिटिक्स दोनों से खूब प्यार और सराहना पा चुकी हैं। इस साल की दो दमदार रिलीज़ के साथ, आकांक्षा रंजन अपने करियर में जबरदस्त रफ्तार पकड़ रही हैं और खुद को एक बहुमुखी और प्रतिभाशाली अभिनेत्री के रूप में स्थापित कर रही हैं। आगे भी आकांक्षा के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स लाइन में हैं, जिनकी अनाउंसमेंट आने वाले महीनों में होने वाली है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./33316/ न. पा. नि./
जोन क्रं. 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33316
वार्ड का नाम 2 पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802H00400 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MEETA GANNGULY पिता / पति श्री/श्रीमती KALYAN KALIPAD GANGULY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT REKHA YADAV पिता / पति श्री/श्रीमती SHREE RAMASARE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं./33313/न. पा. नि./
जोन क्रं. 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33313
वार्ड का नाम 2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802101531 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती REKHA AWASTHI पिता / पति श्री/श्रीमती DIWAKAR AWASTHI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती DINESH PRASAD SINGH पिता / पति श्री/श्रीमती RAM JATAN SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं./33220/ न. पा. नि.
जोन क्रं. 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33220
वार्ड का नाम 2- पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802K00317 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ASHOK BHARTI पिता / पति श्री/श्रीमती LT BABULAL BHARTI के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती SMT RAJ KAUR पिता / पति श्री/श्रीमती SHREE RANJIT SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/33317/ न. पा. नि. /
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33317
वार्ड का नाम 2 पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802100395 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती REENA BARCHHIHA पिता / पति श्री/श्रीमती BUTESHWAR BARCHHIHA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT SANDHYA AHIRWAR पिता / पति श्री / श्रीमती KASI RAM AHIRWAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र , सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/33312/ न. पा. नि. /
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33312
वार्ड का नाम 2 पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802H00676 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती RITA ELIZABETH DANIEL पिता / पति श्री/श्रीमती LT. PRAFUL DANIEL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती SMT NILU DEVI SINGH पिता / पति श्री / श्रीमती BRIJBIHARI SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम, जोन क्र.-5, रायपुर

// प्रथम निविदा सूचना //

आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर की ओर से प्रस्तावित कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दो लिफाफा पद्धति (प्रथम में) अमानती राशि, निविदा प्रपत्र शुल्क डीडी. अन्य का कागजात एवं द्वितीय में निविदा प्रपत्र) में सील बंद निविदाएं स्पीड पोस्ट से निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है।

1. निविदा लिफाफा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 03/08/2026 को सायं 5:30 बजे तक
2. निविदा लिफाफा खोलने की तिथि 04/08/2026 को प्रातः 11:30 बजे से

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि (लाख में)	अमानत राशि (रूपये)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य की अवधि	एस.ओ.आर. नॉन एस.ओ.आर.
1	महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्र. 42 अंतर्गत लाला बनारसी गली में सी.सी. रोड एवं पुलिया निमार्ण कार्य (सामान्य मद)	3.87	3870/-	750/-	04 माह	P.W.D. S.O.R. (Building) 01.01.2015
2	जोन क्र. 05 अंतर्गत महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्र. 42 अंतर्गत विभिन्न स्थानों में पाईप लाईन मरम्मत एवं बिछाने का कार्य।	1.15	2000/-	300/-	02 माह	P.H.E S.O.R 01.06.2020
3	महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड क्र. 42 अंतर्गत बंधरा पारा स्थित छ.ग. यादव समाज सामुदायिक भवन में इलेक्ट्रिफिकेशन कार्य।	1.00	2000/-	300/-	02 माह	P.W.D S.O.R (Electrical) 01.06.2020
4	ठाकुर प्यारेलाल सिंह वार्ड क्र. 39 अंतर्गत अनुपम गार्डन के सामने आर.के.सी. के बाऊड्रीवाल के पास से कृष्णा नगर मोड़ तक नाली मरम्मत कार्य। (सामान्य मद)	5.09	5000/-	750/-	04 माह	P.W.D. S.O.R. (Building) 01.01.2015

नोट :- 1 निविदा से संबंधित दस्तावेज (1) छ.ग. पीडब्ल्यू का जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र (2) जी.एस.टी. जीवित पंजीयन प्रमाण पत्र (3) पेन कार्ड (4) विगत 03 साल का इनकम टैक्स रिर्टन (5) विगत 03 माह की जीएसटी रिर्टन (6) राशि रू. 100/- का शपथ पत्र (निविदा जारी होने के बाद का नोटराईज) (7) राशि 2.00 लाख से अधिक के कार्यो के लिये कम से कम 15 प्रतिशत तक जीवित बैंक सॉल्वेंशी स्वीकार किया जावेगा। (राष्ट्रीयकृत बैंक का अमानती राशि (एफ.डी.आर. के रूप में) एवं निविदा प्रपत्र शुल्क की निविदा राशि (डी.डी. के रूप में) आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय होगा) (लिफाफा निविदा जारीकर्ता अधिकारी के नाम से पोस्ट किया जावें) निधारित अवधि में किसी दिन अवकाश होता है तो उल्लेखित कार्यवाही अगले कार्यदिवस पर संपन्न कि जावेगी।

2. उक्त निविदा नगर निगम के वेबसाईट nagarnigamraipur.nic.in में देखी जा सकती है। एवं वेबसाईट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर, निर्धारित निविदा प्रपत्र शुल्क की राशि डीडी के रूप में प्रस्तुत कि जायेगी।

जोन कमिश्नर
जोन क्र. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर

घरों से निकलने वाले गिला और सूखा कचरों को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं /33219/ न. पा. नि. /
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33219
वार्ड का नाम 2 पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR802100596 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती DEEPAK KUMAR BAGHELE पिता / पति श्री/श्रीमती MADAN LAL BAGHELE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती DEEPAK GENDLAL TEMBHRE पिता / पति श्री/श्रीमती LATE GENDLAL TEMBHRE ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति /संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/10779/ न. पा. नि.
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 10779
वार्ड का नाम 21 शहीद भगत सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR813X00668 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ASHWANI GHRITLAHRE पिता/पति श्री/श्रीमती RAM KUMAR GHRITLAHRE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती कपिल बंजारे पिता/पति श्री श्रीमती नरेंद्र बंजारे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/33342/ न. पा. नि.
जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्रं. 33342
वार्ड का नाम 21 शहीद भगतसिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR813G00353 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती SAROJ BANSAL पिता/पति श्री श्रीमती VIJAY KUMAR BANSAL के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती KAILASH BAGARIA पिता / पति श्री/श्रीमती SEETARAM BAGARIA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 08)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्रं/33310/ न. पा. नि. जोन क्रं 8/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33310
वार्ड का नाम 21 शहीद भगतसिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 21 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR813E00146 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती M.JOHN पिता / पति श्री श्रीमती K. MATHAI के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती mariamma john पिता / पति श्री श्रीमती late m john ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर) जोन (8) नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
Email ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं/33137/ न. पा. नि.
जोन क्रं- 10/2026
रायपुर, दिनांक 15-07-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 33137
वार्ड का नाम 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652S00069 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती MALA PRASAD पिता/पति श्री श्रीमती MADAN PRASAD के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1.SMT. DEEPIKA TIWARI 2.ABHYUDAY SHAKTY TIWARI पिता / पति श्री/श्रीमती 1. W/O MR. ABHYUDAY SHAKTY TIWARI 2.S/O MR.RAVINDRA TIWARI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"

श्री मोनेश्वर शर्मा (जोन कमिश्नर) जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

सीएम साय ने माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पर्वतारोही अमिता श्रीवास को दी बधाई

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज जांजगीर–चांपा जिले की होनहार पर्वतारोही सुअमिता श्रीवास ने सौजन्य मुलाकात की।

मैनपाट में नाशपाती की मिठास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के शिमला के रूप में मशहूर पर्यटन स्थल मैनपाट अब एग्री–टूरिज्म (कृषि पर्यटन) के एक नए केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहाँ की अनुकूल जलवायु और राज्य शासन के उद्यानिकी विभाग की कल्याणकारी नीतियां स्थानीय किसानों के लिए आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। पारंपरिक खेती को छोड़कर यहाँ के प्रगतिशील किसान अब फलोद्यान की ओर रुख कर सफलता की नई इबारत लिख रहे हैं। ऐसी ही एक प्रेरक सफलता की कहानी मैनपाट के ग्राम बारिमा निवासी कृषक मनोज यादव की है, जिन्होंने ग्राम कुदारीडीह (मेहता पॉइंट के पास) में नाशपाती का सफल बागान तैयार कर शानदार मुनाफा कमाया है।

महापौर से एल्डरमेन अनिल को दी शुभकामनाएं

मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के प्रथम तल पर महापौर चेम्बर में पहुंचकर छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास सोनकर ने रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे से मुलाकात की।

स्मृति शेष - विश्वविख्यात पंडवानी साम्राज्ञी तीजन बाई

विजय मिश्रा अमित

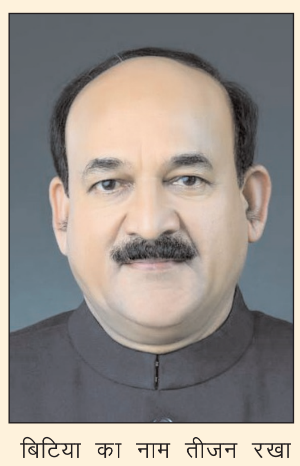

कलम– किला और कलाओं का गढ़ छत्तीसगढ़ की रंगीन रंगभूमि पर, रंगमंचों पर महाभारत की कथा का जीवंत चित्रण करती थीं विश्व विख्यात पंडवानी गायन की महारथी पद्मविभूषण डॉ. तीजन बाई। छह दशक से भी अधिक समय तक पंडवानी मंच पर अनूठे कापालिक शैली के कारण उनका एकछत्र राज रहा।

पंडवानी की महारानी,पंडवानी की पर्याय, पंडवानी की पालनहार, पंडवानी की अप्रतिम साधिका %तीजन दीदी–दाई% ने 5 जुलाई 2026 की अलसुबह सवा तीन बजे राजधानी रायपुर के एम्स में अंतिम सांस ली। तेरह वर्ष की उम्र से तीजन जी के हाथ म थमा तमुरा सत्तर वर्ष की आयु में सदा सदा के लिए छुट गया। महान कला साधिका ने आंखें तो मूंद लीं पर कला प्रेमियों की आंखें छलछला आईं।मानव ही नहीं माधव भी इस ह्दयविदारक घड़ी में अविरल आंसू बहाते रहे। तभी तो पांच–छह जूलाई 26 को उनके आंसू जबरदस्त वर्षा धार बनकर बरसते रहे। छत्तीसगढ़ का बड़ा भूभाग असामान्य वर्षा जल में डूब गया था।

बालपन से पंडवानी की दीवानी तीजन बाई को पंडवानी गायन के कारण समाज–घर–परिवार से ताना –उलाहना और प्रताड़ना सहित प्रबल विरोध का सामना करना पड़ा। घर टूटा,पति रूठा–छूटा पर नहीं टूटा पंडवानी के प्रति लगन,नहीं छूटा तंबूरा से हाथ। उनकी रगों में रक्त नहीं पंडवानी रस आजीवन संचारित होता रहा।

मीराबाई की अवतार बनी तीजन

दुर्ग जिले के अटारी(पाटन)गांव के बेहद गरीब परिवार में 8अगस्त 1956 (कहीं कहीं जन्मतिथि 24अप्रेल लिखा गया जो की बीएसपी में नौकरी लगते समय संभवतः त्रुटिवश दर्ज हुआ है।तीजन जी का जनम तीजा पर्व के दिन हुआ था जो कि अप्रैल में होता ही नहीं है) को बेबी तीजन की किलकारी गूंजी थी। उस दिन छत्तीसगढ़ की महिलाओं का महापर्व तीजा था। इसी आधार पर उनके पिता हुनुक लाल पारधी और माता सुखवंती ने नवजात बिटिया का नाम तीजन रखा था। पुत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं कहावत को चरितार्थ करती हुई ननकी (छोटी बच्ची) तीजन ने अपने नानाश्री बृजलाल के मुखारविंद से महाभारत की कथा सुनते सुनते कंठस्थ कर लिया था।

उनकी इस विलक्षण स्मरण शक्ति को परखते हुए कला गुरु उमेद सिंह देशमुख ने तेरह वर्षीय ननकी तीजन को पहली बार सार्वजनिक पंडवानी मंच पर उतारा था। तब कापालिक शैली (खड़े होकर गायन –अभिनय) में उनके पंडवानी गायन का घोर विरोध हुआ,दरअसल उन दिनों वेदमती शैली (बैठकर गायन) में महाभारत गायन को जनमन की स्वीकार्यता थी। साथ ही पंडवानी गायन को केवल पुरुष कलाकारों का ही क्षेत्र माना जाता था,लेकिन वृंदावन बिहारी लाल ने तो तीजन बाई को खास मिट्टी से गढ़कर छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर भेजा था। उसे भला कौन डिगा पाता। मीरा बाई की तरह सर उठाकर भजन कीर्तन में नर–नारी भेद–भाव की बंदिशें और बेड़ियों को तोड़कर तीजन जी ने एक नया इतिहास रच दिया।

1982 से छत्तीसगढ़ के लोक मंचों से जुड़े होने के कारण ऐसे अनेक अवसर आए जब तीजन जी की प्रस्तुति के पूर्व अथवा बाद में मुझे अपनी टीम के कलाकारों के साथ अभिनेता – उद्घोषक बतौर प्रस्तुति का मौका मिला। ऐसे सुअवसर पर उनसे बात करते समय अहसास होता था कि महान कलाकार को सहज सरल होना चाहिए। मुसीबत की घड़ी में भी कला की धार कुंद नहीं होने देना चाहिए। धन–दौलत की चमक फीकी पड़ जाएगी किन्तु कला की धमक इतिहास बनकर गूंजती रहेगी।

तमुरा–तीजन संवाद का अद्भुत प्रताप

नारी होते हुए भी महाभारत की कथा सुनाते समय वे भीम,अर्जुन, धृतराष्ट्र जैसे पुरुष पात्रों के चरित्र को जबरदस्त भाव भंगिमाओं–संवादों से अभिव्यक्त करती थी। तब तीजन जी के अभिनय का जादू सम्मोहन जनमन को मंत्रमुग्ध कर देता था। करुण प्रसंग को सुनते समय दर्शक दीर्घा की आंखें कभी छलक पड़ती थीं तो कभी वीर रस प्रसंग पर आवेश में आकर उनकी भुजाएं फड़कने लगती थीं। ऐसी घड़ी में तीजन जी का तमूरा बलशाली भीम की गदा, महान धनुर्धर अर्जुन का गांडीव धनुष, मुरारी का सुदर्शन चक्र, दुशासन के हाथों खींचे जा रहे द्रौपदी के केश और न जाने क्या–क्या बन जाता था। तमुरा– तीजन के बीच रोचक संवाद का आभास होता था।

तीजन जी की एक बड़ी खासियत यह भी रही कि वे हमेशा अपने पारंपरिक परिधानों ,गहनों को पहनकर ही मंच पर पावं धरती रहीं। जिससे छत्तीसगढ़ी कोष्टाहुं लुगरा (साड़ी), फुग्गा बाहीं का ब्लाउज़, पैरों पर माहुर, चांदी सी चमकती धातु निर्मित कमर की भारी भरकम करधनिया, गले में सिक्कों की माला सहित कान –नाक–उंगलियों पर धारित गहनों को राष्टीय–अंतरराष्टीय स्तर पर पहचान मिली। आज अनेक प्रतिष्ठित महिलाएं छत्तीसगढ़ी गहनों से श्रृंगार करके गौरवान्वित महसूस करती है। यह तीजन जी का ही प्रताप है।

गढ़ गईं पुरस्कारों का कीर्तिमान

ऐसे प्रेरक विचारों की धनी, कापालिक शैली में पंडवानी गायन की धुनी तीजन जी को पद्मश्री (1988), संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1995), पद्मभूषण (2003) और भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण (2019) से विभूषित होने का गौरव प्राप्त हुआ। वे छत्तीसगढ़ की ऐसी अकेली ऐतिहासिक हस्ती हैं।

अपने अनथक संघर्ष, अदम्य साहस और साधना से अर्जित सफलता के बलबूते तीजन जी दमखम के साथ बता गईं कि– अशिक्षित– अभावग्रस्त होना किसी कलाकार के लिए अभिशाप नहीं हो सकता। तभी तो गांव के चौपाल पर ही नहीं विश्व के कपाल पर पंडवानी का पताका फहराते हुए उन्हें फांस महोत्सव में %फाक पिकाक% तथा जापान में %फुकुओका% जैसे सर्वोच्च अलंकरण से अलंकृत होने का गौरव प्राप्त हुआ। राज्योत्सव –विश्व आदिवासी महोत्सव साइंस कॉलेज रायपुर में हुई भेंट के दौरान उनसे मैंने पूछा था – मान सम्मान में कोई चूक करता है तो आप कैसे सहन करती हैं? तब आपका क्या रवैया रहता है? इस पर वे हंसकर बोली थीं– महाराज जी,आदमी ल नान नान बात म खुशी खोजना चाही। नान नान बात म नराज नी होना चाही। छोटे दिल राख के बड़े दुनिया म जीना बिरथा हे। मान सबके करव अपमान काखरो झन करव।

काल को पराजित कर पहुंची विश्व के कपाल पर

तीजन जी की कला जब सर्वत्र सिर चढ़कर बोल रही थी। तब औद्योगिक नगरी भिलाई में संचालित भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने उनकी प्रतिभा को पूज्य माना और स्वगौरवबोध के साथ वर्ष 1986 में उन्हें सम्मानजनक पद पर नियुक्ति दी। छत्तीसगढ़ी लोक कला को विश्वपटल पर सम्मानजनक स्थान दिलाने में अग्रणी तीजन जी को सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्याम बेनेगल जी ने टीवी धारावाहिक %भारत एक खोज% में शामिल किया। इंग्लैंड, मॉरीशस, जापान, जर्मनी, फांस, तुर्की, सहित सत्रह से अधिक देश के दर्शकों ने तीजन जी के ओजस्वी व्यक्तित्व,आवाज में आरोह– अवरोह और अभिनय कला की सराहना मुक्त कंठ से की। जिससे उजागर हुई यह बात– कला की कोई भाषा नहीं होती।

जीवन के अंतिम क्षण तक मृत्यु को छकाती पंडवानी गुनगुनाती रहीं तीजन जी का सामना बालपन में कई बार काल से हुआ। पर कहते हैं न जाको राखे साइयां मार सके ना कोए। बालिका तीजन को काल के गाल से ईश्वर खींच लाए थे। जानकार बताते हैं कि डेढ़ वर्ष की उम्र में आंगन में सोई बेबी तीजन को कुत्ता उठा ले गया था। खोजबीन करने पर घर से कुछ ही दूरी पर वे मुस्कुराती हुई मिली थीं। इसी तरह साठवें दशक में महामारी फ्लेग की चपेट में आया तीजन जी का परिवार गांव घर छोड़कर कहीं अन्यत्र जा रहा था। तभी बेबी तीजन गंभीर दशा में अचेत हो गई थी। ऐसे पल में महामारी से भयाक्रांत परिजनों को लगा तीजन नोनी भी नहीं बची। मन मारकर वे उन्हें वहीं छोड़कर आगे बढ़ चले। कुछ दूर आगे जाकर कहीं सुस्ता रहे परिजनों को पीछे से आ रहे पथिकों ने जानकारी दी कि एक बच्ची को रोते बिलखते कोई छोड़ गया है। यह सुनकर उल्टे पांव परिजन वापस भागे तो तीजन नोनी उन्हें हाथ पैर चलाते हुए मिली थीं।

जीवन चलने का नाम

वैश्विक कला जगत पर पूर्णिमा की चांद की तरह जगमगाती हुई तीजन जी ने अपने जीवन में अमावस की अंधियारी रात को खूब देखा, लेकिन उनके जीवन का अंधियारा कभी भी उनके रास्ते का रोड़ा नहीं बन सका। सिर पकड़कर कर बैठने के लिए विवश नहीं कर सका। वे कहती थीं – जो बैठ जाता है। उसकी तकदीर भी बैठ जाती है, पर जो चलने के लिए सदैव तत्पर रहता है तो तकदीर भी उसके साथ चलती है। तीजन धैर्यता का यह मंत्र नवपीढ़ी को संदेश देता है – धूंध तो होगी कोहरा भी छाएगा,तीजन धैर्यता के धनी के बढ़ते कदम को कोई रोक नहीं पाएगा।

उनके जीवन में आए उतार चढ़ाव को देखते हुए कह सकते हैं कि– तीजन बाई की हुंकार और उनके तमुरे की टंकार सदैव लोक जगत में अजर – अमर बनी रहेगी। अपने जड़,अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की महत्ता का बीजारोपण जनजन के भीतर करती रहेगी। महीन से महान, साधारण से असाधारण बनने का गुर कला जगत में बिखेरती रहेगी। लोक कलाकारों की व्यथा– कथा को चीख चीखकर कर सुनाती रहेगी। शासन प्रशासन को जगाती रहेगी।

पंडवानी की परी तीजन जी को सादर श्रद्धांजली।नमन

वरिष्ठ नाट्य निर्देशक
अग्रोहा कॉलोनी रायपुर (छग)492013

सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई -राष्ट्रीय राजमार्ग पर 41 से अधिक वाहनों पर 41 हजार रुपए का जुर्माना

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन ने आज राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ व्यापक संयुक्त अभियान चलाया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप गठित जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स ने शहर के प्रमुख यातायात क्षेत्रों में सघन प्रवर्तन अभियान चलाते हुए राजमार्गों से अतिक्रमण हटाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले 41 से अधिक वाहनों पर लगभग 41 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह के निर्देशन में यह अभियान कांशीराम चौक, छातामुड़ा चौक तथा अन्य व्यस्त मार्गों पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान एडीएम अपूर्व प्रियेश टोप्पो, डीएसपी यातायात उत्तम प्रसाद सिंह, एसडीएम महेश शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी (राष्ट्रीय राजमार्ग) तथा जिला परिवहन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने मैदानी स्तर पर कार्रवाई की।

राजमार्ग से हटाए गए अवैध अतिक्रमण

संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के राइट ऑफ वे क्षेत्र में किए गए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाया। दुकानों के सामने किए गए सड़क विस्तार, अस्थायी शेड, अवैध निर्माण तथा अन्य बाधाओं को हटाते हुए संबंधित लोगों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

बेतरतीब पार्किंग पर जीरो टॉलरेंस

अभियान के दौरान राजमार्गों और प्रमुख चौराहों के आसपास अवैध रूप से खड़े भारी वाहनों एवं अन्य गाड़ियों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात बाधित करने और दुर्घटना की आशंका बढ़ाने वाले 41 से अधिक वाहनों पर मौके पर ही चालानी कार्रवाई करते हुए लगभग 41 हजार रुपए का अर्थदंड वसूला गया। जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स ने स्पष्ट किया है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे 15 मीटर की परिधि के भीतर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) अथवा संबंधित मंत्रालय की पूर्व स्वीकृति के बिना किसी भी प्रकार का निर्माण, लाइसेंस अथवा अनापत्ति प्रमाण–पत्र जारी या नवीनीकृत नहीं किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप इस अभियान की विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट निर्धारित अवधि में प्रस्तुत की जाएगी।

सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रायगढ़ जिला प्रशासन ने आज राजमार्गों पर अवैध अतिक्रमण और बेतरतीब पार्किंग के खिलाफ व्यापक संयुक्त अभियान चलाया। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों तथा सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुरूप गठित जिला राजमार्ग सुरक्षा टास्क फोर्स ने शहर के प्रमुख यातायात क्षेत्रों में सघन प्रवर्तन अभियान चलाते हुए राजमार्गों से अतिक्रमण हटाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले 41 से अधिक वाहनों पर लगभग 41 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री मयंक चतुर्वेदी तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशिमोहन सिंह के निर्देशन में यह अभियान कांशीराम चौक, छातामुड़ा चौक तथा अन्य व्यस्त मार्गों पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान एडीएम श्री अपूर्व प्रियेश टोप्पो, एसडीएम श्री महेश शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक (यातायात), तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी (राष्ट्रीय राजमार्ग) तथा जिला परिवहन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों की संयुक्त टीम ने मैदानी स्तर पर कार्रवाई की। संयुक्त टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग के राइट ऑफ वे क्षेत्र में किए गए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल हटाया। दुकानों के सामने किए गए सड़क विस्तार, अस्थायी शेड, अवैध निर्माण तथा अन्य बाधाओं को हटाते हुए संबंधित लोगों को भविष्य में दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की सख्त चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क सुरक्षा से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभियान के दौरान राजमार्गों और प्रमुख चौराहों के आसपास अवैध रूप से खड़े भारी वाहनों एवं अन्य गाड़ियों के विरुद्ध भी कड़ी कार्रवाई की गई। यातायात बाधित करने और मौके पर ही चालानी कार्रवाई करते हुए लगभग 41 हजार रुपए का अर्थदंड वसूला गया।

दो दिन के भीतर दूसरा रेल हादसा, राहत कोई जनहानि नहीं

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे (एसईसीआर) के बिलासपुर रेल मंडल में महज 48 घंटे के भीतर दूसरा रेल हादसा सामने आया है। सोमवार दोपहर करगी रोड रेलवे स्टेशन के पास डाउन मेन लाइन पर गुजर रही एक मालगाड़ी ट्रैक पर पड़ी जेसीबी मशीन की बकेट से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि इंजन के पीछे लगे तीन वैगन पटरी से उतर गए। घटना के कारण प्लेटफॉर्म नंबर–2 पर रेल परिचालन कुछ समय तक प्रभावित रहा। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार दोपहर करीब 2=20 बजे पीसीएमसी से आ रही मालगाड़ी करगी रोड स्टेशन की डाउन मेन लाइन नंबर–3 से गुजर रही थी। इसी दौरान लोको पायलट की नजर ट्रैक पर पड़ी जेसीबी की बकेट पर पड़ी। उन्होंने तत्काल इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन ट्रेन और बाधा के बीच दूरी कम होने के कारण मालगाड़ी समय पर नहीं रुक सकी और बकेट से टकरा गई।

टक्कर के बाद इंजन के पीछे लगे पहला, तीसरा और छठवां वैगन पटरी से उतर गए। सूचना मिलते ही रेलवे के इंजीनियरिंग, परिचालन और तकनीकी विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बहाली कार्य शुरू किया गया।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि डिरेल हुए एक वैगन के नीचे जेसीबी की बकेट फंस जाने से उसे दोबारा पटरी पर चढ़ाने में अतिरिक्त कठिनाई हुई। बाद में विशेष रेल उपकरणों और क्रेनों की सहायता से बकेट हटाई गई और वैगनों को पुनः पटरी पर लाने का कार्य आगे बढ़ाया गया।

धान उपार्जन की तैयारी तेज, एग्रीस्टैक पंजीयन में लाएं शत-प्रतिशत प्रगति- कलेक्टर

रायगढ़, (प्रतिदिन राजधानी)

खरीफ विपणन वर्ष 2026–27 में धान उपार्जन की तैयारियां शुरू हो गई है। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशों के अनुरूप कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने जिला स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य की प्रगति का विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने राजस्व, कृषि एवं उप पंजीयक सहकारिता के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य में अगर कोई तकनीकी दिक्कत या कठिनाइयाँ आ रही है तो अपने संबधित विभागों से उच्च स्तरीय मार्ग दर्शन लेकर कार्यों में शतप्रतिशत प्रगति लाए। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), कृषि उपसंचालक, उपपंजीयक सहकारिता तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय–सीमा के भीतर शत–प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इस वर्ष धान उपार्जन के लिए वन पट्टाधारी, डुबान, शासकीय पट्टेदार, ग्राम नौकर (कोटवार), संस्थागत, अधिया, रेगहा सहित सभी श्रेणी के पात्र कृषकों एवं उनके संबंधित खसरों का एग्रीस्टैक में पंजीयन अनिवार्य किया गया है। ऐसे में किसी भी पात्र किसान का पंजीयन शेष नहीं रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर तक अभियान चलाकर किसानों का पंजीयन पूर्ण कराया जाए। बैठक में बताया गया कि मार्कफेड मुख्यालय मॉड्यूल में उपलब्ध रिपोर्ट के आधार पर जिले में विभिन्न श्रेणियों के कुछ कृषकों तथा उनके खसरों का एग्रीस्टैक पंजीयन लंबित है। इनमें वन पट्टाधारी, संस्था एवं ट्रस्ट, शासकीय भूमि, शासकीय पट्टेदार (कृषि), ग्राम नौकर तथा रेगहा श्रेणी के प्रकरण शामिल हैं। इनमें ऐसे किसान भी हैं जिन्होंने पिछले खरीफ विपणन वर्ष में धान विक्रय किया था। इसलिए उनके पंजीयन को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाना आवश्यक है।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि तहसीलवार एवं समितिवार लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा की जाए तथा विशेष पंजीयन शिविर आयोजित कर शत–प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि पंजीयन प्रक्रिया में यदि किसी प्रकार की प्रशासनिक अथवा तकनीकी समस्या आती है तो उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जाए और आवश्यक होने पर राज्य शासन को भी इसकी जानकारी भेजी जाए। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य की प्रतिदिन निगरानी की जाए तथा प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

फर्जी केसीसी ऋण व खुदकुशी प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की मांग

सीतापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

केरजू प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति में कथित फर्जी केसीसी ऋण वितरण और तत्कालीन समिति प्रबंधक दिनेश गुप्ता की आत्महत्या के मामले में भाजपा किसान मोर्चा ने उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं व्यापक जांच की मांग उठाई है। इस संबंध में मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने सीतापुर एसडीओपी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और प्रभावित किसानों को न्याय दिलाने की मांग की।

भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल निराला ने कहा कि पुलिस द्वारा पेटला सहकारी बैंक के तत्कालीन प्रबंधक भूपेंद्र सिंह परिहार सहित अन्य के विरुद्ध अपराध दर्ज किए जाने के बाद अब जांच केवल निचले स्तर के कर्मचारियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला रजिस्ट्रार, संबंधित सुपरवाइजर तथा ऋण स्वीकृति एवं निगरानी से जुड़े अन्य अधिकारियों की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि करोड़ों रुपये के फर्जी केसीसी ऋण स्वीकृत एवं वितरित हुए हैं, तो यह जांच का विषय है कि कहीं किसी स्तर पर लापरवाही, मिलीभगत अथवा कर्तव्य में चूक तो नहीं हुई। इसके लिए ऋण स्वीकृति से जुड़े अभिलेख, लोन अप्रूवल रजिस्टर, ऑडिट रिपोर्ट, डिजिटल अनुमोदन रिकॉर्ड तथा विभागीय पत्राचार की गहन जांच कर वास्तविक जिम्मेदारों की पहचान की जानी चाहिए। अनिल निराला ने यह भी कहा कि यदि किसी कर्मचारी पर मानसिक दबाव बनाया गया या अनियमितताओं को छिपाने के कारण प्रतिकूल परिस्थितियां उत्पन्न हुईं, तो इस पहलू की भी उपलब्ध दस्तावेजों और साक्ष्यों के आधार पर दोषी पाए जाने वाले अधिकारी, कर्मचारी अथवा अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की मांग की।

दिव्यांग महिला की संदिग्ध मौत, मायके पक्ष ने हत्या का लगाया आरोप

लखनपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के लखनपुर थाना क्षेत्र की कुन्नी चौकी अंतर्गत ग्राम कोटबर्रा में एक दिव्यांग महिला की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतका के मायके पक्ष ने महिला की मारपीट कर हत्या किए जाने और घटना को आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाते हुए सरगुजा पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में सकरिया कि उसकी बहन पावरों मझवार जन्म से दिव्यांग थी। उसका विवाह लगभग 17 वर्ष पूर्व कृष्णा पैकरा निवासी कोटबर्रा से हुआ था।

अकादमिक सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और कर्मचारी हितों के साथ आगे बढ़ता छत्तीसगढ़

विष्णु प्रसाद वर्मा

किसी भी राज्य की प्रगति का वास्तविक पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है और इसकी गुणवत्ता केंद्र में खड़े शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारियों की सक्षमता, सुरक्षा और सम्मान पर निर्भर करती है। जब उच्च शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत मानव संसाधन को पदोन्नति, सेवा सुरक्षा, वित्तीय सम्मान और शोध के अवसर एक साथ मिलते हैं, तब शिक्षा राज्य के सामाजिक–आर्थिक परिवर्तन की सबसे मजबूत धुरी बन जाती है। छत्तीसगढ़ का उच्च शिक्षा विभाग इन दिनों इसी व्यापक और समग्र परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है।

राज्य सरकार ने उच्च शिक्षा विभाग को केवल भवनों, पाठ्यक्रमों और परीक्षाओं तक सीमित न रखकर उसे अकादमिक गुणवत्ता, प्रशासनिक दक्षता, रोजगार सृजन, शोध संवर्धन और कर्मचारी कल्याण से जोड़ा है। हाल के महीनों में लिए गए निर्णय इस बात के प्रमाण हैं कि सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को भविष्य के ज्ञान–केंद्रों के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पदोन्नतियों की लंबित फाइलों को गति देना, नई भर्तियां, वेतनमान व एरियर्स का निराकरण, तकनीकी स्टाफ की नियुक्ति, शोध को प्रोत्साहन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कदमों से विभाग ने हर मोर्चे पर ठोस और संवेदनशील पहल की है।

पदोन्नति से संस्थागत नेतृत्व को नई शक्ति

उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता का एक बड़ा आधार उनका नेतृत्व होता है। जब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में योग्य और अनुभवी शिक्षकों को समय पर पदोन्नति मिलती है, तो उसका सीधा असर संस्थान की कार्यसंस्कृति और प्रशासनिक क्षमता पर दिखाई देता है। लंबित पदोन्नति प्रक्रियाओं को गति देकर राज्य सरकार ने एक निर्णायक पहल की है। वर्ष 2025 में रिकॉर्ड 362 सहायक प्राध्यापकों को पदोन्नत कर प्राध्यापक (प्रोफेसर) बनाया गया है। इसके साथ ही 152 पदोन्नत प्राध्यापकों को स्नातक प्राचार्य तथा 07 स्नातक प्राचार्यों को स्नातकोत्तर (क्ल) प्राचार्य के पद पर पदोंन्नत किया गया है। इन निर्णयों से महाविद्यालयों की कमान अनुभवी हाथों में पहुँची है, जिससे संस्थागत निर्णय क्षमता, शैक्षणिक अनुशासन और प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होगी।

सीधी भर्ती से युवाओं के लिए खुले अवसरों के नए द्वार

गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था के लिए संस्थानों में पर्याप्त संख्या में शिक्षक और विशेषज्ञ अनिवार्य हैं। राज्य सरकार ने रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर युवाओं के लिए सरकारी सेवा में प्रवेश के बड़े अवसर निर्मित किए हैं। शासकीय महाविद्यालयों में प्राध्यापकों के 595 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से प्रारंभ हो चुकी है। इसके अतिरिक्त, विभागीय संरचना को सशक्त बनाने के लिए कुल 700 पदों पर सीधी भर्ती को मंजूरी दी गई है। इनमें 625 पद सहायक प्राध्यापक, 50 पद ग्रंथपाल और 25 पद क्रीड़ाधिकारी के शामिल हैं। सहायक प्राध्यापकों की भर्ती से विषयवार अध्यापन की गुणवत्ता बेहतर होगी, ग्रंथपालों से पुस्तकालय अकादमिक संसाधनों के प्रभावी केंद्र बनेंगे और क्रीड़ाधिकारियों से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होगा। यह अभियान प्रदेश के योग्य युवाओं को सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम बनने जा रहा है।

CG-SET: युवा अकादमिक प्रतिभाओं के लिए बड़ी उम्मीद

राज्य में सहायक प्राध्यापक बनने की आकांक्षा रखने वाले हजारों युवाओं के लिए राज्य पात्रता परीक्षा (CG-SET) एक महत्वपूर्ण अवसर है। विभाग द्वारा ष्ट्ल–स्श्वञ्ज का आयोजन 04 अक्टूबर 2026 को प्रस्तावित है द्य सरकार नई पीढ़ी की प्रतिभाओं को अकादमिक करियर में आगे बढ़ाने के लिए गंभीर है। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक परिदृश्य और ज्ञान–आधारित अर्थव्यवस्था में अपनी जगह बनाने का अवसर देती है।

प्रयोगशालाओं और तकनीकी तंत्र को मिला नया आधार

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक विषयों के लिए प्रयोगशालाएं, उपकरण और प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ उतने ही आवश्यक हैं जितने कक्षा और कक्ष। वर्ष 2025–26 के दौरान प्रयोगशाला तकनीशियन के 260 रिक्त पदों के विरुद्ध 247 अभ्यर्थियों तथा प्रयोगशाला परिचारक के 429 रिक्त पदों के विरुद्ध 399 अभ्यर्थियों को नियुक्ति आदेश जारी किए जा चुके हैं। तकनीकी स्टाफ की उपलब्धता से प्रयोगशालाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण देने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी होगी।

वेतनमान, एरियर्स और सेवा सुरक्षा कर्मचारियों का बढ़ा भरोसा विभागीय मजबूती का सबसे बड़ा आधार कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा, न्यायपूर्ण वेतन संरचना और लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान है। आपातकालीन रूप से अचयनित रहे 72 सहायक प्राध्यापकों को उनकी प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठ, प्रवर श्रेणी और पे–बैंड–4 की स्वीकृति देकर 37.23 करोड़ रुपये की एरियर्स राशि उनके खातों में अंतरित की गई है, जो संस्थागत न्याय का प्रतीक है। इसी तरह, वर्ष 2021 और 2022 में नियुक्त लगभग 1168 सहायक प्राध्यापकों में से रिकॉर्ड 935 नवनियुक्त प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। परिवीक्षा समाप्त होना कर्मचारियों के लिए स्थायित्व और पेशेवर सुरक्षा का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिससे विभाग के भीतर प्रतिबद्ध शैक्षणिक कार्यबल तैयार हुआ है।

शोध, अनुसंधान और गैर–अकादमिक स्टाफ का कल्याण

उच्च शिक्षा व्यवस्था में शोध और नवाचार की भूमिका को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा 577 सहायक प्राध्यापकों को पीएचडी करने की अनुमति देना एक दूरदर्शी निर्णय है। अधिक शिक्षक जब शोध से जुड़ेंगे, तो कक्षा में अद्यतन ज्ञान पहुंचेगा और महाविद्यालयों में बौद्धिक विमर्श का स्तर ऊपर उठेगा।

शिक्षकों के साथ–साथ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भी व्यवस्था की रीढ़ हैं। दिसंबर 2023 से अब तक दिवंगत कर्मचारियों के 34 आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की गई है, जो संकटग्रस्त परिवारों को जीवन संभालने का संबल देती है। इसके अतिरिक्त, 324 कर्मचारियों को उच्चतर समयमान वेतनमान प्रदान किया गया है और वर्ष 2024–25 की पदोन्नति संबंधी समस्त कार्यवाहियां समय सीमा में पूर्ण कर ली गई हैं।

उच्च शिक्षा में समग्र सुधार का उभरता मॉडल

उच्च शिक्षा विभाग के ये फैसले मिलकर एक व्यापक परिवर्तनकारी मॉडल की रचना करते हैं। जहां नेतृत्व सुदृढ़ीकरण, नई भर्ती, सेवा सुरक्षा, कर्मचारी कल्याण, तकनीकी संसाधन और शोध संवर्धन एक साथ आगे बढ़ते हैं। छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन आज दिखाई दे रहे हैं, वे केवल विभागीय उपलब्धियों की सूची नहीं।

जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर, ज़ोन–27 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी का विशेष दौरा संपन्न

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जेसीआई सुपर चैप्टर ऑफ रायपुर, ज़ोन–27 द्वारा विमतारा हॉल, शांति नगर में जेसीआई इंडिया की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (एरिया–एफ) जेएफपी यशस्विनी के विशेष दौरे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न चैप्टर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की समीक्षा की तथा आगामी आयोजनों को और अधिक प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं सुझाव प्रदान किए।

कार्यक्रम में ज़ोन प्रेसिडेंट जेएफआर सीए प्रणव लाठ, टूर को–ऑर्डिनेटर जेसी आनंद जैन, नेशनल चेयरमैन जेकॉम जेसी सेन. अमितेश पाठक एवं पास्ट एनईसी जेसी सेन. चेतन तरवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन जेसी सुरभि चंदेल द्वारा किया गया।

सुपर चैप्टर्स की गतिविधियों की समीक्षा कर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी ने दिया

जेसीआई रायपुर वामा कैपिटल की अध्यक्षा जेसी डॉ. धृति वैभव शर्मा ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी का परिचय प्रस्तुत किया। इस अवसर पर जेसी सूरज अग्रवाल, जेएफएम अमन अग्रवाल, जेसी प्रियंका गुप्ता, जेसी तुषार अग्रवाल, जेसी रवि अंदानी, जेसी सुलभा पाण्डेय, जेसी पारस अग्रवाल, जेसी अर्क पीयूष पाण्डेय एवं जेसी बरखा अंदानी सहित विभिन्न चैप्टर्स के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी अपनी–अपनी टीमों के साथ उपस्थित रहे तथा अपनी गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। इस दौरान विभिन्न चैप्टर्स द्वारा रिपोर्ट प्रेजेंटेशन भी दिया गया, जिस पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जेएफपी यशस्विनी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा अंत में राष्ट्रगान एवं स्नेहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान में सौश्रुतम् 2026 का किया उद्घाटन

- नई दिल्ली में सुश्रुत जयंती पर राष्ट्रपति ने एमआरआई सेक्शन का किया लोकार्पण
- आयुर्वेद के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने पर राष्ट्रपति का जोर

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को सुश्रुत जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में 'सौश्रुतम् 2026' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संस्थान के नए एमआरआई सेक्शन का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने आयुर्वेद क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों को बधाई दी।

राष्ट्रपति ने आचार्य सुश्रुत को शल्य चिकित्सा का जनक बताया। उन्होंने कहा कि सदियों पहले आचार्य सुश्रुत द्वारा शुरू की गई शल्य चिकित्सा पद्धति उस समय की बड़ी क्रांति थी। सुश्रुत प्लास्टिक सर्जरी, मोतियाबिंद, ट्यूमर और ईएनटी सर्जरी जैसी जटिल पद्धतियों के प्रवर्तक रहे हैं। उनकी रची सुश्रुत संहिता ने पूरे विश्व को नई दिशा दिखाई।

मुर्मू ने कहा कि मानव कल्याण के लिए प्राचीन ज्ञान को बदलते समय के साथ आगे बढ़ाना जरूरी है। भारत सरकार आयुर्वेद और योग को वैश्विक पटल पर नई ऊर्जा दे रही है। उन्होंने शल्य चिकित्सा की इस परंपरा को वैज्ञानिक मानकों पर सफल बनाने के प्रयासों की सराहना की। मानकीकृत दस्तावेज़ीकरण और डिजिटल हेल्थ एकीकरण से इसकी वैश्विक स्वीकार्यता बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने युवा शोधकर्ताओं से जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने को कहा। उन्होंने चिकित्सा में नैतिकता और रोगियों के प्रति करुणामय सेवा का संकल्प दोहराने पर जोर दिया। एआईआईए की इस तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत और विदेशों के प्रसिद्ध सर्जन, शिक्षाविद और शोधकर्ता हिस्सा ले रहे हैं।

राज्यसभा के सभापति ने नवनिर्वाचित दो सांसदों को संसद में दिलाई शपथ

कर्नाटक और मध्य प्रदेश के सांसदों ने सदन की सदस्यता ग्रहण की

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने आज संसद भवन में नवनिर्वाचित दो सांसदों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। सदन की सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्यों में कर्नाटक से मंसूर अली खान और मध्य प्रदेश से रजनीश कुमार अग्रवाल शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दोनों सांसदों ने अलग-अलग भाषाओं में शपथ ली। मंसूर अली खान ने अंग्रेजी में शपथ ग्रहण की, वहीं रजनीश कुमार अग्रवाल ने हिंदी में पद की शपथ ली। शपथ के बाद दोनों ने सदस्यता रजिस्टर पर हस्ताक्षर किए।

समारोह में दिग्गज नेता रहे मौजूद

इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश और संसदीय कार्य एवं सूचना व प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश, राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी और सचिवालय के कई वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

विज्ञान को किसानों के खेतों तक ले जाने में कॉर्पोरेट जगत निभाए भूमिका

मिट्टी की सेहत सुधारने और पोषण सुरक्षित खेती के लिए शिवराज ने मांगा सहयोग

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) को भारतीय परंपरा की ट्रस्टीशिप भावना से जोड़ा। उन्होंने आईसीएआर द्वारा आयोजित 'सीएसआर कॉन्क्लेव 2026' में कॉर्पोरेट जगत से अपनी कमाई का हिस्सा किसानों और ग्रामीण समाज के हित में लगाने की अपील की।

विज्ञान से किसान तक का बने पुल

शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया कि अनुसंधान केवल लैब में कैद नहीं रहना चाहिए। उन्होंने 'विज्ञान से किसान तक' का नारा दिया। जलवायु अनुकूल खेती, मृदा स्वास्थ्य और पोषण-सुरक्षित भोजन जैसे क्षेत्रों में सीएसआर निवेश की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि इससे वास्तविक जमीनी बदलाव दिखेगा। कॉन्क्लेव में कॉर्पोरेट जगत, वैज्ञानिक और किसान एक मंच पर आए।

मंत्री ने महात्मा गांधी का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि धन के मालिक नहीं, बल्कि ट्रस्टी बनें। सरकार संसाधन छीनना नहीं चाहती। वह टैलेंट को अवसर देना चाहती है। उद्यमी धन कमाएं और उसका हिस्सा समाज को दें। कई उद्योगपति बिना कानून के भी लोककल्याण में निवेश करते हैं। अब इसे कानून के जरिए संस्थागत किया गया है।

जूट क्षेत्र का उदाहरण देते हुए उन्होंने नई मशीनों की जरूरत बताई। पहले रेशा निकालने में 25 दिन लगते थे। अब मशीनों से कम समय में बेहतर काम होता है। इन तकनीकों का कमर्शियलाइजेशन सरकारी सेक्टर अकेला नहीं कर सकता। इसमें निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। रिसर्च सीधे किसान के खेत तक पहुंचनी चाहिए। 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' इसी दिशा में एक कदम है।

मृदा स्वास्थ्य पर जताई चिंता

मंत्री ने मिट्टी में घटते ऑर्गेनिक कार्बन और अंधाधुंध कीटनाशकों के प्रयोग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मिट्टी बचेगी तो ही भविष्य सुरक्षित होगा। मृदा स्वास्थ्य कार्ड जैसे अभियान को सीएसआर से मजबूती मिल सकती है। 'फूड एस मेडिसिन' की अवधारणा पर जोर देते हुए उन्होंने संतुलित भोजन की वकालत की। उन्होंने कहा कि खेती से निकलने वाला भोजन स्वास्थ्य को मजबूत करे।

महिला किसानों और स्टार्टअप्स पर फोकस

सीएसआर के जरिए एग्री-टेक स्टार्टअप्स और ट्रेनिंग संस्थानों को मदद देने का आह्वान किया गया। ड्रोन पायलटों की क्षमता बढ़ानी होगी। युवा अब खेती छोड़ना नहीं चाहते। वे एग्री-उद्यमिता अपनाना चाहते हैं। 'ड्रोन दीदी' और महिला स्वयं सहायता समूहों को सीएसआर योजनाओं में प्रमुखता देनी होगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ मजबूत होगी।

अंत में उन्होंने याद दिलाया कि कानूनन 2 प्रतिशत सीएसआर अनिवार्य है। इसे केवल कानूनी बाध्यता न समझें। यह समाज के प्रति नैतिक धर्म है। कार्यक्रम में राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भागीरथ चौधरी और वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। आयोजन नई दिल्ली स्थित एनएएससी कॉम्प्लेक्स के भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम सभागार में हुआ।

राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी से नई दिल्ली में मिले सीए रवि ग्वालानी, जाना कुशलक्षेम

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया पैनलिस्ट सीए रवि ग्वालानी ने नई दिल्ली में स्थित आवास पर राज्यसभा में उप नेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना।

ज्ञात हो कि प्रमोद तिवारी की अचानक तबीयत खराब होने के बाद उन्हें नई दिल्ली स्थित एक अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और वे वर्तमान में अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं।

रवि ग्वालानी ने बताया कि प्रमोद तिवारी के अस्वस्थ होने की खबर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चिंता का माहौल बन गया था। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना के लिए उन्होंने महाराष्ट्र के त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर (नासिक) में विशेष पूजा-अर्चना भी की थी।

उन्होंने कहा कि प्रमोद तिवारी उत्तर प्रदेश से कांग्रेस के वरिष्ठ एवं अनुभवी नेताओं में शामिल हैं। वे 9 बार विधायक रह चुके हैं तथा वर्तमान में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

मुलाकात के दौरान रवि ग्वालानी ने छत्तीसगढ़ के नकटी गांव के विस्थापितों के उचित पुनर्वास का मुद्दा भी चर्चा हुई.

रवि ग्वालानी ने बताया कि संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से प्रारंभ होने जा रहा है।

प्रमोद तिवारी ने कहा कि उनका स्वास्थ्य तेजी से सुधर रहा है और भगवान की कृपा से वे मानसून सत्र में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार रहेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनहित से जुड़े मुद्दों सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को सदन में प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा।

इस अवसर पर दोनों नेताओं के बीच समसामयिक राजनीतिक विषयों तथा संसद में जनहित के मुद्दों को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई.

मनोज गोयल ने सराही पश्चिम बंगाल की पारंपरिक जामदानी बुनाई

- खादी ने रचा इतिहास 1.87 लाख करोड़ का कारोबार दर्ज
- भारत मंडपम में सजी नए भारत की नई खादी
- वैश्विक वस्त्र प्रदर्शनी में खादी इंडिया पवेलियन ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। भारत मंडपम के हॉल नंबर 10 में 'खादी इंडिया पवेलियन' का उद्घाटन हुआ। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष मनोज गोयल ने मंगलवार को इसका शुभारंभ किया। उन्होंने पवेलियन का गहन निरीक्षण कर कारीगरों से संवाद किया।

यह पवेलियन खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बड़ी रेंज प्रदर्शित कर रहा है। इसमें देश भर की खादी संस्थाओं के विशेष कलेक्शन और डिजाइन आधारित नवाचार शामिल हैं। गोयल ने कारीगरों के अनुभवों और नए प्रयोगों की जानकारी ली। इस दौरान आयोग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

जामदानी बुनाई की हुई सराहना

चेयरमैन ने पश्चिम बंगाल की घोरानाश सिल्क खादी ग्रामोद्योग समिति के स्टाल का दौरा किया। उन्होंने 'मुला' जामदानी साड़ी और परिधानों के कलेक्शन को विशेष रूप से सराहा। उन्होंने कहा कि पारंपरिक बुनाई को आधुनिक डिजाइन से मिलाना वैश्विक बाजार की जरूरत है।

गोयल के अनुसार, खादी अब आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत 2047 के विज़न का माध्यम बन गई है। यह केवल कपड़ा नहीं, बल्कि लाखों बुनकरों की आजीविका और सांस्कृतिक विरासत का आधार है। शोध और डिजाइन से इसे नई पीढ़ी की पसंद बनाया जा रहा है।

2.51 लाख करोड़ टर्नओवर का लक्ष्य

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खादी सेक्टर ने अभूतपूर्व प्रगति की है। वित्त वर्ष 2025-26 में इस सेक्टर का कारोबार 1.87 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे 2.04 करोड़ लोगों को रोजगार मिला। आने वाले वर्षों में टर्नओवर 2.51 लाख करोड़ पहुंचने का भरोसा जताया गया है।

भारत टेक्स 2026 प्रदर्शनी 14 से 17 जुलाई तक चलेगी। इसमें दुनिया भर के हजारों खरीदार, डिजाइनर और उद्यमी शामिल हो रहे हैं। खादी इंडिया पवेलियन के जरिए भारत अपनी समृद्ध विरासत और सतत विकास की प्रतिबद्धता को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित कर रहा है।

दवा और मेडिकल डिवाइस की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए रणनीतिक समझौता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में भारतीय फार्माकोपिया आयोग (आईपीसी) और उत्तर प्रदेश फार्मा काउंसिल (यूपीपीपीसी) के बीच एमओयू हुआ। यह समझौता 14 जुलाई, 2026 को वाईईआईडीए मेडटेक इन्वेस्टर्स मीट एंड साइट विजिट 2026 के दौरान किया गया।

गुणवत्ता और नवाचार पर जोर

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य दवा और चिकित्सा उपकरणों के इकोसिस्टम को मजबूत करना है। दोनों संस्थान मिलकर नियामक अनुपालन और गुणवत्ता मानकों को कड़ा करेंगे। आईपीसी और यूपीपीपीसी भारतीय औषध संहिता और फार्माकोविजिलेंस के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे।

एमएसएमई को मिलेगा डिजिटल सहारा

समझौते के तहत हितधारकों के लिए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित होंगी। लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्टिंग के लिए डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे बाजार में बिक्री के बाद की निगरानी और रोगी सुरक्षा पुख्ता होगी। यह पहल उत्तर प्रदेश को फार्मास्यूटिकल्स और स्वास्थ्य सेवा प्रौद्योगिकियों के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करेगी।

पीएनबी ग्राहकों को अब अपनी भाषा में मिलेगी बैंकिंग सुविधा, भाषिणी से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग (डीआईबीडी) ने समावेशी बैंकिंग के लिए हाथ मिलाया है। दोनों संस्थानों के बीच 'भाषिणी फॉर सेवा' पहल के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके जरिए बैंक एआई आधारित बहुभाषी समाधान विकसित करेगा।

एमओयू पर डीआईबीडी के सीईओ अमिताभ नाग और पीएनबी के मुख्य महाप्रबंधक अतिश कुमार राउत ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी से ग्राहकों को उनकी पसंदीदा भाषा में बैंकिंग जानकारी मिलेगी।

पसंदीदा भाषा में मिलेगी जानकारी

बैंक के डिजिटल प्लेटफॉर्म अब भाषिणी की एआई तकनीक से लैस होंगे। इसमें भाषिणी उद्यात, मित्र, ऐपमित्र, प्रवक्ता और भाषादान जैसी सेवाओं का एकीकरण होगा। इससे ग्रामीण और भाषाई क्षेत्रों के ग्राहकों को बड़ी राहत मिलेगी। यह साझेदारी बैंकिंग शब्दावली और क्षेत्र-विशिष्ट भाषा मॉडल विकसित करने पर भी ध्यान देगी।

वॉयस-फर्स्ट बैंकिंग पर जोर

पीएनबी के कार्यकारी निदेशक एम. परमशिवम् ने कहा कि यह पहल डिजिटल बैंकिंग को अधिक सुलभ और नागरिक-अनुकूल बनाएगी। अमिताभ नाग ने बताया कि बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में भाषा अब बाधा नहीं बनेगी। बैंक वॉयस-फर्स्ट बहुभाषी प्रणाली की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे प्रत्येक नागरिक आत्मविश्वास के साथ बैंकिंग सेवाओं का उपयोग कर सकेगा।

डिजिटल इंडिया भाषिणी प्रभाग वर्तमान में 800 से अधिक सरकारी वेबसाइटों को सशक्त बना रहा है। यह 36 भारतीय पाठ्य भाषाओं और 23 भारतीय वाक् भाषाओं का समर्थन करता है। बैंक के साथ यह करार वित्तीय समावेशन को नई दिशा देगा।

ग्रामीण विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ना विकसित छग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : सीएम साय

मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष ने 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' को दिखाई हरी झंडी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों से जोड़ने और विज्ञान आधारित शिक्षा को नई दिशा देने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज विधानसभा परिसर से 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' के अंतर्गत संचालित निशुल्क मोबाइल इमर्जिंग टेक्नोलॉजी लैब को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अत्याधुनिक मोबाइल लैब पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विद्यालयों तक पहुँचकर विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स, ड्रोन, 3डी प्रिंटिंग, कोडिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), एयरोमॉडलिंग तथा ऑगमेंटेड एवं वर्चुअल रियलिटी जैसी आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे भी आधुनिक विज्ञान और तकनीक की मुख्यधारा से जुड़ें। उन्होंने कहा कि 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' केवल एक मोबाइल लैब नहीं, बल्कि ग्रामीण विद्यार्थियों के सपनों को नई उड़ान देने वाली अभिनव पहल है। यह बच्चों में वैज्ञानिक सोच, नवाचार, आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनेगी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आज पूरी दुनिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ड्रोन, डेटा साइंस और डिजिटल तकनीकों की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। ऐसे समय में यह आवश्यक है कि ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को भी इन उभरती हुई तकनीकों का ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि अवसरों में किसी प्रकार की असमानता न रहे और गाँव का बच्चा भी भविष्य की तकनीकों में उतना ही सक्षम बने जितना किसी महानगर का विद्यार्थी होता है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति का मूल उद्देश्य भी विद्यार्थियों में कौशल, नवाचार, प्रयोगधर्मिता और रचनात्मक सोच का विकास करना है। यह मोबाइल लैब उसी दिशा में एक सार्थक प्रयास है, जो बच्चों को केवल तकनीक का उपयोग करना ही नहीं सिखाएगी, बल्कि उन्हें नई तकनीकों के निर्माण और नवाचार की दिशा में भी प्रेरित करेगी।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है तथा बच्चों को समय के साथ नई तकनीकों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि 'भावना दीदी की साइंस पाठशाला' जैसी अभिनव पहल ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को भी वही अवसर उपलब्ध कराएगी, जो बड़े शहरों के विद्यार्थियों को मिलते हैं। इससे बच्चों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ेगी, नवाचार की सोच विकसित होगी और वे आधुनिक तकनीकों को समझने के साथ उनका व्यावहारिक उपयोग भी सीख सकेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि मोबाइल लैब के माध्यम से विद्यार्थी केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि स्वयं ड्रोन उड़ाने, रोबोट संचालित करने, 3डी मॉडल तैयार करने और आधुनिक उपकरणों पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल ग्रामीण प्रतिभाओं को नई दिशा देने के साथ–साथ भविष्य के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों की मजबूत नींव तैयार करेगी।

महतारी वंदन योजना से बदली लाखों महिलाओं की तकदीर

आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ की गढ़ी जा रही नई तस्वीर

■ हर महीने की सहायता बनी सम्मान, स्वाभिमान और स्वरोजगार की ताकत, वनांचल से गांव तक महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रही है। प्रतिमाह मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता अब केवल घरेलू खर्च का सहारा नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, सम्मान, आर्थिक स्वतंत्रता और स्वरोजगार का मजबूत आधार बन चुकी है। प्रदेश के वनांचल, ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों की लाखों महिलाएं इस योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनते हुए अपने परिवार की आर्थिक मजबूती में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

योजना के प्रारंभ से अब तक 29 किस्तों के माध्यम से 18 हजार 805 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के बैंक खातों में सीधे अंतरित की जा चुकी है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 के बजट में योजना के लिए 8,200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

नारायणपुर जिले के सुदूर ग्राम मसपुर की रहने वाली श्रीमती माहरी उसेंडी बताती हैं कि एक समय ऐसा था जब सीमित आय के कारण घर का खर्च चलाना कठिन हो जाता था। छोटी–छोटी जरूरतों के लिए भी दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। महतारी वंदन योजना से हर महीने मिलने वाली सहायता ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगाई। अब वे बच्चों की पढ़ाई, राशन और घरेलू जरूरतों का खर्च स्वयं वहन कर रही हैं। उनके अनुसार इस योजना ने केवल आर्थिक सहयोग ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें सम्मान और आत्मविश्वास भी प्रदान किया।

इसी तरह मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम रामगढ़ की श्रीमती केजू बाई सलामे ने इस सहायता राशि को अपने स्वरोजगार की ताकत बना लिया। बिहान के रोशनी स्व–सहायता समूह से जुड़ी केजू बाई अपनी किराना दुकान के लिए हर महीने आवश्यक सामग्री खरीदती हैं। इससे उनकी दुकान की बिक्री बढ़ी है और आय में लगातार वृद्धि हो रही है। वे आज 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं तथा अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

मनेन्द्रगढ़–चिरमिरी–भरतपुर जिले के ग्राम भल्हौर की श्रीमती संतोषी को अब तक योजना के तहत 29 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हो चुकी है। वे इस राशि का उपयोग राशन, सब्जी तथा अन्य घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति में करती हैं। उनका कहना है कि अब उन्हें छोटी–छोटी जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। इससे उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है और परिवार में उनकी भागीदारी भी मजबूत हुई है।

महतारी वंदन योजना आज प्रदेशभर में महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बनकर उभरी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाएं अपने परिवार की जरूरतों में सहयोग करने के साथ–साथ छोटे व्यवसाय, बचत और स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ रही हैं। यह योजना महिला सशक्तिकरण को सामाजिक और आर्थिक विकास से जोड़ते हुए छत्तीसगढ़ में समावेशी विकास का प्रभावी मॉडल बन गई है।

छत्तीसगढ़ में कोनोकार्पस के नए पौधरोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता के संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य में कोनोकार्पस (ष्टश्रठ्ठश्रष्ड्डह्म्श्चह्वह्य) प्रजाति के नए वृक्षारोपण पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। इस संबंध में आवास एवं पर्यावरण विभाग ने 6 जुलाई 2026 को अधिसूचना जारी की, जिसका प्रकाशन 7 जुलाई 2026 के छत्तीसगढ़ राजपत्र (असाधारण) में किया गया।

अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए लिया गया है। राज्य सरकार ने कहा है कि कोनोकार्पस एक आक्रामक विदेशी वनस्पति प्रजाति है, जिससे स्थानीय जैव विविधता, प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र, भू–जल संसाधनों और जनस्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

निर्णय का आधार माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में गठित केंद्रीय सशक्त समिति द्वारा 21 अगस्त 2025 को प्रस्तुत प्रतिवेदन है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कोनोकार्पस के नए वृक्षारोपण, इसके प्रचार–प्रसार और विक्रय पर रोक लगाने तथा वर्तमान में लगे पौधों को चरणबद्ध तरीके से उपयुक्त देशी प्रजातियों से प्रतिस्थापित करने की अनुशंसा की थी।

अधिसूचना के तहत राज्य की भौगोलिक सीमा में कोई भी व्यक्ति, स्थानीय निकाय, शासकीय विभाग, शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय संस्था, स्वायत्त निकाय, सार्वजनिक उपक्रम अथवा अन्य कोई संस्था कोनोकार्पस प्रजाति का नया वृक्षारोपण नहीं करेगी और न ही कराएगी।

मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से दुर्ग में वाणिज्यिक विवादों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष न्यायालय की होगी स्थापना

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दुर्ग जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए राहत भरी खबर है। जिले से संबंधित वाणिज्यिक विवादों की त्वरित सुनवाई एवं शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की गई है। माननीय मंत्री गजेंद्र यादव की पहल से

दुर्ग में वाणिज्यिक विवादों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष न्यायालय की स्थापना होगी।। इसके तहत दुर्ग जिले से उत्पन्न होने वाले वाणिज्यिक मामलों की सुनवाई के लिए एक विशेष न्यायालय नामित करने की प्रक्रिया पूर्ण की जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग से प्राप्त आधिकारिक जानकारी के अनुसार दुर्ग के न्यायालय में होने वाली वाणिज्यिक मामलों की सुनवाई अब चतुर्थ सिविल जज (सीनियर डिवीजन), दुर्ग के न्यायालय में की जाएगी। वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 की धारा 3 की उपधारा (1), (1–ए), (2) एवं (3) के प्रावधानों के अंतर्गत उक्त न्यायालय को सिविल जज स्तर के विशेष वाणिज्यिक न्यायालय के रूप में नामित करते हुए अधिसूचना जारी करने की कार्यवाही की जा रही है।

इस निर्णय से दुर्ग जिले के उद्यमियों, व्यापारियों एवं उद्योगों से जुड़े वाणिज्यिक विवादों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित होगा। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आने से व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा जिले के औद्योगिक एवं व्यावसायिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायता मिलेगी।

रिटायर्ड आयकर अधिकारी-कर्मचारी संगठन की बैठक संपन्न, नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रिटायर्ड आयकर अधिकारी–कर्मचारी संगठन की बैठक बुधवार को सिविल लाइन स्थित इनकम टैक्स भवन में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के पिछले दो वर्षों के कार्यकाल का लेखा–जोखा प्रस्तुत किया गया तथा इस अवधि में हुई उपलब्धियों और विभिन्न गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान संगठन की नई कार्यकारिणी का पुनर्गठन भी किया गया। सर्वसम्मति से मनोज शर्मा (सेवानिवृत्त आयकर अधिकारी) को अध्यक्ष, सूर्यवंशी को महासचिव, सुरेश मिश्रा को उपाध्यक्ष, बी.पी. अग्रवाल को कोषाध्यक्ष तथा टंडन को सह–सचिव मनोनीत किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ सदस्यों ने अस्पताल सुविधाओं, स्वास्थ्य संबंधी लाभों तथा पेंशन से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने अनुभव साझा करते हुए उपस्थित सदस्यों का मार्गदर्शन किया। बैठक में हाल ही में सेवानिवृत्त हुए कई अधिकारी एवं कर्मचारियों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

बैठक का समापन संगठन की एकजुटता बनाए रखने तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करने के संकल्प के साथ हुआ।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर खनिज विभाग का सख्त एक्शन, अवैध रेत और गिट्टी परिवहन में 6 ट्रैक्टर जब्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण की दिशा में लगातार की जा रही कार्रवाई का एक और प्रभावी उदाहरण सामने आया है। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में ना नवपदस्थ कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार जिला खनिज विभाग ने अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए रेत एवं गिट्टी के अवैध परिवहन में संलिप्त छह ट्रैक्टरों को जब्त किया। यह कार्रवाई सीएम हेल्पलाइन (टोल फ्री नंबर–1076) में प्राप्त शिकायत के आधार पर तत्काल जांच के बाद की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिकायत मिलते ही कलेक्टर ने जिला खनिज विभाग को त्वरित जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान कोलबिर्रा एवं रुमगा क्षेत्र से रेत से भरे तीन ट्रैक्टर, खंता एवं पिपरिया क्षेत्र से रेत से भरे दो ट्रैक्टर तथा सधवानी क्षेत्र से गिट्टी से भरा एक ट्रैक्टर अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। सभी छह वाहनों को मौके पर जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

खनिज विभाग ने संबंधित वाहन स्वामियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित अर्थदंड एवं समझौता राशि खनिज मद में जमा किए जाने के बाद ही नियमानुसार जब्त वाहनों को मुक्त किया जाएगा। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी रखने के निर्देश भी दिए, ताकि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ शासन के राजस्व हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए सतत निगरानी रखी जा रही है। प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि अवैध खनिज गतिविधियों की जानकारी मिलने पर सीएम हेल्पलाइन अथवा संबंधित विभाग को सूचित करें, ताकि तत्काल कार्रवाई कर नियमों का प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जा सके।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन को लेकर भाटापारा स्टेशन में संरक्षा सेमिनार आयोजित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

15 जुलाई को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग, यांत्रिक तथा सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों के साथ भाटपारा स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई–

शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां एवं गाड़ियों के परिचालन पर प्रभाव डालने वाली संभावित दशाओं की रिपोर्ट (सामान्य नियम 6.07), स्पैड से बचाव एवं ऑटोमैटिक सिग्नलिंग फेलुअर के दौरान दी जाने वाली प्राधिकार और चालक दवारा ली जाने वाली सावधानियाँ (सामान्य नियम 9.12), इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा मानसून के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफ्लता के दौरान परिचालन एवं सिग्नल कर्मचारियों के द्वारा बरती जनेवाली सावधानियां, गुडस शेड एवं साइडिंग से लोड क्लियर के दौरान हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग, डोर हीटिंग, असामान्य लोड एवं तरपोलीन को लटकने से बचाव के लिए क्रू, ट्रैन मैनेजर एवं स्टेशन कर्मचारी के दवारा की जाने वाली जाँच, संरक्षा अनुपालन हेतु राजभाषा हिंदी का महत्व, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन ।

इस संरक्षा सेमिनार में श्री सुरेश चन्द्र, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर, श्री सनत कुमार साव, सहायक मंडल संरक्षा अधिकारी/रायपुर तथा श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी/रायपुर के साथ–साथ , संरक्षा सलाहकारो ने संरक्षा सेमिनार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संरक्षा संगठन/रायपुर मंडल के द्वारा प्रत्येक माह में 02 संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन रायपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जाता है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके।

एचएनएलयू रायपुर ने बैंकॉक में रचा इतिहास

वैश्विक नवाचार और अनुसंधान के लिए 20 अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ किया महा-समझौता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के प्रतिष्ठित हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (HNLU), रायपुर ने वैश्विक शैक्षणिक पटल पर राज्य का गौरव बढ़ाते हुए एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि हासिल की है। थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के दौरान, एचएनएलयू ने वैश्विक विश्वविद्यालय नवाचार एवं सहयोग के लिए एक ऐतिहासिक बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन (स्न्रुश्च) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस ऐतिहासिक समझौते पर दक्षिण एशिया, दक्षिण–पूर्व एशिया और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के 20 अग्रणी और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम उच्च शिक्षा, नवाचार, अनुसंधान और सतत विकास के क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने की दिशा में भारत की ओर से एक बेहद महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

बैंकॉक के आईकॉनसियाम में हुआ वैश्विक समागम

यह समझौता 9–10 जुलाई 2026 को बैंकॉक स्थित प्रसिद्ध आईकॉनसियाम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित "AUAP - WURI इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान हुआ। इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य विषय सरकार के साथ साझेदारी में विश्वविद्यालय नवाचार–नीति, तंत्र और प्रभाव था, जिसमें दुनिया भर के विश्वविद्यालयों के प्रमुखों, नीति–निर्माताओं, नवाचार विशेषज्ञों और जाने–माने शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. विवेकानन्दन ने प्रस्तुत किया R-HaS मॉडल

कुलपति प्रो. विवेकानन्दन ने प्रस्तुत किया 'R-HaS' मॉडल शिखर सम्मेलन में एचएनएलयू का प्रतिनिधित्व करते हुए कुलपति प्रो. (डॉ.) वी.सी. विवेकानन्दन ने विश्वविद्यालय के अभिनव रिसर्च हब एंड स्पोक (R-HaS) मॉडल पर आधारित एक केस स्टडी प्रस्तुत की। इस प्रस्तुति के माध्यम से उन्होंने एचएनएलयू के अंतर्विषयी अनुसंधान तंत्र, बाह्य वित्तपोषित (एक्सटर्नली फंडेड) शोध परियोजनाओं तथा समाज के प्रति जवाबदेह एवं प्रभावकारी अनुसंधान के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया, जिसकी उपस्थित विशेषज्ञों ने काफी सराहना की।

इस रणनीतिक कामयाबी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. विवेकानन्दन ने कहा कि एचएनएलयू क्षेत्रीय और वैश्विक विश्वविद्यालय संगठनों के साथ सार्थक सहभागिता के माध्यम से अपनी अनुसंधान पहलों को वैश्विक स्तर पर प्रदर्शित और प्रसारित करने की दिशा में प्रभावशाली प्रगति कर रहा है। यह बहुपक्षीय समझौता हमारे अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग को विस्तार देने की दिशा में एक मील का पत्थर है। सम्मेलन के दौरान ्रक्क के महासचिव प्रो. डॉ. अनूप स्वरूप तथा कार्यकारी सचिव डॉ. सुपापोर्न चुआंगचिद के साथ संयुक्त सम्मेलन, अनुसंधान परियोजनाओं, संकाय (फैकल्टी) व छात्र विनिमय (एक्सचेंज) कार्यक्रमों पर भी बेहद सार्थक चर्चा हुई है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.– 0771–2223399, मो.–6262904444